हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 24.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 210 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से पूछताछ के लिए झूंसी पुलिस वाराणसी पहुंची

वाराणसी : ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण मामले में दर्ज मुकदमे की जांच शुरू हो गई है। कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज होने के बाद इस मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद सहित अन्य तीन व्यक्तियों से पूछताछ के लिए झूंसी पुलिस (प्रयागराज) सोमवार को वाराणसी पहुंच गई। इस घटनाक्रम को लेकर शहर में चर्चा का माहौल बना हुआ है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा केदारघाट स्थित श्रीविद्यामठ में शंकराचार्य सहित अन्य आरोपितों से विस्तृत पूछताछ करेंगे। दरअसल, शनिवार को जिला पाक्सो एक्ट कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस को अभियोग पंजीकृत कर विवेचना करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने खास तौर पर निर्देशित किया है कि इस मामले में विवेचना निष्पक्ष, स्वतंत्र और शीघ्र की जाय। यह मुकदमा शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी के दायर अर्जी पर हुआ है। इसमें शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद पर माघ मेले के दौरान नाबालिग लड़कों से यौन शोषण का आरोप लगाया गया था। कोर्ट में पीड़ित बच्चों के बयान भी दर्ज कराए गए थे। इसके बाद कोर्ट ने प्रयागराज पुलिस कमिश्नर से मामले की जांच कर आख्या मांगी।

भारत मंडपम प्रदर्शन मामले में दो और प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

नयी दिल्ली : नयी दिल्ली के भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई प्रदर्शन से जुड़े प्रकरण में की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान 36 वर्षीय अजय कुमार विमल और 24 वर्षीय राजा गुर्जर के रूप में हुई है। बता दें इस मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा इससे पहले चार प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की गई है। साथ ही पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के चार कार्यकर्ताओं को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

छिटपुट घटनाओं के बीच राज्य में नगर निकाय चुनाव संपन्न

- गिरिडीह और धनबाद : बूथों पर झड़प
- झड़प में बोकारो डीएसपी घायल
- रांची और साहिबगंज : मारपीट और गोली चलने से अफरातफरी
- जमशेदपुर और गुमला : मारपीट और बोगस वोटिंग पर बवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नगर निकाय चुनाव के तहत जारी मतदान का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। शाम पांच बजे तक राज्यभर में 61.84 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया है। झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने सोमवार को बताया कि सुबह 7:00 बजे से शाम पांच बजे तक लगभग 61.84 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रहा है। राजधानी रांची समेत कई जिलों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें और उत्साह नजर आया, वहीं दूसरी ओर कई स्थानों से हिंसा, बोगस वोटिंग और हंगामे की खबरें भी सामने आईं।

बोकारो में बूथ पर बवाल और मारपीट की घटना में चास डीएसपी प्रवीण सिंह घायल हो गए। चास के भोजपुर कॉलोनी क्षेत्र में बोगस वोटिंग के आरोप में तीन महिलाओं को हिरासत में लिया गया।

गिरिडीह के बूथ संख्या 4 पर समर्थकों के बीच झड़प हुई। वहीं धनबाद के वार्ड 27 और वार्ड 22 में भी हंगामा हुआ। वार्ड 22 में बूथ लूटने की कोशिश और पार्षद प्रत्याशी के भाई से मारपीट की घटना ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में निकाय चुनाव के विरोध में कोल्हान बंद बुलाया गया। चांडिल में हाईवे जाम कर विरोध जताया गया, जिससे यातायात प्रभावित रहा। जमशेदपुर के जुगसलाई क्षेत्र में बोगस वोटिंग के आरोप पर हंगामा हुआ। समर्थकों के विरोध के कारण करीब एक घंटे तक मतदान बाधित रहा। गुमला जिले के अंबेडकर नगर मतदान केंद्र पर दो गुटों के बीच विवाद मारपीट में बदल गया। रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में मतदान के दौरान मारपीट की घटना सामने आई।

मुख्यमंत्री ने पत्नी संग डाला वोट

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को अपनी पत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ मतदान किया। मुख्यमंत्री रांची के हरमू स्थित संत कुलदीप स्कूल में बने मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही समर्थकों और आम लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। कई लोग उनसे मिलने और कल्पना सोरेन के साथ तस्वीर लेने को उत्सुक दिखे। हालांकि, मुख्यमंत्री दंपति ने आम मतदाता की तरह कतार में खड़े होकर शांतिपूर्वक मतदान किया। वोट डालने के बाद मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने अपनी उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए फोटो खिंचवाई। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकलकर मतदान करें। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर एक वोट कीमती है और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कर्मचारी हित में बड़ा कदम, सीएम हेमन्त के नेतृत्व में पीएनबी से आज होगा समझौता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य सरकार और पंजाब नेशनल बैंक के बीच स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज (एसजीएसपी) योजना के तहत समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह कार्यक्रम मंगलवार को अपराह्न 2:00 बजे प्रोजेक्ट भवन स्थित एनेक्सी भवन, द्वितीय तल सभागार, रांची में आयोजित होगा। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय वित्त मंत्री की उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर न केवल एमओयू साइन किया जाएगा, बल्कि राज्य के वित्तीय आंकड़ों से संबंधित एक विशेष डैशबोर्ड का भी लोकार्पण किया जाएगा, जिससे वित्तीय प्रबंधन और पारदर्शिता को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

एसजीएसपी योजना के तहत राज्य सरकार के कर्मियों को बैंकिंग सुविधाओं का विशेष लाभ मिलेगा। इस समझौते के बाद सरकारी कर्मचारियों के वेतन प्रबंधन, बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय लेन-देन की प्रक्रिया को और अधिक व्यवस्थित और डिजिटल बनाया जाएगा। वित्तीय डैशबोर्ड के माध्यम से राज्य के राजस्व, व्यय और अन्य वित्तीय आंकड़ों की मॉनिटरिंग आसान होगी। इससे वित्त विभाग को रियल टाइम डेटा उपलब्ध होगा और नीति निर्माण में भी सुविधा मिलेगी। राज्य सरकार इस पहल को वित्तीय पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक अहम कदम मान रही है।

मुख्यमंत्री को मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज के कार्यक्रम का मिला निमंत्रण

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज, बारीडीह जमशेदपुर के प्रभारी डीन डॉ० हरीश चंद्र बंधु ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ। बंधु ने मुख्यमंत्री को आगामी 26 फरवरी 2026 को बारीडीह, जमशेदपुर स्थित कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने हेतु सादर आमंत्रित किया। विदित हो कि 26 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जमशेदपुर दौरा प्रस्तावित है। इसी क्रम में राष्ट्रपति का मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज आगमन कार्यक्रम भी निर्धारित है।

मुकुल रॉय का निधन : पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, ममता ने बताया- 'संघर्षों का साथी'

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दिग्गज नेता मुकुल रॉय के निधन पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने उनके योगदान को याद किया तो वहीं ममता बनर्जी ने उन्हें लंबे समय का राजनीतिक सहयोगी और कई संघर्षों में सह-योद्धा बताया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री मुकुल रॉय जी के निधन से गहरा दुःख हुआ। उन्हें उनके राजनीतिक अनुभव और समाज सेवा के प्रयासों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।" उनके अलावा एक्स पर एक बंगाली पोस्ट में, ममता बनर्जी ने कहा कि वह रॉय के निधन से "स्तब्ध और दुखी" हैं और उन्होंने याद किया कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के बाद से अथक रूप से काम किया था और पार्टी के सभी स्तरों पर स्वीकार्यता हासिल की थी। उन्होंने कहा, वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुकुल रॉय के अचानक निधन की खबर से मैं बेहद स्तब्ध और दुखी हूं। वे मेरे दीर्घकालिक राजनीतिक सहयोगी और अनेक राजनीतिक संघर्षों में मेरे साथी रहे हैं। उनके निधन की खबर से मेरा दिल टूट गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत मुकुल रॉय ने तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के समय से ही अपना जीवन पार्टी को समर्पित कर दिया था। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया और पार्टी के सभी स्तरों पर उन्हें स्वीकार्यता प्राप्त थी। बनर्जी ने कहा कि बाद में उन्होंने एक अलग राजनीतिक मार्ग चुना था, लेकिन फिर वे वापस लौट आए, और कहा कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में उनके योगदान और संगठनात्मक कौशल को भुलाया नहीं जाएगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, बिहार जा रही स्लीपर बस पलटी, सात की मौत

एजेंसी

लखनऊ : यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार को भीषण सड़क हादसा हो गया है। लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा पर बिहार जा रही स्लीपर कोच बस पलट गई। इस हादसे में सात की मौत हो गई है जबकि 40 से ज्यादा घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस और आपदा बल राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। आला अफसर मौके पर पहुंच रहे हैं। कमिश्नर विजय विश्वास पंत भी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। बस पानीपत से बिहार अरहरिया सवारियां लेकर जा रही थी। राजधानी लखनऊ में गोसाईगंज के जौखंडी गांव में सोमवार शाम करीब 4:30 बजे बड़ा हादसा हो गया। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार स्लीपर बस बेकाबू होकर पलट गई। भीषण सड़क हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने किसी से तरह से बस में फंसे लोगों को निकाला। हादसे अभी तक सात लोगों के मारे जाने की सूचना है। वहीं 40 से अधिक लोगों को घायल बताया जा रहा है। गंभीर घायलों को सीएचसी गोसाईगंज से केजीएमयू ट्रामा सेंटर के लिए रेफर किया गया।

नेपाल में दर्दनाक सड़क हादसा, काठमांडू जा रही बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 की मौत

काठमांडू : नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पोखरा से काठमांडू जा रही यात्रियों से भरी बस धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में गिर गई, जिससे कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 1.15 बजे बेनीघाट रोरंग ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड-3 स्थित चरौंडी के पास चिनाधारा इलाके में हुआ। जिला ट्रैफिक पुलिस के अनुसार मृतकों में छह महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं। घायलों में आठ महिलाएं, 18 पुरुष और एक नाबालिग लड़की हैं। सभी घायलों को तत्काल रेस्क्यू कर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक बस पृथ्वी हाईवे पर भैसेपाटी इलाके से गुजर रही थी, तभी अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और करीब 300 मीटर गहरी ढलान से नीचे गिरते हुए त्रिशूली नदी किनारे जा पहुंची। वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला। घटना की सूचना मिलते ही नेपाली सेना, आर्म्ड पुलिस फोर्स, नेपाल पुलिस और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। रात का समय और दुर्गम भौगोलिक स्थिति रेस्क्यू कार्य में बाधा बनी। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

सीएम योगी के सिंगापुर दौरे के पहले दिन यूपी को मिली बड़ी निवेश सफलता, 20 हजार करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर

- निवेश के साथ कौशल विकास को भी मिला वैश्विक सहयोग, डेटा सेंटर और ग्रीन एनर्जी पर विशेष फोकस
- यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप, गोल्डन स्टेट कैपिटल, पीआईडीजी और एवीपीएन ने जताई निवेश के लिए प्रतिबद्धता
- आईटीईएस के साथ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा सहयोग को लेकर हुआ समझौता

एजेंसी

सिंगापुर/लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सिंगापुर दौरे के पहले दिन उत्तर प्रदेश को निवेश और कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त हुईं। आधिकारिक बैठकों और निवेशकों के साथ संवाद के बीच कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पहले दिन कुल 19,877 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के लिए अहम माने जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों के समक्ष स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतिगत ढांचा, त्वरित स्वीकृतियां और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

हस्ताक्षरित किए गए समझौता ज्ञापनों में एक बड़ा प्रस्ताव यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप की ओर से आया, जिसने ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क और डेटा सेंटर परियोजनाओं में 6,650 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। इन परियोजनाओं से शहरी विकास, औद्योगिक गतिविधियों और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी क्रम में गोल्डन स्टेट कैपिटल ने उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए 8,000 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की। यह परियोजना राज्य को देश के अग्रणी डेटा सेंटर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इसी तरह, प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप ने नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और कृषि सह सोलर (एग्री-पीवी) परियोजनाओं में 2,500 करोड़ रुपये निवेश का समझौता ज्ञापन किया। इसके अतिरिक्त एवीपीएन लिमिटेड ने भी नवीकरणीय ऊर्जा और एग्री-पीवी क्षेत्र में 2,727 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इन पहलों से उत्तर प्रदेश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री की सिंगापुर विजिट के पहले दिन निवेश के साथ-साथ कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने के लिए आईटीई एजुकेशन सर्विसेज के साथ सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत आईटीईएस शैक्षणिक विकास, बुनियादी ढांचे के उन्नयन, नेतृत्व और क्षमता निर्माण, आईएसक्यू प्रमाणन तथा क्वालिटी एश्योरेंस जैसे क्षेत्रों में परामर्श और तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की कौशल व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करना है।

सीजेआई की सख्ती के बाद घुटने पर आए व्हाट्सएप ने कहा- मानेंगे सारी शर्तें

एजेंसी

नयी दिल्ली : आपकी डिजिटल दुनिया का ताला अब आपकी उंगलियों पर होगा। आपके पास इसे रोकने की चाबी होगी। सोमवार को देश की सबसे बड़ी अदालत के गलियारों में व्हाट्सएप ने ये ऐलान किया। सुप्रीम कोर्ट की दहलीज पर व्हाट्सएप ने कहा कि अब लोगों की प्राइवेट जानकारी किसी उनकी जागीर नहीं होगी। यह केवल एक अदालती सुनवाई नहीं बल्कि डिजिटल आजादी की एक नई पटकथा है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अदालत में हुई एक महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान व्हाट्सएप की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के उस आदेश का पालन करेगा जिसमें उसे यूजर्स को अपने डेटा को अन्य मेटा कंपनियों के साथ शेयर करने पर अधिक नियंत्रण देने को कहा गया है।

यह फैसला भारतीय यूजर्स की डेटा प्राइवेसी के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद व्हाट्सएप और उसकी पेरेंट कंपनी मेटा ने घुटने टेक दिए हैं। सुनवाई में कपिल सिब्बल ने कंपनी की तरफ से भरोसा दिया कि वे विज्ञापन संबंधी डेटा शेयरिंग पर CCI के सुरक्षा उपायों और NCLAT के आदेश का पूरी तरह पालन करेंगे। यह भारतीय यूजर्स की प्राइवेसी के लिए बड़ी जीत है, क्योंकि अब डेटा शेयरिंग पर यूजर्स का नियंत्रण बढ़ेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ को आश्वस्त किया कि 16 मार्च 2026 तक सभी निदेशों को लागू कर दिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए मेटा और व्हाट्सऐप की अंतरिम रोक वाली अर्जियों को खारिज कर दिया। अब कंपनियों को CCI के समक्ष एक अनुपालन हलफनामा भी दाखिल करना होगा।

एक नजर

बरही में भटके 10 वर्षीय बालक को पुलिस ने सकुशल परिजनों से मिलाया

बरही : अपना नाम पता बताने में असमर्थ 10 वर्षीय बालक मो रेहान रहमतनगर से भटक कर सुबह बरही के देवचंदा मोड़ पहुंच गया। बरही थानाप्रभारी विनोद कुमार को जब देवचंदा मोड़ पर अकेला बालक का होने का पता चला तो उन्होंने अपने स्तर से छानबीन शुरू की और 10 वर्षीय बालक एहसान के घर का पता लगाया। थानाप्रभारी ने छानबीन के बाद मो एहसान को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। बालक रहमतनगर बरही थाना क्षेत्र का ही रहने वाला है।

महिला का शव रेलवे लाइन से बरामद

पलामू : पंडित दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) रेल मंडल अंतर्गत बीडी सेक्शन के हैदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बहेरा गांव के समीप रेलवे पटरी पर ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। घटना पोल संख्या 360/09ए के पास घाटी क्षेत्र में हुई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर जपला आरपीएफ पोस्ट एवं हैदरनगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने सोमवार शाम बताया कि प्रारंभ में महिला की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन बाद में उसकी शिनाख्त बिहार के रोहतास जिला के नासरीगंज के पटरी गांव की निवासी 32 वर्षीया सुषमा देवी के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार सुषमा मानसिक रूप से विक्षिप्त थी और परिवार के सदस्यों के साथ देवी धाम में झाड़-फूंक व इलाज कराने आई थी। इसी दौरान मौका देखकर वह परिजनों को छोड़ रेलवे ट्रैक की ओर भाग गई, जहां ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी दी कि सुषमा देवी नामक महिला परिजनों के साथ हैदरनगर देवी धाम आयी थी। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

मेदिनीनगर में डीआईजी डीसी और एसपी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

पलामू : मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में जारी नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत मतदान प्रक्रिया का जायजा लेने के लिए पुलिस उप-महानिरीक्षक कौशल किशोर, उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी समीरा एस और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। तीनों पदाधिकारियों ने वार्ड संख्या 6 अंतर्गत राजकीय नव प्राथमिक विद्यालय कचरवा स्थित बूथ संख्या 3 और 4, वार्ड 5 के बूथ संख्या 2 एवं 3 तथा वार्ड 5 के ही बूथ संख्या 1 पहुंचकर मतदान व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था और मतदाताओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। वार्ड 31 के मतदान केंद्र संख्या 3 पर अनावश्यक रूप से जमा भीड़ को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल हटवाया, जिससे शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित हो सका। कुछ मतदान केंद्रों पर मतदान कक्ष के अंदर दो व्यक्तियों द्वारा एक साथ मतदान करने की शिकायतें प्राप्त हुईं, जिससे गुप्त मतदान प्रभावित हो रहा था। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक मतदाता अलग-अलग और गोपनीय तरीके से ही मतदान करें। इसके अतिरिक्त वार्ड 27 में उपायुक्त ने मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुचारू एवं तीव्र गति से संचालित करने का निर्देश दिया, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बरही में 32वां केसरवानी मिलन समारोह हर्षोल्लास से संपन्न, सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

केशरवानी समाज के विकास के लिए सामाजिक एकजुटता व शिक्षा पर जोर देना जरूरी : कपिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : नगर केशरवानी वैश्य सभा की ओर से बरही के केसरवानी आश्रम में 32वां केसरवानी मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता नगर केसरवानी वैश्य सभा के अध्यक्ष विनोद केशरी एवं मंच संचालन राजेश केशरी एवं नंदिनी केशरी द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि भगवान केशरी अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के संगठन मंत्री, विशिष्ट अतिथि कपिल केशरी झारखंड प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के उपाध्यक्ष एवं महेंद्र केशरी झारखंड प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के पूर्व संगठन मंत्री शामिल रहे। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर एवं गोत्राचार्य महर्षि कश्यप ऋषि की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी ने अतिथियों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में विनोद केशरी ने समाज की एकता, शिक्षा के प्रसार एवं युवा वर्ग के मार्गदर्शन पर बल दिया तथा सभी सदस्यों से संगठित होकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में नंदिनी केशरी जी के नेतृत्व में आदर्श केशरी, ओम केशरी, पूजा केशरी, गुड्डू केशरी, आशीष केशरी, मून केशरी, अनमोल केशरी एवं रीतीक केशरी ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। आयोजन समिति की ओर से सभी मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों, पदाधिकारियों, मंच संचालकों, सांस्कृतिक प्रतिभागियों एवं उपस्थित सभी समाजबंधुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर कपिल केशरी ने कहा कि केशरवानी समाज के विकास के लिए सामाजिक एकजुटता एवं शिक्षा पर जोर देना जरूरी है। आपसी सद्भाव, एक दूसरे के सहयोग देकर समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मौके पर नगर केसरवानी वैश्य सभा के संरक्षक जगदीश साहू, रत्नेश्वर केशरी, दशरथ केशरी, मनोज केशरी, परमेश्वर केशरी, इन्द्रदेव केशरी, राजकुमार केशरी अध्यक्ष बिनोद केशरी, महामंत्री उदय केशरी, नगर महिला केसरवानी वैश्य सभा की संरक्षक संजू केशरी,अध्यक्ष जयंती केशरी, महामंत्री मंजू केशरी, सुनीता केशरी सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

खाटूश्याम फल्गुनी महोत्सव का होगा आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड क्षेत्र के करियातपुर दुर्गा मंदिर परिसर में खाटूश्यामजी मंडली की ओर से खाटूश्याम फल्गुनी महोत्सव के अवसर पर 26 फरवरी को सुबह 8 बजे निशाना यात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी जहां हजारों की संख्या में करियातपुर सहित दुलमाहा, लखना, नईटांड, दुधपनीयां, बरसोत सहित आसपास के गांव के महिला पुरूष व बच्चे हिन्दू सनातनी श्रद्धालु शामिल होंगे। निशान यात्रा गाजे बाजे ढोल नगाड़े एवं मजनो की मधुर धुन के बीच श्रद्धालु कार्यक्रम स्थल दुर्गा मंदिर परिसर से निकल नईटांड मोड़ होते हुए बरसोत चौक से पुनः करियातपुर दुर्गा मंदिर परिसर पहुंचेगी। उसके बाद भंडारे के रूप खिचड़ी का प्रसाद के रूप में वितरण किया जाएगा। वहीं 27 फरवरी संध्या 6 बजे देर रात रंगारंग तक खाटूश्याम बाबा की भक्ति भजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बाहर के कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को भाग लेने के लिए आयोजन समिति के द्वारा अपिल किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के संजय केशरी, प्रदीप केशरी, दीपक केशरी, दीपू केशरी, कमल शंकर पंडित, पवन केशरी, संजय केशरी, कैलाश केशरी, भोला भगत, राहुल प्रजापति, संतोष प्रजापति, कमलेश कुशवाहा, चन्दन केशरी, प्रकाश केशरी, अशीष केशरी सहित कई लोग जोर-शोर से लगे हुए हैं।

निकाय चुनाव : सांसद मनीष जायसवाल ने किया मतदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड नगर निकाय चुनाव-2026 के दौरान लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की और सुबह सवा नौ बजे अपने बूथ पर पहुंचकर मतदान किया। सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग नगर निगम के वार्ड संख्या 27 स्थित मुनका बगीचा धर्मशाला में बालिका मध्य विद्यालय, कुम्हारटोली अवस्थित अपने बूथ संख्या 04 पर पहुंचे जहां मतदान से पूर्व की सारी प्रक्रिया पूरी कर लोकतंत्र के महापर्व में अपने मत का उपयोग किया। मौके पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड के सभी जिलों के मतदाताओं से अपील किया अपने-अपने घरों से निकलकर लोकतंत्र के अधिकार का उपयोग करें, वोट जरूर दें और अपने पसंद का नगर की सरकार चुनकर अपने नगर निकायों में सुशासन और विकास युक्त शासन स्थापित करें। यहां मीडिया से रूबरू होते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि नगर की सरकार का गठन होने जा रहा है। यह हमारे दैनिक जीवन की आधारशिला है। हमारी सुबह की स्वच्छता से लेकर, रात की स्ट्रीट लाइट और घर की नल में आने वाले पेयजल तक सब कुछ इसी नगर निकाय से संचालित होता है। इसलिए नगर के सर्वांगीण विकास और सुशासन के लिए आपका घर से निकलकर बूथ तक पहुँचना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त होगा, जब इसके सभी स्तंभ पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपनी भूमिका निभाएंगे। सांसद मनीष जायसवाल ने यह भी कहा कि आज मतदान के दौरान मैंने एक व्यक्तिगत विडंबना का अनुभव किया। चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट प्रबंधन की त्रुटि के कारण आज मेरे ही परिवार का विभाजन हो गया।

रसोईया धमना मोड पर अंडरपास निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने एनएचआई को सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : सोमवार को बरही प्रखंड के रसोईया धमना मोड़ पर एनएचआई के उच्च अधिकारी चल रहे निर्माण कार्यों के निरीक्षण के लिए पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हुए और अधिकारियों को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण मो तौकीर रजा, मो तैयब, गुलाब सहित ग्रामीणों ने बताया कि वे रसोईया धमना एवं बेंदगी पंचायत के निवासी हैं। रसोईया धमना मोड़ से लगभग 500 मीटर की दूरी पर अंडरपास का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसमें दोनों ओर मिट्टी भराई कर दीवार खड़ी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस निर्माण पद्धति से लगभग 15 हजार की आबादी को आवागमन, व्यवसाय और दैनिक गतिविधियों में कठिनाई होगी तथा दुर्घटना की आशंका भी बनी रहेगी। उपस्थित ग्रामीणों ने रसोइया धमना मोड पर अंडरपास का निर्माण की मांग की। साथ ही ग्रामीणों ने जनहित में वर्तमान योजना की समीक्षा कर प्रस्तावित अंडरपास को पिलर आधारित फ्लाईओवर के रूप में निर्माण करने की मांग रखी, ताकि लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके और क्षेत्रीय व्यापार को भी बढ़ावा मिले। इस दौरान कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। बताया कि निर्माण में अनियमितता के कारण पुल में धंस गया था। मौके पर सांसद प्रतिनिधि भगवान केसरी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, स्थानीय मुखिया गोविंद प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद तैयब अंसारी, समाजसेवी तौकीर रजा, समाजसेवी मो तस्लीम अंसारी, मोहम्मद खलील अंसारी, नारायण साहू, तबरेज अंसारी, गुलाब कुमार, संतोष कुमार, कुमार, केश्वर साव, धर्मदेव साव, सीताराम साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई तो वे आगे जन आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

13 पंचायतों के मुखिया व कर्मियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड मुख्यालय सभागार में प्रखंड की 13 पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का संचालन पंचायती राज मास्टर ट्रेनर मारुति दास गुप्ता एवं रिसोर्स पर्सन रूबी देवी के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर मारुति दास गुप्ता ने बताया कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ पंचायत के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए पंचायत स्तर पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और डिजिटल बनाया जा रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण में संविधान के मौलिक अधिकार, पंचायत सुदृढ़ीकरण, पूर्ण डिजिटलीकरण, मॉडल पंचायत निर्माण, अतिगरीब परिवारों की पहचान, सामूहिक चर्चा एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि अब प्रत्येक पंचायत सचिवालय में 'पंचायत सहायता केंद्र' खोला जाएगा। इसके माध्यम से ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पंचायत सहायक एवं वीएलई पंचायत स्तर पर ही ऑनलाइन आवेदन, प्रमाण पत्र, पेंशन, आवास सहित अन्य योजनाओं से संबंधित कार्य करेंगे। साथ ही गांव-गांव जाकर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी भी देंगे। कार्यक्रम में मुखिया गंदौरी दांगी, देवंती देवी, पूजा देवी सहित विभिन्न पंचायतों के पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायक बृजनन्दन साव समेत कई कर्मी उपस्थित रहे।

आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड में बीज उत्पादन एवं कृषि उद्यमिता प्रशिक्षण का सफल समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गौरिया कर्मा : आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड परिसर, गौरिया कर्मा में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "बीज उत्पादन एवं कृषि उद्यमिता विकास हेतु पादप प्रजनन एवं आणविक तकनीकों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण" का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विशाल नाथ ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर स्वरोजगार एवं कृषि उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तथा जैव-प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकों के माध्यम से ग्रामीण युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं और कृषि क्षेत्र में नई संभावनाएँ विकसित कर सकते हैं। प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. संतोष कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण पूर्णतः खेत एवं प्रयोगशाला आधारित था। 21 दिनों के दौरान प्रतिभागियों को पादप प्रजनन, बीज उत्पादन तथा आधुनिक आणविक तकनीकों का व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के प्रति अत्यंत संतोषजनक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे अपने भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने डीएनए निष्कर्षण, हाइड्रोपोनिक्स, बीज अंकुरण परीक्षण तथा जैव-रासायनिक विश्लेषण जैसी महत्वपूर्ण प्रयोगशाला तकनीकों का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इन तकनीकों से उन्हें आधुनिक फसल सुधार एवं वैज्ञानिक कृषि की प्रक्रियाओं को समझने में सहायता मिली। समापन कार्यक्रम में डॉ. संतोष कुमार, डॉ. अशोक कुमार तथा डॉ. कृष्ण प्रकाश उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में तकनीकी सहायक श्री अरुण रजक तथा श्री आकाश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा उन्होंने सीखी गई तकनीकों को अपने क्षेत्र में अपनाने और अन्य किसानों तक पहुँचाने का संकल्प लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षित अनुसूचित जाति युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

संक्षिप्त खबरें

बरही के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में 12वीं के छात्रों को दी गई विदाई

बरही : बरही के बरसोत में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में 12वीं कक्षा की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बरही पश्चिमी जिप सदस्या प्रीति गुप्ता एवं स्थानीय मुखिया मोतीलाल चौधरी एवं सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव शामिल हुए। इस विदाई समारोह में निबंध प्रतियोगिता एवं पेंटिंग प्रतियोगिता समेत कई अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए जिप सदस्या प्रीति गुप्ता ने कहा कि विदाई का यह पल निश्चित रूप से आंखों को नम कर देता है, लेकिन हमें गर्व है कि हमारी बेटियां अब उच्च शिक्षा की और कदम बढ़ा रही है। वहीं उन्होंने छात्राओं को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा समाज और परिवार का नाम रौशन करने की प्रेरणा दी। विद्यालय के वार्डेन रौशनी बाड़ा ने कहा कि कस्तूरबा विद्यालय ने सदैव ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने का कार्य किया है। उन्होंने छात्राओं को आगे की पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और जीवन की चुनौतियों का डटकर सामना करने की शुभकामनाएं दी। मौके पर विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं एवं लेखापाल फराह अतहर समेत विद्यालय के सैकड़ों छात्राएं मौजूद थे।

रामगढ़ में 101 जोड़ी शादी से संबंधित आरटीआई के रिपोर्ट को लेकर हुई प्रेस वार्ता

बड़कागांव : रामगढ़ में 8 फरवरी को सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से 101 दिव्यांग,अत्यंत गरीब लोगों की बेटियों की शादी कराने में आई खर्चे को लेकर अन्य के द्वारा एनटीपीसी के पास आरटीआई लगाकर रिपोर्ट मांगी गई। जिसमें कंपनी के द्वारा 15 लाख रुपए राशि का जिक्र किया गया है। जिसे लेकर बड़कागांव विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू ने बड़कागांव स्थित सांसद कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ,इसे राजनीति से प्रेरित बताया है। पूनम साहू ने कहा कि हजारीबाग जिले एवं रामगढ़ जिले में कई कल कारखाने उद्योग धंधे हैं। सभी के पास जरूरत के हिसाब से सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत फंड होता है ,जिससे क्षेत्र के विकास के लिए उपयोग में आता है। अगर यह जरूरतमंद आम गरीब बेटे बेटियों की शादी हुई। यह पुण्य का कार्य है, यह कोई पाप नहीं है। आमतौर पर भी हम लोग दूसरे के बेटियों की शादी के लिए बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं एवं उनका सहयोग भी करते हैं। शादी हुई दिव्यांग एवं गरीबों के माता-पिता से पूछे कि बेटियों के शादी के बाद माथे का बोझ कितना हल्का हुआ है। यह उन गरीब माता-पिता का भी अपमान किया गया है। यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित दुर्भावना से ग्रसित है, लोगों को दिग्भर्मित किया जा रहा है। सांसद मनीष जायसवाल की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। इसे पार्टी हरगिज बर्दाश्त नहीं कर सकती।

श्याम भक्त परिवार हजारीबाग द्वारा आज निकलेगी भव्य श्री श्याम फाल्गुन निशान ध्वज शोभायात्रा

हजारीबाग : श्याम भक्त परिवार हजारीबाग के द्वारा आयोजित होने वाली श्री श्याम फाल्गुन निशान ध्वज शोभायात्रा को लेकर समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। पूरे शहर में आस्था, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। मंगलवार को यह भव्य एवं ऐतिहासिक शोभायात्रा शहर की सड़कों पर श्याम नाम की गूंज के साथ निकलेगी। कार्यक्रम से एक दिन पूर्व सोमवार को आयोजन स्थल पर अत्यंत भक्तिमय दृश्य देखने को मिला। महिलाओं ने सामूहिक रूप से प्रभु श्री श्याम के पावन निशान की विधिवत रूप से उसकी सज्जा का कार्य किया। प्रभु श्री श्याम के मधुर भजनों को गुनगुनाते हुए महिलाएं पूरी श्रद्धा और समर्पण भाव से निशान को सजा रही थीं। हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा और जय श्री श्याम के जयकारों से पूरा परिसर गूंजायमान हो उठा। मोर पंख, गेंदा फूल, रंगीन वस्त्र एवं आकर्षक सजावटी सामग्री से निशान को भव्य और मनोहारी स्वरूप प्रदान किया गया। भक्ति में लीन महिलाओं के चेहरों पर उत्साह और आस्था की चमक स्पष्ट झलक रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा वातावरण श्याममय हो उठा हो। वहीं दूसरी ओर आयोजक मंडली के सदस्य भी कार्यक्रम को सफल एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु अंतिम तैयारियों में जुटे रहे। शोभायात्रा की सुसज्जित रथ की तैयारी, झांकियों की व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। आयोजक मंडली के सदस्यों ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्याम फाल्गुन निशान ध्वज शोभायात्रा को ऐतिहासिक और यादगार बनाने का हमारा संकल्प है।

87 वर्षीय ब्रजकिशोर जायसवाल ने व्हीलचेयर पर पहुंचकर किया मतदान, पेश की लोकतंत्र की मिसाल

हजारीबाग : झारखंड नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत आज हजारीबाग में लोकतंत्र की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल के पूज्य पिता और हजारीबाग के पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल ने अपनी शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद मतदान केंद्र पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 87 वर्षीय ब्रजकिशोर जायसवाल ने वार्ड संख्या 28 स्थित उर्दू स्कूल, काजी मुहल्ला के बूथ केंद्र पर व्हीलचेयर से पहुँचकर वोट डाला। इस उम्र में भी मतदान के प्रति उनका यह जज्बा देख वहां मौजूद अन्य मतदाता और चुनाव कर्मी बेहद प्रभावित हुए। उल्लेखनीय है कि 70 एवं 80 के दशक में लगातार तीन बार हजारीबाग नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में तथा वर्ष 2010 से 2020 के बीच हजारीबाग जिला परिषद अध्यक्ष के रूप में ब्रजकिशोर जायसवाल ने अपने सेवा क्षेत्र को समर्पित भाव से नेतृत्व दिया है।

नगर निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए सीख, झामुमो के लिए उपलब्धि होंगे : सुप्रियो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य की जनता ने नगर निकाय चुनाव में स्पष्ट संकेत दिया है। मतदाताओं ने सरकार की कार्य योजनाओं पर विश्वास जताया है और आने वाले नगर निगम चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए बड़ी सीख साबित होंगे, जबकि झामुमो के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। सुप्रियो भट्टाचार्य सोमवार को मोर्चा के प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहरी निकाय चुनाव में सुबह सात बजे से ही मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला और देर शाम तक लोग मतदान के लिए कतार में खड़े रहे। उन्होंने अनुमान जताया कि इस बार मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव के 49 प्रतिशत से अधिक रहने की संभावना है तथा अंतिम घंटे में मतदान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने चुनाव के शांतिपूर्ण संचालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों, पुलिस कर्मियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया। साथ ही स्वीकार किया कि कुछ स्थानों पर बूथ केंद्रों में बदलाव के कारण प्रारंभिक भ्रम की स्थिति बनी, लेकिन समग्र रूप से मतदान शांतिपूर्ण रहा और किसी बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली। उन्होंने कहा कि लोगों ने लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाते हुए बढ़-चढ़कर मतदान किया।

राज्य के सत्ताधारी गठबंधन ने निकाय चुनाव में लोकतंत्र का गला घोंटा : आदित्य साहू

रांची : भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने राज्य के मतदाताओं,मतदान कर्मियों और निर्वाचन आयोग का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को झारखंड के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में संपन्न हुआ,जिसमें करीब 50 प्रतिशत मतदान हुए हैं। अंतिम सूचना आने तक यह प्रतिशत बढ़ेगा ही। साहू सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि यह चुनाव भाजपा के आंदोलनों और न्यायालय के दबाव का परिणाम है। राज्य सरकार कभी भी निकाय चुनाव कराने के पक्ष में नहीं थी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में लोकतंत्र का गला घोंटने के लिए राज्य के सत्ताधारी गठबंधन ने हर कोशिश की। कहा कि पुलिस प्रशासन के सहारे चुनाव को प्रभावित करने के लिए राज्य सरकार ने हर हथकंडे अपनाए,जिसकी आशंका भाजपा ने पहले ही व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि एक तो 20 हजार से ज्यादा मतदान कर्मियों को मतदान से वंचित किया गया। पोस्टल बैलेट का कोई प्रावधान नहीं किया गया। वहीं जहां भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में वोट पड़ने की संभावना दिखाई दी,वहां पोलिंग परसेंटेज को कम करने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन पूरी तरह एक समुदाय विशेष के मतदाताओं के वोट प्रतिशत बढ़ाने में जुटा रहा। वहीं दूसरी ओर भगवा गमछा लगाकर वोट देने आए मतदाताओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश से प्रशासन के सहयोग से बोगस मतदान कराने की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। मेदिनीनगर के वार्ड नंबर 6 के बूथ संख्या 3 और 4 पर प्रशासन के सहयोग से बोगस वोटिंग कराया गया। इसी क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 के बूथ संख्या 2 और 3 पर पोलिंग एजेंट को बाहर कर बोगस कराया गया। गढ़वा के वार्ड नंबर 20 में झामुमो समर्थित प्रत्याशी के पति के द्वारा भाजपा समर्थित वोटरों को भगाया गया।

एक नजर

झारखंड के मौसम का बदला मिजाज, तेज आंधी व बारिश शुरू

रांची : राजधानी सहित झारखंड के कई हिस्सों में सोमवार रात करीब 8 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज आंधी के साथ बूंदा-बांदी शुरू हो गई। ज्ञात हो कि मौसम विभाग ने अलर्ट किया था कि 23 व 24 फरवरी को तेज आंधी व बारिश हो सकती है। सोमवार को दिन भर हल्के बादल छाए रहे। इसके बाद रात 8 बजे के करीब तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गयी। जानकारी के मुताबिक, चतरा, हजारीबाग, लातेहार में भी बारिश शुरू हो गई है। तेज आंधी की वजह से धूल उड़ने लगे। आमों का मंजर गिरने लगे। बारिश की वजह से अचानक तापमान में कमी आयी है। तापमान में कमी अगले दो दिन तक जारी रह सकती है। मौसम विभाग ने 24 फरवरी यानी मंगलवार को भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवा के साथ बारिश का अनुमान जताया है।

राज्य में 61.84 प्रतिशत मतदान, रांची में सबसे कम 43.28 प्रतिशत : अलका तिवारी

रांची : राज्य के 48 शहरी स्थानीय निकायों में शाम पांच बजे तक कुल 61.84 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे कम रांची में मतदान हुआ है। राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों में कुल 61.84 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिलों से मिले इन आंकड़ों में मामूली तब्दीली की संभावना रहती है। चुनाव में मतदान के प्रतिशत से संबंधित अंतिम आंकड़ा सभी स्तर के अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होता है। चुनाव से जुड़े सभी सक्षम स्तर के पदाधिकारियों की रिपोर्ट कल तक आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि राज्य के शहरी स्थानीय निकायों में सबसे कम मतदान रांची में हुआ है। रांची में सिर्फ 43.28 प्रतिशत मतदान हुआ है।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने राज्यपाल से की भेंट, दिया आमंत्रण

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग, रांची स्थित झारखंड के सबसे बड़े श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 1 मार्च, रविवार को वृंदावन की तर्ज पर फूलों की होली,वृंदावन से पधारे कलाकारों द्वारा आकर्षक नृत्य-नाटिका एवं संगीतमय भजन संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव को लेकर ट्रस्ट द्वारा व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को भक्तिमय और आनंदमय वातावरण का अनुभव हो सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार जी को आमंत्रित करने हेतु ट्रस्ट का प्रतिनिधिमंडल लोकभवन पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, प्रवक्ता संजय सर्राफ एवं दीपेश निराला शामिल थे।

शपथ पत्र

मैं, साधना देवी, पति- श्री गोपाल जयसवाल, निवासी- लोटा फैक्ट्री के पास, लोअर चुटिया सामलौंग, पो० + थाना- नामकुम, जिला- रांची (झारखंड), यह सार्वजनिक सूचना शपथ पत्र संख्या- 24925/E1 05645 दिनांक- 21-02-2026 को देती हूँ कि मेरा पुत्र विकास जयसवाल ने अपनी इच्छानुसार विवाह कर लिया है।

अतः मैं दिनांक 22.02.2022 से अपने पुत्र विकास जयसवाल एवं उसकी पत्नी को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से पूर्णतः बेदखल करती हूँ।

आज के बाद मेरे पुत्र विकास जयसवाल एवं उसकी पत्नी द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के प्रिय अथवा अप्रिय कार्य के लिए मैं अथवा मेरा कोई भी परिवारिक सदस्य उत्तरदायी नहीं होगा। उनके सभी कार्यों की पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं उन्हीं की होगी।

रांची के विभिन्न इलाकों में आज छह घंटे नहीं रहेगी बिजली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के कोकर डिवीजन के तहत पावरहाउस मोराबादी से सप्लाई होने वाली विद्युत आपूर्ति 24 फरवरी यानी मंगलवार को बाधित रहेगी। इस दौरान सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक पावरकट रहेगी। पावरकट से न्यू एरिया मोराबादी, डबल ट्रांसफार्मर चौक, सोनू जनरल स्टोर इलाके प्रभावित होंगे। इसके अलावा पावर हाउस पानीटंकी से बिजली आपूर्ति में बाधा रहेगी। जिसके चलते प्रगतिशील कॉलोनी, मुक्ति धाम बड़गाईं पावर सप्लाई नहीं होगी। वहीं, पावर हाउस आर.एम.सी.एच से सप्लाई होने बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस कारण केसर कॉलोनी, जोड़ा तलाब सहित आसपास के क्षेत्रों में पावरकट रहेगा। प्रभावित क्षेत्र के रहवासी आवश्यक कार्य समय पर पूरा कर लें। शाम 4.30 बजे के बाद पुनः सभी इलाकों में बिजली सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।

पेड़ पर चढ़कर दतवन तोड़ना पड़ा भारी, 11 हजार वोल्ट लगने से गई युवक की जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला स्थित बुढ़मू थाना क्षेत्र के नाऊज गांव में करंट लगने से एक 14 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हादसा नाऊज गांव ठाकुरगांव-बुढ़मू मुख्य मार्ग पर बिंदू बसाईर के सामने हुआ। मृतक की पहचान सिकंदर लोहरा के पुत्र सोनू लोहरा के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। दरअसल, यह घटना तब हुई जब सोनू लोहरा दतवन तोड़ने के लिए करंज के पेड़ पर चढ़ा था। इसी दौरान वह पेड़ से सटे 11 हजार वोल्ट के बिजली की तार की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह पेड़ पर ही अचेत हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, हादसे के दौरान बिजली की तार टूट गया, जिससे पेड़ के नीचे आग भी सूखी झाड़ियों में आग लग गई। आसपास के लोगों जब देखा तो तुरंत स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिजली विभाग को सूचना दी और सप्लाई बंद करवाई। सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंचल अधिकारी सच्चिदानंद वर्मा मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य मार्ग के किनारे इस तरह खुले में 11 हजार वोल्ट का तार रहना बेहद खतरनाक है। लोगों ने कहा कि इसकी शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही सोनू की मां बेटे का शव देखकर बदहवास होकर गिर पड़ीं। आसपास के लोगों ने पानी का छिड़काव कर उन्हें होश में लाया। परिवार और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रोटरी क्लब ऑफ रांची का निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ प्रत्यारोपण शिविर आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से 24 फरवरी को रोटरी भवन, रांची में निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। शिविर में लगभग 62 दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ निःशुल्क लगाए जाएंगे। क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि इस संबंध में राज्यपाल संतोष गंगवार से भी मुलाकात कर उन्हें शिविर में शामिल होने का आग्रह किया गया है। राज्यपाल से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष के अलावा जशदीप सिंह, गिरीश अग्रवाल और प्रवीण राजगढ़िया शामिल थे। असिस्टेंट गवर्नर रोटरी इमेज प्रवीण राजगढ़िया ने बताया कि शिविर का उद्देश्य उन लोगों को आधुनिक तकनीक की सहायता से नया जीवन देना है, जिन्होंने दुर्घटना, बीमारी या अन्य कारणों से अपना हाथ खो दिया है। इस शिविर में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से जरूरतमंद लोग भाग लेंगे। लाभार्थियों को न केवल शारीरिक सहारा मिलेगा, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे सामान्य जीवन जीने में सक्षम बन सकेंगे। शिविर के लिए इनाली फाउंडेशन की विशेषज्ञ टीम पुणे से रांची पहुंच चुकी है। विशेषज्ञ टीम लाभार्थियों की विस्तृत जांच, माप, परीक्षण और फिटिंग की प्रक्रिया आधुनिक उपकरणों की सहायता से पूरी करेगी। प्रत्येक लाभार्थी की शारीरिक स्थिति के अनुरूप कृत्रिम हाथ तैयार कर लगाया जाएगा, ताकि उन्हें अधिकतम सुविधा और कार्यक्षमता मिल सके। ये इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ आधुनिक सेंसर और मांसपेशीय संकेतों से संचालित तकनीक पर आधारित होते हैं, जिनकी सहायता से उपयोगकर्ता वस्तुओं को पकड़ना, उठाना और दैनिक कार्य आसानी से कर सकते हैं। शिविर को सफल बनाने में क्लब के पदाधिकारी और सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

सिंगपुर चौक विष्णु चरण महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण, आजसू कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : सिल्ली प्रखंड के सिंगपुर चौक पर सोमवार के दिन आजसू पार्टी के द्वारा स्वर्गीय विष्णु चरण महतो की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। माल्यार्पण के दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य गौतम कृष्ण साहू ने कहा कि स्वर्गीय विष्णु चरण महतो हमारे क्षेत्र के प्रखर बुद्धिजीवी थे एवं एक समय में सिल्ली प्रखंड के प्रमुख हुआ करते थे साथ ही वह कानून के बारे में लोगों को शिक्षा देते थे और निश्चित तौर पर वे अपने समाज के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहे और कहते थे कि बिना पढ़े हम समाज का विकास और बदलाव नहीं कर सकते हैं एवं शिक्षा के प्रति इनका काफी लगाव भी था। वे एक प्रबुद्ध व्यक्ति भी थे। अन्य वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान,जन सेवा के प्रति समर्पण और क्षेत्र के विकास में उनके महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। इस मौके पर मुरी पूर्वी के मुखिया कन्हैया लोहरा, आजसू पार्टी के क्षेत्रीय प्रभारी लक्ष्मण महतो, गणेश महतो, विकास महतो, मो चांद, मोहम्मद फारूक, कृष्णा महतो, घासीराम महतो, मनोरंजन मुंडा, संतोष मंडल समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झारखंड का दक्ष विश्वविद्यालय फर्जी घोषित, यूजीसी ने जारी की चेतावनी, कहा- यहां की डिग्री पर नहीं मिलेगी नौकरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : देशभर के 32 संस्थानों को फर्जी घोषित करने के बाद University Grants Commission की सूची में झारखंड का कथित दक्ष विश्वविद्यालय भी शामिल हो गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे संस्थानों द्वारा जारी डिग्रियां न तो सरकारी या निजी नौकरी के लिए मान्य होंगी और न ही उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकार की जाएंगी। यूजीसी के अनुसार, ये संस्थान विश्वविद्यालय होने का दावा करते हैं, जबकि इन्हें न केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार से वैधानिक मान्यता प्राप्त है। आयोग ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता आधिकारिक वेबसाइट पर अवश्य जांच लें। सूची में शामिल झारखंड के दक्ष विश्वविद्यालय का पता भास्कर पथ, न्यू पुनदाग, मसीबारी, रांची - 834007 बताया गया है। स्थानीय स्तर पर जांच करने पर वहां ऐसा कोई विश्वविद्यालय संचालित होता नहीं मिला। आसपास के लोगों ने भी इस नाम के किसी शिक्षण संस्थान के अस्तित्व से इनकार किया। हालांकि ऑनलाइन सर्च करने पर विश्वविद्यालय के नाम से एक वेबसाइट दिखाई देती है, जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों और डिग्री कार्यक्रमों की जानकारी दी गई है। लेकिन वेबसाइट पर कोई स्पष्ट संपर्क नंबर, अधिकृत कार्यालय या प्रशासनिक ढांचे की ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। इससे आशंका और गहराती है कि यह संस्थान केवल कागजों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक सीमित है। रांची विश्वविद्यालय के पूर्व सिंडिकेट सदस्य डॉ. अटल पांडे ने कहा कि दक्ष विश्वविद्यालय नाम का कोई मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय झारखंड में अस्तित्व में नहीं है। यदि कोई संस्था विश्वविद्यालय के नाम पर छात्रों को गुमराह कर रही है तो उस पर तत्काल सरकारी कार्रवाई होनी चाहिए। स्टेट यूनिवर्सिटी एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ. राजकुमार ने कहा कि फर्जी विश्वविद्यालय अक्सर आकर्षक विज्ञापनों, त्वरित डिग्री, ऑनलाइन कोर्स और कम शुल्क के जरिए छात्रों को फंसाते हैं। बाद में डिग्री की वैधता पर सवाल उठने पर छात्रों का करियर संकट में पड़ जाता है। वर्तमान में झारखंड में लगभग 30 से 32 मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संचालित हैं। पूर्व कुलपति एस.एन. मुंडा ने कहा कि जागरूकता ही इस समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की पुष्टि करना आवश्यक है, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

संक्षिप्त खबरें

दुबई के बुर्ज खलीफा में होगा ओलचिकी शताब्दी समारोह, हेमंत सोरेन से मिला डेलीगेशन

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंडित रघुनाथ मुर्मु हेरिटेज ट्रस्ट, रायरंगपुर (ओडिसा) के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी 11 एवं 12 अप्रैल 2026 को दुबई स्थित बुर्ज खलीफा में प्रस्तावित ओलचिकी शताब्दी समारोह के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समारोह की रूपरेखा, उद्देश्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओलचिकी लिपि को पहचान दिलाने की पहल पर विचार-विमर्श हुआ। मौके पर प्रतिनिधियों ने सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा ओलचिकी लिपि में अनूदित झारखंड का मानचित्र मुख्यमंत्री को सप्रेम भेंट किया। प्रतिनिधिमंडल में ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री चुन्नियान मुर्मु, कोषाध्यक्ष श्री अंता आलोक बास्के तथा सदस्य डॉ. डुमनी माई मुर्मु उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और इसे सांस्कृतिक पहचान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया।

नितिन नबीन से मिले सुदेश महतो, एनडीए को मजबूत करने पर मंथन

रांची : भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो के बीच नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में औपचारिक मुलाकात हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बैठक थी। सुदेश महतो ने नितिन नबीन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर एनडीए और अधिक सशक्त होगा। मुलाकात के दौरान झारखंड में एनडीए को मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भी राजनीतिक समीकरणों और तालमेल पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक के बाद सुदेश महतो ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि एनडीए का संकल्प राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन के नेतृत्व में एनडीए की एकता और अधिक मजबूत होगी तथा जनसेवा और विकास की राजनीति को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। इस मुलाकात को झारखंड और पूर्वी भारत की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

रमन कुमार साहू की अध्यक्षता में सार्वजनिक दुर्गात्सव समिति की हुई

सिल्ली : सिल्ली सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति राधिका मैदान सिल्ली की एक आवश्यक बैठक रविवार को रमन कुमार साहू की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2025 का आय-व्यय दिखाया गया और सर्वसम्मति से नई कमिटी का गठन किया गया। नई कमिटी में रमण कुमार साहू को अध्यक्ष, सुखेंदु सेन गुप्ता, भागवत सोनार, प्रदीप विश्वकर्मा और मनोज रजक को उपाध्यक्ष बनाया गया है। भरत मुंडा, भादुड़ी गोराई, सुधीर साहू, नागेंद्र नाथ गोस्वामी, और सुरेश मुंडा को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दुर्गा प्रसाद अग्रवाल को सचिव, ऋषिकेष सोनार और नरोत्तम गोराई को उपसचिव बनाया गया है। कार्तिक चंद्र गोराई कोषाध्यक्ष और जगदीश चन्द्र गोराई और कांचन सोनार सह कोषाध्यक्ष होंगे। सोसाइटी कमिटी में रमण कुमार साहू, दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, और ऋषिकेष सोनार शामिल हैं। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नई कमिटी को बधाई दी और दुर्गोत्सव के सफल आयोजन के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।

सभी नौ नगर निगमों में पिछली बार की तुलना में वोट डालने कम निकले शहरी मतदाता

रांची : छिटपुट हिंसा, मारपीट और नोंक-झोंक के बीच राज्य में सोमवार को नगर निकायों का मतदान समाप्त हो गया। इस मतदान में एक बार फिर शहरी क्षेत्र के मतदाताओं का उत्साह कम रहा। पिछली बार की तुलना में सभी नौ नगर निगमों में मतदाता अपने मताधिकार का कम प्रयोग किया। राजधानी रांची के मतदाता भी वोट डालने कम निकले। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आज देर शाम जारी किए गए आंकड़े के अनुसार 2018 की तुलना में रांची नगर निगम में छह फीसदी कम मत पड़े। धनबाद में लगभग दो फीसदी, देवघर में भी लगभग छह फीसदी, मेदिनीनगर में लगभगग तीन फीसदी, चास में चार, गिरिडीहह में दो, हजारीबाग में 9 और आदित्यपुर में लगभग सात फीसदी कम मत पड़े। मानगो नगर निगम में पहली बार चुनाव हुआ है, जहां 50 फीसदी मत डाले गए हैं। हालांकि मतदान का अंतिम आंकड़ा आने पर कुछ मतों में वृद्धि की संभावना है। लेकिन आयोग के अधिकृत सूत्रों का कहना है कि वह बहुत अधिक नहीं होगा। मुश्किल से 0.1 से 0.2 फीसदी मतदान ही बढ़ सकता है।

झारखंड की महिला कैदियों के गजरे बनाएंगे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

रांची : जेल की ऊंची दीवारों के भीतर अब सिर्फ सजा नहीं, सृजन की कहानी भी लिखी जा रही है। झारखंड की विभिन्न जेलों में बंद महिला कैदियों के हाथों से बने आर्टिफिशियल गजरे अब मुंबई के बाजारों में अपनी खुशबू बिखेरने को तैयार हैं। महिला कैदियों को अब राष्ट्रीय पहचान मिलने जा रहा है। मुंबई में इनके विपणन की तैयारी शुरू कर दी गई है और फैशन डिजाइनर बंदियों को विशेष प्रशिक्षण दे रहे हैं। हालांकि, झारखंड की अलग-अलग जेलों में महिला बंदियों द्वारा बनाए गए वस्त्र से लेकर सोहराई पेंटिंग हमेशा चर्चा में रहती है। महिला कैदियों का कहना है कि असली फूलों वाले गजरे जो मुश्किल से एक दिन चलते हैं वहीं अब, ताजे दिखने वाले गजरे मिलेंगे। उन्होंने दावा किया है कि ये गजरे न तो कभी मुझाएंगे और न ही खराब होंगे। गजरे पर बस अपना पसंदीदा इत्र लगाना है और फिर उन्हें अपने बालों में लगा लेना है। गौरतलब है कि झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि शुरूआत में ऐसे गजरे केवल पुरुष कैदी बनाते थे, लेकिन महिला बंदियों द्वारा इसे बनाने की इच्छा जताई गई जिसके बाद उन्हें प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि महिला कैदियों ने बहुत अच्छे से गजरा बनाया। आईजी सुदर्शन मंडल ने कहा कि इससे महिला कैदी भी आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिला कैदी गजरा बनाने के साथ-साथ कई तरह की दूसरी ज्वेलरी और कपड़े बनाना भी सिखा रही हैं। जेल आईजी ने कहा कि इनके द्वारा बनाए गए गजरों की फिल्म इंडस्ट्री में बहुत डिमांड है और ये साउथ में भी बहुत पॉपुलर हैं। फिलहाल, वे मुंबई में एक मार्केट बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि महिला बंदियों को पहचान मिल सके और अगर वे अपनी सजा पूरी करने के बाद रिहा होती हैं, तो उन्हें काम करने का मौका मिल सके, वे आत्मनिर्भर बन सके।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में बाइक चालक घायल

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत बरियारडीह मुख्य मार्ग स्थित परियोजना +टु उच्च विद्यालय देवीपुर के समीप सोमवार को अपाची बाइक चालक सड़क दुर्घटना में गम्भीर रुप से घायल हो गया। जानकारी अनुसार घायल व्यक्ति की पहचान राजधनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत चमटाडीह गांव निवासी राजेश कुमार सिंह उम्र लगभग 27 वर्ष पिता महेंद्र कुमार सिंह के रुप हुई है। जानकारी के अनुसार उक्त बाइक चालक अपने गांव चमटाडीह से काले रंग का बिना नम्बर के अपाची बाइक से पुरनानगर पंचायत के पसियाडीह गांव अपने मामा के घर जा रहा था। इसी दौरान उक्त मोटरसाइकिल चालक के द्वारा मोड़ होने के कारण राजेश अपना नियंत्रण खो दिया जिससे सड़क के किनारे लगे पेड़ से मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई एवं चालक गम्भीर रुप से घायल हो गया। घटना की खबर सुनकर आस पड़ोस के लोग घटनास्थल पर पहुंचकर गम्भीर रूप से घायल राजेश को 108 एम्बुलेंस वाहन कि मदद से उसे इलाज के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया गया।

गुमला में दर्दनाक सड़क हादसा, शादी में जा रहे दो युवकों की मौके पर मौत

गुमला : जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के मौनीदह के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पौड़ी सरना ग्राम निवासी लगभग 20 वर्षीय दीपक खेरवार और 19 वर्षीय अजीत उरांव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से आदर गांव जा रहे थे। इसी दौरान मौनीदह के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही घाघरा थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह और एएसआई गणेश दास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों शवों को बरामद कर थाना लाया गया है। सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया की जाएगी।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किसी बड़े वाहन की चपेट में आने से यह हादसा हुआ है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और तलाश में जुट गई है। घटना की खबर मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

धनबाद में घर के बाहर सो रही बच्ची को ट्रक ने कुचला

धनबाद : झरिया के लिलोरीपथरा में अवैध कोयला लदे ट्रक ने एक बच्ची को रविवार देर रात लगभग दो बजे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बच्ची घर के बाहर सो रही थी। बच्ची का नाम मुस्कान है जिसकी उम्र 11 वर्ष बताई जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। एक बार फिर अवैध कोयला परिवहन और बेलगाम ट्रकों की आवाजाही पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों व स्वजन का आरोप है कि क्षेत्र में रात के अंधेरे में अवैध कोयला ढोने वाले ट्रकों की लगातार आवाजाही होती है। भारी वाहन तेज रफ्तार में मोहल्ले से गुजरते हैं, जिससे आए दिन हादसों की आशंकाएं बनी रहती है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को कई बार इसकी शिकायत की गई है, लेकिन कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस हादसे ने लोगों के गुस्से को भड़का दिया। वहीं, सोमवार की सुबह करीब 7 बजे आक्रोशित स्वजन और स्थानीय लोगों ने झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

पलामू पड़वा में मॉब लिंचिंग, चोरी की अफवाह फैलाकर युवक की बेरहमी से हत्या, दो अरेस्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पड़वा थाना क्षेत्र में भीड़ हिंसा की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। मामला ग्राम कोकरसा, टोला तेलियाही का है, जहां चोरी के संदेह में एक युवक को बांधकर बेरहमी से पीटा गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।
21/22 फरवरी 2026 की रात्रि में थाना को सूचना मिली कि एक व्यक्ति को चोरी के आरोप में पकड़कर मारपीट की जा रही है। सूचना पर गश्ती दल तत्काल घटनास्थल पहुंचा। जांच में पाया गया कि पवन कुमार (पिता झ मनोज राम), निवासी ग्राम कोकरसा को पारसनाथ मेहता के घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर से बैटरी चोरी के संदेह में पकड़कर बरामदे की चौकी से हाथ-पैर बांधकर पीटा गया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाकर घायल पवन कुमार को मुक्त कराया और इलाज के लिए सदर अस्पताल, मेदिनीनगर भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता के लिखित आवेदन पर पड़वा थाना कांड संख्या-13/2026, दिनांक 22.02.2026, धारा-103(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। अनुसंधान में मुख्य अभियुक्त पारसनाथ मेहता ने स्वीकार किया कि 21 फरवरी की रात पवन कुमार उसके घर एक लड़की से मिलने आया था। इस पर परिवार के सदस्यों ने उसे बांधकर मारपीट की। पुलिस को गुमराह करने के लिए ट्रैक्टर की बैटरी चोरी की झूठी सूचना फैलाई गई, जिसके बाद आसपास के लोगों ने भी युवक के साथ मारपीट की। गंभीर मारपीट कर हत्या करने के आरोप में पारस महतो उर्फ पारसनाथ मेहता (37 वर्ष) और उनके पिता बिरेन्द्र महतो (60 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम कोकरसा, टोला तेलियाही, थाना पड़वा, जिला पलामू को 23 फरवरी 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घटना में प्रयुक्त दो अखैन (लंबा बांस का डंडा, आगे लोहे का हुकनुमा भाग लगा) और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।
पलामू पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि भीड़ हिंसा एक गंभीर और दंडनीय अपराध है। किसी भी अफवाह या उकसावे में आकर कानून अपने हाथ में न लें। किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें और शांति बनाए रखें। कानून का सम्मान करें और इंसानियत को प्राथमिकता दें।

संक्षिप्त खबरें

ताराटांड में राहु पूजा पर दिखी आस्था की अग्निपरीक्षा भगत ने अंगारों पर चलकर दिखाई भक्ति

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत बच्छेडीह पंचायत के ताराटांड गांव में सोमवार को पासवान समाज द्वारा राहु पूजा का आयोजन किया गया। जहाँ चंदवारा के मदनगुंडी गांव से आए राह बाबा भगत रविंद्र पासवान ने पारंपारिक तरीके से विधि विधान के साथ अपने कुल देवता का पूजन किया। जिसके बाद 21 फिट के बांस पर चढ़कर हैरतअंगेज कारनामे दिखाए वहीं भगत जी के अहुवाई में श्रद्धालु भक्तों ने 21 फिट के लंबे दहकते अंगारे पर नंगे पाव चलकर भक्ति और शक्ति का आस्था मिशाल पेश किया इसके साथ ही भगत ने धारदार लतवार पर नंगे पैर खड़े होकर शक्ति का परिचय दिया। उसके बाद खस्सी व बकरे की बली देकर समापन हुआ। जिसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं का कहना है कि राह बाबा पूजा के दौरान मांगी गयी मनोकामना पूरी होती है। पूजा कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत सचिव सुरेशचंद्र पासवान, गोबिद पासवान, मिथलेश पासवान, तुलसी पासवान, रामदेव पासवान, संजय पासवान, अरुण पासवान, कपिलदेव पासवान, सूरज पासवान,राहुल पासवान, गेंदों पासवान, रवि पासवान, मुन्ना पासवान, पंकज पासवान आदि समेत कई लोगों का नाम शामिल हैं। इस दौरान पासवान समाज के पुरुष व महिलाएं एवं बच्चे और सभी वर्गो के लोगों ने पूजा अर्चना की। समाज में एकजुट होकर इस पर्व को मनाया।

यादव जी की लव स्टोरी फिल्म के विरोध में यादव समाज का प्रदर्शन, लगाए नारे

कोडरमा : सतगावां यादव एकता मंच सतगावां के बैनर तले यादव समाज के लोगो ने सोमवार को यादव जी की लव स्टोरी फिल्म के विरोध में जोरदार व प्रदर्शन किया। वहीं समाज के लोगों ने विरोध जताते हुए कलीडीह से बासोडीह दुर्गा मोड़ तक मार्च निकाला और फिल्म के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने जय यादव, जय माधव के नारे लगाए। साथ ही फिल्म के निदेशक अमित बढ़ना एवं प्रगति तिवारी के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए हाय-हाय और मुदार्बाद के नारे लगाए तथा फिल्म के बहिष्कार का बहिष्कार किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि फिल्म में यादव समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बातें दिखाई गई हैं। जिसे समाज किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से फिल्म पर उचित कार्रवाई करने की मांग भी की। मार्च के दौरान बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग मौजूद रहे और शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया।

होली पर्व को लेकर जलडेगा थाना में शांति समिति की हुई बैठक

जलडेगा : थाना परिसर में आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसआई सुशील साह ने की। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों एवं विभिन्न समुदायों के सदस्यों के साथ होली के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने पर चर्चा की गई। प्रशासन की ओर से कहा गया कि किसी भी प्रकार की हुड़दंग या अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसआई ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि होली रंगों और प्रेम का त्योहार है, इसे शांति और सद्भाव के साथ मनाएं। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में इस आई किशोर महतो, इस आई कोनमेरला मुखिया कल्याण गुड़िया, जलडेगा मुखिया बालमुनी लुगुन, पतिअम्बा मुखिया विमला देवी, बसंत साहू, जसवंत साहू, त्रिलोक साहू,रामावतार अग्रवाल के अलावे अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पतरातू में संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती पर भव्य समारोह

पतरातू : पतरातू प्रखंड के स्टीम कॉलोनी स्थित रेलवे यूनियन कार्यालय में अखिल भारतीय धोबी महासंघ की प्रखंड कमेटी द्वारा संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र रजक ने की, जबकि संचालन युवा मोर्चा के सचिव संतोष रजक ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदीप रजक ने दीप प्रज्वलित कर एवं संत की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद उपस्थित अतिथियों और समाज के लोगों ने बारी-बारी से पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने संत गाडगे महाराज के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। संत गाडगे महाराज का जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक साधारण धोबी परिवार में हुआ था। उनका मूल नाम देबूजी झिंगराजी जानोरकर था। उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा, स्वच्छता अभियान, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समरसता के लिए समर्पित कर दिया। वे एक हाथ में झाड़ू और मिट्टी का बर्तन लेकर गांव-गांव घूमते थे तथा कीर्तन के माध्यम से लोगों को स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता का संदेश देते थे। भिक्षाटन से प्राप्त धन से उन्होंने महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में धर्मशाला, गौशाला, विद्यालय और चिकित्सालय का निर्माण कराया, जहां गरीबों को निःशुल्क शिक्षा और उपचार की सुविधा मिल सके। उन्होंने अपने लिए कभी घर नहीं बनवाया और सादगीपूर्ण जीवन जीते हुए समाज सेवा को ही अपना धर्म माना। कार्यक्रम में समाज के लोगों से अपील की गई कि वे गरीब, वंचित और जरूरतमंदों की सहायता कर संत के आदर्शों को आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर नंदलाल रजक, उमेश रजक, कपिल रजक, नरेश रजक, राजा रजक, मनीष रजक सहित कई सदस्य उपस्थित थे। समारोह में समाज के लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

जुगसलाई में क्रॉस सपोर्ट बयान पर कांग्रेस की कार्रवाई, अभिजीत सिंह निष्कासित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : नगरपालिका चुनाव के दौरान जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में सामने आए क्रॉस सपोर्ट के बयान को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। जिला अध्यक्ष परिविंदर सिंह ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी इंदु देवी के समर्थन में मतदान करने के बयान पर कांग्रेस नेता अभिजीत सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि पूरे मामले की समीक्षा के बाद इस घटनाक्रम को गंभीर संगठनात्मक उल्लंघन माना गया। चुनाव जैसे संवेदनशील समय में विरोधी दल के पक्ष में समर्थन का बयान पार्टी की आधिकारिक नीति के विरुद्ध है और यह संगठन के प्रति खुली अविश्वसनीयता एवं अनुशासनहीनता को दर्शाता है। पार्टी नेतृत्व ने अभिजीत सिंह की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए इसे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से संगठन विरोधी गतिविधि की श्रेणी में रखा है। परिविंदर सिंह ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी अपने सिद्धांतों और अनुशासन के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। कार्यकर्ताओं की मेहनत और संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण की रिपोर्ट जिला पर्यवेक्षक के माध्यम से प्रदेश प्रभारी, प्रदेश सह-प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष को भेजी जा रही है, ताकि आवश्यक स्तर पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उत्क्रमित विद्यालय कहारटोली के बूथ संख्या 147 पर हंगामा, मतपेटी सीलिंग को लेकर हुआ विवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरीतिलैया नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के तहत मतदान के दौरान उत्क्रमित विद्यालय कहारटोली स्थित बूथ संख्या 147, भाग संख्या 22/2 पर उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब मतपेटी की सीलिंग को लेकर अभिकर्ता और प्रत्याशी के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के समर्थक भी आमने-सामने आ गए। बताया जा रहा है कि मतपेटी को सील करने की प्रक्रिया के दौरान एक पक्ष ने आपत्ति जताई, जिसके बाद माहौल गरमा गया। कुछ देर तक बूथ परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। हालांकि मतदान प्रक्रिया को बाधित नहीं होने दिया गया। सूचना मिलते ही तिलैया थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया गया। प्रशासन की सतर्कता के कारण मामला ज्यादा नहीं बढ़ सका। घटना के बाद बूथ पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतदान निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय मतदाताओं ने भी संयम बनाए रखने की अपील की है, ताकि लोकतंत्र के इस महापर्व में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

ईचागढ़ में जनसंपर्क अभियान पर निकलीं सारथी महतो, कार्यकर्ताओं संग की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़: ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्व. साधु चरण महतो की धर्मपत्नी सारथी महतो ने सोमवार को क्षेत्र का दौरा कर आमजन की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों में लोगों से मुलाकात कर जनसमस्याओं की जानकारी ली तथा समाधान के लिए पहल करने का आश्वासन दिया। भ्रमण कार्यक्रम के क्रम में कुकडू स्थित फाल्गुनी होटल में अपने समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई।
बैठक में संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की गई।पत्रकारों से बातचीत करते हुए सारथी महतो ने कहा कि उनके पति स्व. साधु चरण महतो हमेशा क्षेत्र की जनता की सेवा में समर्पित रहे। क्षेत्रवासियों ने उन्हें अपार स्नेह और समर्थन देकर विधानसभा तक पहुंचाने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि वे अपने पति के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।उन्होंने बताया कि वे लगातार क्षेत्र के लोगों के बीच रहती हैं, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण कुछ दिनों से क्षेत्र में नहीं आ सकी थीं। समय मिलते ही उन्होंने पुनः जनसंपर्क अभियान शुरू किया है और आगे भी क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में साथ खड़ी रहेंगी। मौके पर मदन सिंह, भरत महतो, अजीत सिंह, आजसू नेता अरुण कुमार महतो सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धरगांव में रुद्र महायज्ञ का चौथा दिन भागवत कथा से भक्तिमय हुआ वातावरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड के धरगांव पंचायत में चल रहा श्री श्री 1008 नवदिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ के चौथे दिन यज्ञ मंडप का परिक्रमा को लेकर श्रद्धालु भक्त हजारों हजार की संख्या में यज्ञ स्थल पर पहुंच रहे हैं। वहीं साधना किशोरी श्रद्धालु भक्तों को भागवत कथा के माध्यम से रसपान करवा रही है श्रद्धालु भक्तों को कथा वाचिका अमृत पान कर रही है श्रद्धालु भक्त यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते हुए ओम नमःशिवाय का जाप भी कर रहे हैं.महायज्ञ यज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष बाबूलाल यादव सचिव रामू यादव एवं कोषाध्यक्ष सुखदेव मेहता, पूर्व मुखिया सुरेश यादव के साथ-साथ समिति के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्य गण लगे हुए हैं। महायज्ञ कार्यक्रम को बेहतर बनाने में सकलदेव यादव, पिंटू लाल यादव, सुभाष मेहता, रवि यादव, संतोष मेहता, प्रदीप मेहता, राधेश्याम रसिया, वीरेंद्र साव मिथिलेश यादव, नितेश यादव, रामजतन यादव विनय यादव सहित सैकड़ो कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। यज्ञ समिति के मीडिया प्रभारी रामकृष्ण मेहता, सोशल मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर यादव अपना कार्य को निभा रहे हैं महायज्ञ कार्यक्रम स्थल पर पूर्व मुखिया नरसिंह मेहता,शंभू शरण मेहता कालेश्वर यादव रामदेव यादव रामकृष्ण यादव कुमार यादव मनोज मेहता सुगी मेहता सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बरसलोया में 200 वर्षों पुरानी परंपरा का आगाज 29 फरवरी से महापर्व, चार से होली उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोलेबिरा : प्रखंड अंतर्गत ग्राम बरसलोया में एक बार फिर अपने गौरवशाली इतिहास और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के साथ दोहरे उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। लगभग 200 वर्षों से चली आ रही मुख्य पारंपरिक परंपरा का शुभारंभ 29 फरवरी से होगा, जबकि 4 फरवरी से होली महोत्सव का रंगारंग आरंभ गांव में उत्साह और उमंग की नई लहर लेकर आएगा। यह संयुक्त आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि ग्राम की सामाजिक एकता, सांस्कृतिक पहचान और सामूहिक चेतना का जीवंत उदाहरण है। ब्रिटिश काल से लेकर आधुनिक युग तक इस परंपरा की निरंतरता बनी रही। विपरीत परिस्थितियों में भी ग्रामीणों ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा। इस वर्ष विशेष बात यह है, कि महापर्व के साथ-साथ होली उत्सव का रंगारंग आयोजन भी होगा, जिससे पूरे गांव में आध्यात्मिकता और आनंद का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। लगभग 200 वर्ष पूर्व ग्राम बरसलोया के पूर्व मुख्य पुजारी बंशीधर पंडा के दादा जी के नेतृत्व में इस महापर्व की शुरूआत की थी। उस समय इसका उद्देश्य गांव में धार्मिक चेतना, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना था। वर्षों से यह आयोजन बिना किसी औपचारिक समिति के, ग्रामवासियों की सामूहिक सहभागिता से संपन्न होता आ रहा है। बुजुर्गों के अनुसार यह पर्व गांव की आत्मा से जुड़ा हुआ है, और इसे निभाना प्रत्येक ग्रामीण का कर्तव्य माना जाता है। समय के साथ साधनों में परिवर्तन आया, लेकिन परंपरा की भावना आज भी वैसी ही है। नई पीढ़ी भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग ले रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि गांव अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है। 29 फरवरी की रात्रि में ग्राम बरसलोया में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किसी एक स्थान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे गांव में घूम-घूमकर विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न की जाएगी। रात्रि होते ही वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं मंगलध्वनि के साथ भगवान श्री कृष्ण एवं राधा रानी की पावन रथ यात्रा का शुभारंभ होगा। पूरे गांव में भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिलेगा। गांव के प्रतिष्ठित पुजारी पंडित दिलीप पंडा एवं पंडित लखेश्वर पंडा के सान्निध्य में रथ प्रत्येक प्रमुख स्थल, टोला, मोहल्ले में पहुंचकर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना करेगा।

एक नजर

पवन हत्याकांड में पिता-पुत्र गिरफ्तार, प्रेम प्रसंग में पीट पीट कर हुई थी हत्या

पलामू : पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र के कोकरसा गांव के तेलियाही टोले में मुरमा के पवन कुमार की हत्या प्रेम प्रसंग में पीट पीट कर हुई थी। मामले को बैटरी चोरी साबित करने का प्रयास किया गया। हालांकि पुलिस अनुसंधान में प्रेम प्रसंग में हत्या सामने आया। इस सिलसिले में दो आरोपित पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया गया। सोमवार को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने इसकी पुष्टि की। एसपी के अनुसार पवन कुमार अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए कोकरसा गांव के तेलियाही टोले में गया था। घर के लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। बाद में गुमराह करने के लिए घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर से बैटरी चोरी के प्रयास की सूचना फैला दी। आसपास के लोगों ने भी मौके पर जुट कर पवन की पिटाई की। गंभीर रूप से जख्मी पवन की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। अनुसंधान के क्रम में सामने आया कि पवन कुमार पारस मेहता के घर किसी लड़की से मिलने गया था। जानकारी होने पर पवन को घर के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर हाथ पैर बांधकर पिटाई की गई और चोरी का आरोप लगाया गया। पूछताछ के क्रम में पारस ने स्वीकार किया कि 21 फरवरी की रात में पवन कुमार चोरी छिपे उसके घर आया था और इसी क्रम में उसे पकड़कर पिटायी की गई और घटना को चोरी साबित करने की कोशिश की गयी।

धरती पर आने जाने के बीच किए गए कार्य ही बनाते हैं स्मरणीय : अर्जुन मुंडा

खूंटी : सरना समाज के अगुआ और आजीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे दिवंगत सनिका पाहन की स्मृति में सोमवार को तोरपा प्रखंड के चंपाबाहा में पारंपरिक विधि विधान से पत्थलगड़ी की गई है। कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। पत्थलगड़ी कार्यक्रम के दौरान सिंग बोंगा का आह्वान कर पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर अर्जुन मुंडा अपनी पत्नी मीरा मुंडा के साथ चंपाबहा गांव पहुंचे और पत्थलगड़ी स्थल पर पूजा में भाग लिया। उन्होंने संस्मरण पत्थर पर आम के पल्लव से अभिषेक किया तथा चावल अर्पित कर दिवंगत सनिका पाहन को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि सनिका पाहन सरना समाज के सशक्त अगुआ थे और उन्होंने जीवन भर समाज सेवा के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि सरना धर्म आदि धर्म है और सानिका पाहन ने समाज की जागृति के लिए निरंतर प्रयास किए। 'जो व्यक्ति इस धरती पर आता है, उसका जाना निश्चित है,लेकिन धरती पर आने और जाने के बीच किए गए कार्य ही उसे स्मरणीय बनाते हैं'। उन्होंने कहा कि समाज सेवक के रूप में सनिका पाहन को लोग सदैव याद रखेंगे। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, दीपक तिग्गा, नीरज पाढ़ी, केशव कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व समाज के लोग उपस्थित रहे।

शिविर में 65 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

पूर्वी सिंहभूम : जिले में सोमवार को प्रोजेक्ट उल्लास के अंतर्गत आयोजित नि:शुल्क मिर्गी जांच और उपचार शिविर के तीसरे दिन सोमवार को 65 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने संदिग्ध मरीजों को विस्तृत परामर्श दिया और आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध कराईं। यह शिविर एम्स, नई दिल्ली के विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में संचालित किया जा रहा है। पोटका प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हरिणा और हल्दीपोखर में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे।

नगर निकाय चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, चार प्रखंडों में हुआ 65.63 फीसदी मतदान, मतगणना 27 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ नगर निकाय चुनाव सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। रामगढ़, पतरातू, मांडू और दुलमी प्रखंड की कुल 32 सीटों के लिए हुए मतदान में 97,698 मतदाताओं ने 98 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शाम 5 बजे तक कुल 65.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। प्रखंडवार आंकड़ों के अनुसार रामगढ़ में 38,721 मतदाताओं में से 25,325 ने मतदान किया, जो 65.01 प्रतिशत रहा। पतरातू में 25,005 में से 15,637 मत पड़े, यानी 60.72 प्रतिशत। मांडू में 30,923 में से 20,969 मतदाताओं ने वोट डाला, जो 69.26 प्रतिशत रहा। दुलमी में 3,049 में से 2,191 मत पड़े, जहां सर्वाधिक 71.09 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। मतदान समाप्ति के साथ ही उम्मीदवारों की किस्मत मतपेटियों में बंद हो गई है। अब सभी की निगाहें 27 फरवरी को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं, जब 32 सीटों का अंतिम परिणाम घोषित किया जाएगा। चुनाव के बाद शहर के चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर जीत-हार को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया है। समर्थक अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत के दावे कर रहे हैं। चुनाव को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा और लगातार गश्ती दल सक्रिय रहे। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज और पुलिस अधीक्षक अजय कुमार पूरे दिन स्थिति की निगरानी करते रहे। जिला पुलिस प्रशासन ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं और सभी संबंधित कर्मियों को धन्यवाद देते हुए इसे लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक बताया। अब जिलेवासियों को 27 फरवरी को आने वाले जनादेश का इंतजार है।

पलामू में हुआ 64.1 प्रतिशत मतदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : नगरपालिका निर्वाचन, 2026 सोमवार को पलामू जिले में शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। निर्धारित समय शाम 5 बजे तक 64.1 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में सबसे अधिक पांच नगर निकायों के लिए वोट डाले गए। मेदिनीनगर नगर निगम, विश्रामपुर नगर पर्षद, हुसैनाबाद, हरिहरगंज और छतरपुर नगर पंचायत के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से शुरू है। मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह का माहौल रहा। वे अपने फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र दिखाकर मतदान करते हुए नजर आए। छतरपुर में सबसे अधिक 68.45, मेदिनीनगर में सबसे कम 58.46, विश्रामपुर में 67.85, हरिहरगंज में 65.24 और हुसैनाबाद में 60.03 प्रतिशत मतदान हुआ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त समीरा एस. एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर शाम 6 बजे सभी मतदाताओं, टीम में शामिल पदाधिकारियों का आभार जताया है एवं बेहतर टीम वर्क बताया है। कहा कि सभी के सहयोग से ही लोकतंत्र के महापर्व का सुखद समापन किया गया। सभी मतपेटियों को सुरक्षित वज्रगृह लाया गया एवं सील कर सुरक्षित रख दिया गया है। 27 फरवरी को मतगणना होगी। जिले में 246 मतदान केंद्रों पर वोटिंग हुई। 231970 में से 1 लाख 48 हजार 692 मतदाताओं ने हिस्सा लिया। मेदिनीनगर नगर निगम में महापौर पद के लिए 11 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। इसी तरह विश्रामपुर नगर परिषद अध्यक्ष पद के 21, हुसैनाबाद अध्यक्ष पद के 7, छतरपुर अध्यक्ष पद के 24, हरिहरगंज नगर पंचायत अध्यक्ष पद के 10 उम्मीदवारों व पार्षद पद सहित कुल 724 उम्मीदवारों की किस्तम बैलेट बाक्स में बंद हो गई है।

रामगढ़ में नगर निकाय चुनाव हेतु 98 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के तहत 23 फरवरी 2026 को सुबह 7:00 बजे से रामगढ़ जिले के सभी 98 मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हुआ। ये सभी मतदान केंद्र जिले के 60 भवनों में स्थापित किए गए हैं, जिन्हें प्रशासनिक सुविधा के लिए 11 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, भयमुक्त और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर लगभग 1050 पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अलावा 4 पुलिस उपाधीक्षक और 4 पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में 46 बाइक क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया गया है, जो लगातार गश्त कर रही हैं। मतदान प्रक्रिया रामगढ़ थाना, रजरप्पा थाना, कुज्जू ओपी, बरकाकाना ओपी और भदानीनगर ओपी क्षेत्र में संचालित हो रही है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार स्वयं विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने आम मतदाताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। सुबह 11:00 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कुल 97,698 मतदाताओं में से 22,889 लोगों ने मतदान किया, जो 23.43 प्रतिशत रहा। प्रखंडवार मतदान प्रतिशत इस प्रकार रहा–दुलमी में 26.30 प्रतिशत, मांडू में 27.02 प्रतिशत, पतरातू में 20.93 प्रतिशत और रामगढ़ में 23.32 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

झारखंड के तिरूलडीह में अवैध बालू खनन पर कार्रवाई, 38,000 घनफीट बालू जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तिरूलडीह : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां नितिश कुमार सिंह के निदेशानुसार आज दिनांक 23.02.2026 को जिला खनन विभाग एवं तिरूलडीह थाना प्रभारी के संयुक्त नेतृत्व में तिरूलडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत तिरूलडीह, सिरकाडीह, सापदा तथा सपारूम बालू घाटों में अवैध बालू खनन/भंडारण/परिवहन के विरुद्ध औचक निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। निरीक्षण के क्रम में सपारूम घाट के समीप अवैध रूप से भंडारित लगभग 38,000 घनफीट बालू खनिज को विधिवत जब्त किया गया। इस संबंध में नियमानुसार अग्रेत्तर विधिक कार्रवाई की जा रही है। जांच के दौरान उपरोक्त घाटों पर तत्काल अवैध उत्खनन की गतिविधि नहीं पाई गई। तथापि तिरूलडीह एवं सिरकाडीह बालू घाटों में वाहनों के टायर के निशान पाए जाने के उपरांत वरीय पदाधिकारी से प्राप्त निदेर्शानुसार संभावित अवैध परिवहन मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर अवरोध गर्त का निर्माण कर मार्ग अवरुद्ध कर दिया गया है, ताकि भविष्य में अवैध परिवहन की पुनरावृत्ति न हो सके। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जिलांतर्गत किसी भी स्थान पर खनिजों के अवैध खनन, भंडारण अथवा परिवहन की गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का डीसी ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : नगरपालिका चुनाव की गिनती की तैयारियों को लेकर सोमवार को चास स्थित बाजार समिति परिसर में बनाए गए रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी अजय नाथ झा, डीडीसी शताब्दी मजूमदार और अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों-कर्मियों को जरूरी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतपेटियों की रिसिविंग प्रक्रिया की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीठासीन पदाधिकारियों की ओर से जमा किए जाने वाले सभी प्रपत्र और इनवेलप निर्धारित सुरक्षित बक्सों में सही तरीके से रखे जाएं, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि या अव्यवस्था न हो। अधिकारियों ने कहा कि बैलेट बॉक्स को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाए, स्टैच्यूटरी बॉक्स को निर्धारित सुरक्षित बक्से में और नॉन-स्टैच्यूटरी सामग्री को अलग निर्धारित स्थान पर रखा जाए। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। डीसी ने कहा कि मतदान संपन्न होने के बाद पीठासीन पदाधिकारी और मतदान कर्मी पूरे दिन की ड्यूटी के बाद थके हुए पहुंचेंगे। ऐसे में रिसिविंग सेंटर पर उनके साथ शालीन और सहयोगात्मक व्यवहार किया जाए। उन्होंने चाय-पानी की समुचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। रिसिविंग कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आज की प्रक्रिया सुव्यवस्थित रहेगी तो मतगणना के दिन कार्य अधिक सरल होगा। सभी कर्मियों को धैर्य और जिम्मेदारी के साथ निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुसार कार्य करने को कहा गया।

पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में नगरपालिका चुनाव के विरोध में कोल्हान बंद, चांडिल में हाइवे जाम कर प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : एक ओर झारखंड में नगरपालिका चुनाव को लेकर मतदान की प्रक्रिया जारी है, वहीं दूसरी ओर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में नगरपालिका चुनाव कराए जाने के विरोध में आदिवासी संगठनों ने कोल्हान बंद का आह्वान किया। बंद का हल्का-फुल्का असर सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल क्षेत्र में देखने को मिला। चांडिल थाना क्षेत्र के चिलगु तिलका माझी मोड़ के पास प्रदर्शनकारियों ने टाटाझरांची मुख्य मार्ग को कुछ समय के लिए जाम कर दिया। अचानक हुए सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। यात्री बसें, मालवाहक ट्रक और निजी वाहन कुछ देर तक फंसे रहे। हालांकि चांडिल पुलिस की गस्ती दल सक्रिय होने के कारण तुरंत ही जाम को हटा लिया गया और यातायात सामान्य हो गया। प्रदर्शन कर रहे आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि कोल्हान क्षेत्र पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है, जहां पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था और आदिवासी रीति-रिवाजों को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। उनका आरोप है कि ऐसे क्षेत्र में नगरपालिका चुनाव कराना असंवैधानिक है और यह आदिवासी स्वायत्तता एवं पारंपरिक ग्रामसभा व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची आदिवासी बहुल क्षेत्रों को विशेष अधिकार प्रदान करती है, जिसके तहत स्थानीय परंपराओं, सामाजिक संरचना और स्वशासन प्रणाली की रक्षा सुनिश्चित की गई है। उनका आरोप है कि राज्य सरकार इन अधिकारों की अनदेखी कर शहरी निकाय चुनाव थोप रही है, जिससे पारंपरिक व्यवस्था प्रभावित होगी। हालांकि प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। चांडिल में बंद का असर सीमित रहा तथा बाजार और अन्य गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित होती रहीं।
इधर, चुनाव प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। सुरक्षा के मद्देनजर संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है।
नगरपालिका चुनाव और पांचवीं अनुसूची को लेकर छिड़ा यह विवाद फिलहाल राजनीतिक और सामाजिक बहस का विषय बना हुआ है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सरकार और आदिवासी संगठनों के बीच संवाद की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

राधा गोविंद विश्वविद्यालय के भूगोल विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर राजस्थान-दिल्ली रवाना

रामगढ़ : राधा गोविंद यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग के छात्र-छात्राएं सोमवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए राजस्थान और दिल्ली के अध्ययन दौरे पर रवाना हुए। इस भ्रमण का उद्देश्य कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक भौगोलिक परिदृश्यों से जोड़ना और विद्यार्थियों को मैदानी अध्ययन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। विभागीय जानकारी के अनुसार छात्र जैसलमेर, जोधपुर, अजमेर तथा दिल्ली का भ्रमण करेंगे। इस दौरान वे भौगोलिक सर्वेक्षण, संसाधन विकास, पर्यटन, परिवहन तंत्र, शहरीकरण, स्थलाकृतियों, जैव विविधता और भूमि उपयोग प्रतिरूप का गहन अध्ययन करेंगे। विशेष रूप से मरुस्थलीय पर्यावरण में मानव हस्तक्षेप से उत्पन्न परिवर्तनों का प्रत्यक्ष अवलोकन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। जैसलमेर में छात्र थार मरुस्थल की भौगोलिक संरचना, रेत के टीलों, सीमित जल संसाधनों और पर्यटन के प्रभावों का अध्ययन करेंगे। जोधपुर में शहरी विस्तार, परिवहन नेटवर्क और ऐतिहासिक नगर संरचना से जुड़े पहलुओं का विश्लेषण किया जाएगा। अजमेर में धार्मिक पर्यटन, नगरीय दबाव और जल संसाधन प्रबंधन पर मानव गतिविधियों के प्रभाव को समझा जाएगा, जबकि दिल्ली में महानगरीय विकास और शहरी समस्याओं का अध्ययन होगा। भूगोल विभाग ने बताया कि यह सर्वेक्षण छात्रों में अनुसंधान क्षमता, मैदानी कार्यकुशलता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता विकसित करेगा। प्रश्नावली निर्माण, मानचित्रण, स्थल निरीक्षण और प्रतिवेदन लेखन जैसी तकनीकों का भी अभ्यास कराया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे ज्ञानवर्धक पहल बताया। विश्वविद्यालय प्रशासन के अन्य पदाधिकारियों ने भी सफल एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की। शिक्षकों के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक इस शैक्षणिक यात्रा में शामिल हुए। यह अध्ययन भ्रमण विद्यार्थियों के लिए भौगोलिक विविधताओं को नजदीक से समझने और उनके शैक्षणिक जीवन में व्यावहारिक अनुभव जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा।

अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ ने सीसीएल बरका सयाल प्रबंधन को सौंपा 21 सूत्री मांगपत्र

भुरकुंडा : अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को सीसीएल बरका सयाल क्षेत्र के महाप्रबंधक को 21 सूत्री मांगपत्र सौंपकर मजदूरों से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। महाप्रबंधक की अनुपस्थिति में यह मांगपत्र उनके प्रतिनिधि को सौंपा गया। संघ की ओर से सौंपे गए मांगपत्र में अंडरग्राउंड में कार्यरत मजदूरों को उसी पद पर नियमित करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है। इसके अलावा भुरकुंडा अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे मशीन की व्यवस्था करने, सभी मजदूरों को अविलंब सेफ्टी शू उपलब्ध कराने तथा 9.3.0 प्रावधान के तहत निर्धारित समय सीमा के भीतर आश्रितों को नौकरी देने की मांग उठाई गई है। संघ ने मजदूरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। पीएसएमई के मजदूरों को लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान करने तथा थर्ड पार्टी सैंपलिंग कर्मियों को हाई पावर कमेटी द्वारा निर्धारित वेतनमान लागू करने की मांग भी की गई। आउटसोर्सिंग कंपनियों में कार्यरत मजदूरों को भी हाई पावर कमेटी के अनुरूप वेतन देने की बात कही गई है। इसके साथ ही क्षेत्र के खेल मैदान के सौंदर्यीकरण की मांग भी मांगपत्र में शामिल है। मौके पर क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि मजदूरों की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। यदि प्रबंधन ने इन मुद्दों पर जल्द सकारात्मक और ठोस निर्णय नहीं लिया, तो संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों के अधिकारों और सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव राम, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनोज सिन्हा, क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संतोष ठाकुर, क्षेत्रीय सेफ्टी बोर्ड सदस्य अजीत सिन्हा, क्षेत्रीय वेलफेयर बोर्ड सदस्य कमलेश कुमार समेत कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। संघ ने प्रबंधन से शीघ्र वार्ता कर समाधान निकालने की अपील की है।

रामगढ़ महाविद्यालय में बना रिसीविंग सेंटर, मतदान दल सुरक्षित लौटे

रामगढ़ : नगर पालिका आम चुनाव 2026 के तहत संपन्न हुए मतदान के बाद विभिन्न मतदान केंद्रों से पोलिंग दल सुरक्षित रूप से वापस लौटकर रामगढ़ महाविद्यालय स्थित रिसीविंग सेंटर पहुंच रहे हैं। यहां प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत मतदान सामग्री जमा करने की प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही है। मतदान समाप्त होते ही सभी पोलिंग पार्टियां अपने-अपने केंद्रों से आवश्यक दस्तावेज, ईवीएम, वीवीपैट एवं अन्य चुनावी सामग्री के साथ कड़ी सुरक्षा में रवाना हुईं। प्रशासन ने पहले से ही रिसीविंग सेंटर पर व्यापक इंतजाम किए थे ताकि सामग्री प्राप्ति की प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से पूरी की जा सके। रामगढ़ महाविद्यालय परिसर में अलग-अलग काउंटर बनाकर कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। यहां चरणबद्ध तरीके से सामग्री की जांच, मिलान और विधिवत जमा की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर परिसर में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। केवल अधिकृत कर्मियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में जारी है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या देरी से बचने के लिए रिसीविंग सेंटर पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। चुनाव से जुड़े सभी अधिकारी और कर्मचारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।

वेद और बुद्ध के बीच संवाद की परंपरा

पश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी बौद्धिक प्रवृत्तियों में बुद्ध के प्रति जो विशेष आकर्षण दिखाई देता है, उसे केवल आध्यात्मिक या नैतिक कारणों से समझना पर्याप्त नहीं है। यह आकर्षण एक बड़े बौद्धिक परिप्रेक्ष्य में खड़ा है–सृष्टि की अवधारणा, काल-दृष्टि, इतिहास-लेखन की पद्धति, औपनिवेशिक विमर्श और आधुनिक वैचारिक राजनीति के संदर्भ में। इस प्रश्न को भावनात्मक प्रतिक्रिया की बजाय तर्क और संदर्भ के साथ देखना आवश्यक है। सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस सांस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छांदोग्य उपनिषद "तत्त्वमसि" का उद्घोष करता है। भगवद्गीता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है। भारतीय दर्शन की परंपरा में सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा (वेदांत), जैन, बौद्ध और चार्वाक जैसे दर्शनों का उल्लेख मिलता है। यह सूची इस बात का संकेत है कि बौद्ध दर्शन को भारतीय बौद्धिक परंपरा से बाहर नहीं रखा गया। चार्वाक जैसे भौतिकवादी मत को भी स्थान मिला, जिसे परंपरा देवगुरु बृहस्पति से जोड़ती है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय दार्शनिक संरचना में मतभेद को संवाद के रूप में स्वीकार किया गया, संघर्ष के रूप में नहीं। श्रमण और वैदिक धाराएं एक ही दार्शनिक भूमि की अभिव्यक्तियां थीं। अब पश्चिमी सृष्टि-दृष्टि पर विचार करें। यूरोप में लंबे समय तक बाइबिल-आधारित कालगणना प्रभावी रही। सत्रहवीं शताब्दी में आयरलैंड के आर्चबिशप जेम्स अशर ने बाइबिल की वंशावलियों के आधार पर सृष्टि की तिथि 4004 ईसा पूर्व निर्धारित की। इस प्रकार मानव इतिहास को कुछ हजार वर्षों की रेखीय समयरेखा में सीमित कर दिया गया। यह दृष्टि एक आरंभ-बिंदु से प्रारंभ होकर क्रमिक विकास और अंत की ओर बढ़ती रेखा पर आधारित थी। उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स डार्विन की "On the Origin of Species" (1859) प्रकाशित हुई। विकासवाद ने जीवों के क्रमिक परिवर्तन की परिकल्पना दी। डार्विन ने यह कहा कि मनुष्य और आधुनिक वानरों का एक साझा पूर्वज रहा है। लोकप्रिय समझ में यह विचार इस रूप में बैठा कि मनुष्य बंदर से उत्पन्न हुआ। आज भी सामान्य स्तर पर यह प्रश्न उठता है कि यदि ऐसा है तो बंदर अब भी क्यों हैं। वैज्ञानिक उत्तर यह देता है कि विकास शाखाओं में हुआ, एक सीधी रेखा में नहीं। फिर भी समग्र ढाँचा रेखीय जैविक विकास पर आधारित है। इसके विपरीत सनातन वैदिक ग्रंथों में सृष्टि की अवधारणा बहुस्तरीय और चक्रीय है। पुराणों में मानसिक सृष्टि का उल्लेख है–ब्रह्मा द्वारा संकल्प से उत्पत्ति। उसके पश्चात मैथुनिक सृष्टि का क्रम है। यह संकेत करता है कि सृष्टि को केवल भौतिक घटना के रूप में नहीं, बल्कि चेतना और प्रकृति के संयुक्त आयाम में देखा गया। विष्णु पुराण में सृष्टि और प्रलय को चक्र में वर्णित किया गया है। श्रीमद्भागवत के तृतीय स्कंध में ब्रह्मा के एक दिन की गणना 4.32 अरब वर्ष कही गई है। महाभारत के शांति पर्व में कल्पों और मन्वंतरों का विस्तार मिलता है। योगवासिष्ठ में असंख्य ब्रह्मांडों की चर्चा है। यहाँ समय अनादि और चक्रीय है। यदि इस चक्रीय काल-दृष्टि को स्वीकार किया जाए तो सृष्टि को कुछ हजार वर्षों में सीमित करने की धारणा चुनौती के घेरे में आ जाती है। औपनिवेशिक काल में भारत के इतिहास को इसी रेखीय ढाँचे में ढालने का प्रयास हुआ। जेम्स मिल की "History of British India" (1817) ने भारतीय परंपरा को अंधविश्वासी और अविकसित बताया। मैक्स मूलर ने वेदों का काल सीमित किया।

दिल्ली सरकार का एक साल और बदलाव की बयार

मनोज कुमार मिश्र

27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार ने साल भर के शासन में भविष्य की विकसित दिल्ली की ठोस बुनियाद रखी। 20 फरवरी,2026 को सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल के अपने सभी सहयोगियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस मौके पर पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का, नाम से एक बुकलेट भी जारी की गई। इसमें दावा किया गया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बहाने बनाने के बजाए कड़ी मेहनत करके भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित दिल्ली बनाने के लिए हर दिन काम किए। 365 दिन में 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर(डिस्पेंसरी) बने, इसकी संख्या इस साल 1100 करने का लक्ष्य है। पांच रुपये में गरीबों को भाजन उपलब्ध कराने के लिए 71 अटल कैंटीन शुरू की गई। अभी हर रोज करीब 71 हजार लोग खाना खा रहे हैं। साल भर में ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण दूर करने, यमुना की सफाई और दिल्ली के मूलभूत ढांचे को बेहतर करने की ठोस बुनियाद रखी गई हैं। जन सुनवाई की हर स्तर पर व्यवस्था और आम जन की शिकायतों पर कड़ाई से अमल होना शुरू हो गया है। वैसे अभी सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। उसका सामना करने और उसका निबटारा करने के लिए सरकार को लगातार युद्ध स्तर पर काम करना होगा।

वादे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात साख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात सौ करोड़ का बजट जारी किया गया है। दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वेतन 22411 रुपये प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए 500 पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई-बसें चलाई जा रहा है। नौ हजार से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नई ईवी नीति, ई- बाइक, ई-टैक्सी को बढ़ावा देने के अलावा दिल्ली के आखिरी छोर तक सार्वजनिक वाहन को पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वैसे सरकार को हाई कोर्ट के हलफनामे के हिसाब से 11 हजार बसों को सड़क पर लाने की भी चुनौती है। यमुना साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में से 28 को अपग्रेड किया गया है। नौ पर काम चल कहा है। 12 नए संयंत्र बनेंगे। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने से लेकर दिल्ली के मूलभूत ढांचे को विकसित करने से लेकर दिल्ली को आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के प्रयास के लिए दिल्ली सरकार केन्द्र की सरकार के सहयोग से दिन-रात काम कर रही है।

साल 1993 में दिल्ली में नए प्रशासनिक ढांचे में विधानसभा बनने पर हुए पहले चुनाव में भाजपा की सरकार बनी। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद उस सरकार ने कई ठोस काम किए। पहली बार यमुना के जल में राज्य की तरह दिल्ली को हिस्सा मिला। दिल्ली सरकार ने अपने अधिकार बढ़ाकर बिजली बोर्ड बनाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया। नए स्कूल कालेज ही नहीं नया विश्वविद्यालय बनाया गया। नए अस्पताल बने और बड़ी संख्या में दिल्ली के हर कोने में निर्माण कार्य हुए। दिल्ली मेट्रो की नींव रखी गई।1984 के सिख दंगा पीडितों को न्याय दिलाने के प्रयास हुए। इस सिलसिले को 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई बनी कांग्रेस सरकार ने और आगे बढ़ाया। दिल्ली के मूलभूत ढांचे के विकसित करने की सर्वाधिक श्रेय शीला दीक्षित के जाता है। पूरी दिल्ली में काम हुए। दिल्ली फ्लाईओवर का शहर बना। असंभव माने जाने वाले बारापूला नाले को ढक कर कई किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बना। ऐतिहासिक सलीम गढ़ किला के ऊपर से सड़क निकाली गई। मेट्रो दिल्ली समेत पूरी एनसीआर(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पहुंचा। 15 साल शीला दीक्षित के शासन के बाद आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी(आआपा) की दिल्ली में सरकार दस साल रही। बीच में करीब साल भर के लिए राष्ट्रपति शासन भी लगा। आआपा की अनुभवहीन सरकार ने कामकाज से ज्यादा विवाद ही किया। विकास कार्य पटरी से उतर गई। आम लोगों को लुभाने के लिए सरकार केवल मुफ्त की रेवड़ियां बांटती रही। इसी के बल पर वे दो बार प्रचंड बहुमत से विधानसभा चुनाव जीत गए।

उसके बाद साल भर पहले भाजपा की सरकार बनी। चुनाव प्रचार में भाजपा के नेताओं ने बड़े-बड़े वादे किए थे। उनमें से कुछ पर तो अमल शुरू हो गए हैं लेकिन काफी काम अभी करने हैं। कायदे में आआपा शासन के दस साल ने दिल्ली में विकास की दिशा ही बदल दी थी। उसे वापस पटरी पर लाना भाजपा सरकार के लिए पहली चुनौती थी। उसमें वे कामयाब रहे। दिल्ली की समस्या अनोखी है। उसका इलाका तो 1483 किलोमीटर ही रहना है लेकिन आबादी बेहिसाब बढ़ रही है। दिल्ली की आबादी में हर साल पांच लाख अतिरिक्त आबादी जुड़ती है। देश की राजधानी होने और नोट-वोट की राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल इस पर अंकुश लगाना नहीं चाहता है। दिल्ली का अपना कुछ नहीं है। मौसम से लेकर बिजली-पानी के लिए दिल्ली पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली की सड़कों भी एक सीमा से ज्यादा नहीं बढ़ सकती। शीला दीक्षित ने भी सड़क के ऊपर सड़क (डबल डेकर रोड) बनाने की योजना बनाई थी, उस पर अमल रेखा गुप्ता सरकार करने वाली है। सड़कों से वाहनों की भीड़ कम होना कठिन हो गया है। पेरेफेरियल सड़कों के अलावा चार सौ किलोमीटर मेट्रो चलने और दिल्ली से मेरठ के लिए नमो भारत रेल शुरू होने आदि के बावजूद सड़कों पर भीड़ लगातार बढ़ रही है। केन्द्र सरकार ने दो और रास्तों पर नमो भारत रेल चलाने की घोषणा की है।

पिछली सरकार से विपरीत इस सरकार ने फटाफट मेट्रो के अगले चरणों को मंजूरी दी है। नए चरणों के लिए बजट भी आवंटित किए गए हैं। मेट्रो के विस्तार से सड़कों पर से वाहनों की भीड़ कुछ कम होने की उम्मीद जगी है। लोक निर्माण विभाग की 1400 किलोमीटर सड़कों में से पहले साल में 550 किलोमीटर सड़कों की वाल-टू-वाल कारपेंटिंग का काम पूरा हो गया है। नंद नगरी फ्लाई ओवर जनता को समर्पित कर दिया गया है। मुकरबा चौक अंडर पास मार्च तक और बारापूला का अगला चरण जून तक पूरा होने के दावे किए गए हैं। 40 नए फुट ओवर ब्रिज का काम हो रहा है।

दिल्ली के अनेक सरकारी अस्पतालों की क्षमताएं बढ़ाई गई और सभी खाली पदों को भरा गया। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहने वाली है। नए अस्पताल बनाने की घोषणा की गई है। हर महिला को 2500 रुपये प्रति माह महिलाओं को पेंशन देना यानी महिला समृधि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके लिए समिति काम कर रही है। लाडली योजना के अंतर्गत सालों से लंबित 1.75 लाख बच्चियों के भुगतान की पहले चरण में तीस हजार बच्चियों के खाते में 90 करोड़ रुपये भेजे गए। अब लाड़ली योजना के बजाए ज्यादा पैसा देने वाली लखपति योजना को लागू करने की योजना है। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने के लिए वायु प्रदूषण शमन योजना बनाई गई है। सरकार का फोकस दिल्ली की साफ सफाई पर है, इसमें उसे काफी सफलता मिली है। पहला बरसात ऐसा बीता जिसमें बहुचर्चित मिंटो रोड को लंबे समय तक बंद न करना पड़ा। पिछले दिनों सरकार ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सरकार लैपटाप देने और ओलंपिक आदि जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाई । राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी करने वाले खिलाड़ियों को बीस लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। दिल्ली में खेल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि दिल्ली में हर रोज निकलने लावे 11 हजार मीट्रिक टन कचरे का निबटान करने की व्यापक योजना बनने से कूड़े के नए पहाड़ बनेंगे। इतना ही नहीं कूड़े के पहाड़ों से भी दिल्ली को जल्दी ही निजात मिल जाएगी। आम आदमी पार्टी के हारने के कई कारणों में एक काम यह माना जाता है कि उसकी सरकार ने दिल्ली की मूल ढांचे की बेहतरी के लिए ठोस काम नहीं किए। लेकिन उसके कुछ अच्छे कामों में से एक काम निजी स्कूलों के फीस पर नियंत्रण रखना था। आआपा सरकार जाते ही निजी स्कूलों ने बेहिसाब फीस बढ़ा दी। भाजपा सरकार को इसके विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों को शांत करने के लिए सरकार को कठोर कदम उठाने पड़े।

नई दिल्ली घोषणा से कृषि क्रांति तक भविष्य की वैश्विक धुरी एआई

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्राति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है।

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी

इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है।

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र

समिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है।

एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित अक्क्ष्ॲ१ 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी। इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित ॲ१ ढं१ँ मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूवार्नुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निमार्ता बन रहा है।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत

भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है।

भारत विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख एआई निर्माता बनने की ओर अग्रसर

अतः इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है।

इस आधार पर यही सच प्रतीत होता है कि यदि बीती सदी औद्योगिक क्रांति की थी और वर्तमान सदी डिजिटल क्रांति की है तो आने वाला दशक एआई क्रांति का होगा। इस क्रांति की धुरी वही देश बन सकता है, जोकि तकनीक को मानव कल्याण से जोड़कर वैश्विक सहयोग का सेतु बन सके। साथ ही जिसमें नवाचार को समावेशी बनाने की क्षमता हो। कहना होगा कि आज ये संकेत स्पष्ट हैं; भारत उसी दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है और एआई के युग में विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख निमार्ता बनने की ओर अग्रसर है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सूडोकू नवताल- 7715

★★★ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7714 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

'वोक' संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन और भारतीय समाज पर गहरा खतरा

कैलाश चन्द्र

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है। पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (2022) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं।

निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है।

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मयार्दा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं।

किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (2022) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है।

मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां।

यह विषय किसी एक फिल्म फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मयार्दाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की।

दैनिक पंचांग

24 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.27 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.57 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.37 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.36 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.49 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	17.05 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.17 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.28 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.42 ब.से
राहुकाल		धनु	01.58 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	04.04 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.50 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 55 वा दि
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 19
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 07.03 बजे तदनन्तर अष्ट
04.52 बजे प्रात: को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 15.07 बजे को समाप
योग इन्द्र 07.24 बजे तदनन्तर वैधृ
04.26 बजे प्रात: को समाप्त।
करण वणिज 07.03 बजे, विष्टि 17.
बजे तदनन्तर बव 04.52 बजे प्रात:
समाप्त। **चन्द्रायु** 6.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 32'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 18726
जूलियन दिन 2461095.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447 **महीना** रमजान
तारीख 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया

रोग	05.53 से	07.22 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक

रात का चौघड़िया

काल	05.42 से	07.13 बजे तक
लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
काल	04.22 से	05.54 बजे तक

एक नजर

चालक ने फंदे से लटक कर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : गोविंदपुर थाना क्षेत्र के शेषनगर में रविवार रात एक डंपर चालक ने फंद से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान शेषनगर निवासी अश्वनी कुमार (27) के रूप में हुई है, जो पेशे से डंपर चालक था और अपने माता-पिता, पत्नी और बच्चे के साथ रहता था। परिजनों के अनुसार रविवार रात अश्वनी ने परिवार के साथ सामान्य रूप से भोजन किया और फिर सभी लोग सोने चले गए। देर रात वह चुपचाप उठा और दूसरे कमरे में जाकर फंदा बनाकर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब उसकी पत्नी की नींद खुली तो उसने अश्वनी को बिस्तर पर नहीं पाया। तलाश करने पर वह दूसरे कमरे में फंदे से लटका मिला। यह दृश्य देखते ही पत्नी चीख पड़ी, जिसकी आवाज सुनकर परिवार और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से अश्वनी को नीचे उतारकर तत्काल एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और आसपास के लोगों से पूछताछ की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत होता है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

कदमा में मंदिर की दान पेटी से चोरी का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : कदमा थाना क्षेत्र स्थित रामनगर रोड नंबर 6 के श्री श्री शिव-हनुमान मंदिर से दान पेटी चोरी मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। कदमा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 11,976 रुपये बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपित की पहचान लक्ष्मण जोगी उर्फ बप्पी जोगी के रूप में हुई है, जो कदमा रोड नंबर 6 का निवासी है। सोमवार को थाना प्रभारी प्रवेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि 22 फरवरी की रात मंदिर की दान पेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी चोरी कर ली गई थी। घटना के बाद पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान फुटेज में लक्ष्मण जोगी की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। इसके आधार पर पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की, जहां वह चोरी की रकम गिनते हुए पकड़ा गया। पूछताछ में उसने दान पेटी से नकदी चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस के अनुसार, आरोपित नशे का आदी है और नशे की जरूरत पूरी करने के लिए उसने इस वारदात को अंजाम दिया। उस पर पूर्व में भी चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहने का संदेह है। फिलहाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है तथा उसके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

चतरा : नगर परिषद आम निर्वाचन के शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कीर्तिश्री एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर चल रही मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मतदाताओं की सुविधाओं तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

मतदान शुरू होते ही महिला व पुरुष मतदाताओं में दिखा उत्साह, 7 बजे ही कतार में हुए खड़े

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: जिले के नगर निकाय चुनाव क्षेत्र में सोमवार सुबह सात बजे से ही अध्यक्ष और वार्ड पार्षद पदों के लिए मतदान शुरू हो गया। मतदान शुरू होते ही विभिन्न बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया।

महिला मतदाताओं में दिखा उत्साह

इस बार महिला मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी चर्चा का विषय बनी हुई है। सुबह ठीक 7:00 बजे ही महिलाएं मतदान केंद्रों पर कतारबद्ध हो गया। कई बूथों पर पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक देखी गई। यह दृश्य स्थानीय स्तर पर महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता को दर्शाता है। महिलाओं ने घर के कामकाज से पहले मतदान को प्राथमिकता दी। कई महिला मतदाताओं ने कहा कि वे अपने शहर के विकास और बेहतर नेतृत्व के लिए मतदान कर रही हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क था। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारी तैनात किए गए थे। निवार्ची पदाधिकारी, एसडीओ, थाना प्रभारी और लगातार मतदान केंद्रों का भ्रमण कर रहे थे। वे सुरक्षा व्यवस्था और मतदान प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं, ताकि कहीं कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।

लोकतंत्र का महापर्व

साहिबगंज जिला में शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच मतदान हुआ। मतदाताओं में जागरूकता और सहभागिता का स्तर इस बात का संकेत दे रहा है कि लोग अपने नगर के भविष्य को लेकर सजग हैं। प्रशासन की मुस्तैदी और मतदाताओं के उत्साह के बीच लोकतंत्र का यह पर्व पूरी गरिमा के साथ मनाया जा रहा है। मतदान समाप्ति के बाद मतपेटियों को सुरक्षित रखा गया और निर्धारित तिथि पर मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। फिलहाल पूरे जिले में लोकतंत्र का उत्सव पूरे जोश के साथ जारी है।

जामताड़ा में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने किया मतदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जामताड़ा : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने जामताड़ा नगर निकाय चुनाव के तहत सोमवार को अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया और लोकतांत्रिक परंपरा का निर्वहन किया। मतदान के बाद उन्होंने आम नागरिकों से निकाय चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। मंत्री ने कहा कि नगर निकाय चुनाव स्थानीय विकास की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रत्येक मतदाता की भागीदारी से ही मजबूत एवं जवाबदेह स्थानीय सरकार का गठन संभव है। उन्होंने सफलतापूर्वक निकाय चुनाव संपन्न कराने को लेकर प्रशासन की सराहना की। साथ ही कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर राज्य निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने में सकारात्मक भूमिका निभाई है। मंत्री ने मतदाताओं से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें।

मालदा मंडल द्वारा गहन टिकट जांच एवं 'रेलवन' ऐप जागरूकता अभियान किया गया आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल के मंडल रेलवे प्रबंधक, मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में, टिकट रहित और अनियमित यात्रा को रोकने हेतु मालदा मंडल में गहन टिकट जांच अभियान जारी है। इसी पहल के अंतर्गत 23 फरवरी 2026 को साहिबगंज-शिवनारायणपुर -मिर्जाचौकी-बरहरवा- पीरपैंती खंड में व्यापक टिकट जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान का संचालन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, कार्तिक सिंह के पर्यवेक्षण में किया गया, जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, टिकट निरीक्षण टीम और रेलवे सुरक्षा बल की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई। जांच अभियान के दौरान कुल 83 मामलों में 42,020 रुपए का जुमार्ना वसूला गया। यह कार्रवाई ट्रेन संख्या 15658 ब्रह्मपुत्र मेल, 13071 हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस, 53416 जमालपुर-साहिबगंज पैसेंजर और अन्य यात्री ट्रेनों में की गई। साथ ही, मालदा मंडल द्वारा साहिबगंज और बरहवां रेलवे स्टेशन पर "रेलवन ऐप" जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। यात्रियों को ऐप डाउनलोड कर उसके सुविधाजनक फीचर्स का उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है, जिससे टिकटिंग और रेलवे सेवाएँ सरल, डिजिटल और सुविधाजनक बन सकें। "रेलवन" ऐप में "यूटीएस ऑन मोबाइल" एवं "रेल कनेक्ट" की सुविधाओं को एकीकृत किया गया है, जिससे यात्री एक ही लॉग-इन आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से विभिन्न सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस उपयोगकर्ता-अनुकूल ऐप के माध्यम से निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं। अनारक्षित, आरक्षित एवं प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, पीएनआर स्थिति की जानकारी, कोच एवं प्लेटफॉर्म स्थिति की जानकारी, टिकट निरस्तीकरण एवं धनवापसी की ट्रैकिंग, यात्री फीडबैक एवं सहायता सेवाएँ, डिजिटल भुगतान के माध्यम से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3% की छूट, आर-वॉलेट रिचार्ज पर 3% बोनस, "रेलवन" ऐप की यह पहल डिजिटल पहुंच को सरल बनाने, यात्रियों की सुविधा बढ़ाने तथा सुरक्षित एवं नकदरहित लेन-देन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चाईबासा और चक्रधरपुर में 34 प्रतिशत मतदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : नगरपालिका निर्वाचन-2026 के तहत पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा और चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्रों में सोमवार को शांतिपूर्ण मतदान जारी है। दोपहर 01 बजे तक जारी मतदान प्रतिशत के अनुसार चक्रधरपुर नगर परिषद में 33.05 प्रतिशत और चाईबासा नगर परिषद में 34.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। दोपहर बाद मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, सुरक्षा और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में संचालित जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण सिंहभूम प्रमंडल के आयुक्त रवि रंजन कुमार विक्रम ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों नगर परिषद क्षेत्रों में चल रही मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, ईवीएम की कार्यस्थिति, सेक्टर दंडाधिकारियों की तैनाती और प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर चाईबासा नगर परिषद क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक एजाज अनवर, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार, सहायक समाहर्ता सिद्धांत कुमार और सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग, उपयुक्त चंदन कुमार सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने आयुक्त को अवगत कराया कि सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रत्येक मतदान केंद्र की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार अब तक कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है और मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे बिना किसी भय या प्रलोभन के लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें।

समाहरणालय सभागार में निर्वाचन पदाधिकारी ने की प्रेस वार्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगरपालिका निर्वाचन-2026 के तहत आज संपन्न हुए मतदान के संबंध में निवार्ची पदाधिकारी, नगर परिषद साहिबगंज-सह-अपर समाहर्ता साहिबगंज गौतम कुमार भगत द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने जानकारी दी कि साहिबगंज नगर परिषद, राजमहल नगर पंचायत एवं बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशासन द्वारा की गई व्यापक एवं सुदृढ़ व्यवस्थाओं के कारण मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हुई तथा कहीं से भी की समुचित व्यवस्था की गई है, जहाँ निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप मतदान सामग्री संरक्षित रखी जाएगी। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज साहिबगंज में मतदान सामग्री प्राप्ति के लिए साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र के लिए कुल आठ टेबल, राजमहल नगर पंचायत के लिए कुल चार टेबल एवं बरहरवा नगर पंचायत के लिए कुल चार टेबल बनाए गए हैं। मतदान सामग्री सुरक्षित रखने के लिए नगर परिषद क्षेत्र के लिए कुल दो, राजमहल नगर पंचायत के लिए कुल एक एवं बरहरवा नगर पंचायत के लिए कुल एक बज्रगृह बनाए गए हैं। निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जा रही है।

नगर परिषद चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि आज पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में मतदान की प्रक्रिया स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से सभी मतदान केंद्रों पर उत्सव जैसा माहौल रहा और मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अभी तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कुल 66.30% मतदान दर्ज किया गया, जिसमें पुरुष मतदान प्रतिशत 67.61% तथा महिला मतदान प्रतिशत 65.01% रहा। सर्वाधिक मतदान मतदान केन्द्र संख्या 21/01, प्राथमिक विद्यालय बल्लभपुर में 86.24% दर्ज किया गया। पूरे नगर परिषद क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे तथा कहीं से भी किसी अप्रिय घटना या हिंसा की सूचना प्राप्त नहीं हुई। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर माइक्रो-ऑब्जर्वर के माध्यम से सतत निगरानी रखी गई।

मतपेटिका एवं स्ट्रांग रूम व्यवस्था

सभी मतदान केंद्रों से पोलिंग पार्टियाँ मतपेटिका के साथ लौट रही हैं। मतपेटिकाओं को बाजार समिति, पाकुड़ स्थित स्ट्रांग रूम में सीलबंद कर सुरक्षित रखा जाएगा, जिसे मतगणना तिथि 27 फरवरी 2026 को खोला जाएगा। आगामी कार्यक्रम 24 फरवरी 2026, प्रातः 11:00 बजे – बाजार समिति, पाकुड़ में पीठासीन पदाधिकारियों की डायरी की समीक्षा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में की जाएगी।27 फरवरी 2026, प्रातः 08:00 बजे से – मतगणना प्रारंभ होगी। मतगणना परिसर में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट/मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अंत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने चुनाव ड्यूटी में लगे सभी कर्मियों, पुलिस बल, मीडिया प्रतिनिधियों एवं विशेष रूप से जागरूक मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से लोकतंत्र का यह महापर्व सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सभी संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई तथा लगातार गश्ती एवं निगरानी रखी गई। पूरे क्षेत्र में विधि-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों के साथ-साथ आम जनता के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

जिला सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब ने 162 रनों से दर्ज की जीत

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत सोमवार को माही स्पोर्ट्स येलो बनाम द्रोणाचार्य के बीच मैच खेला गया। द्रोणाचार्य ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 251 रन बनाए। आशीष रंजन ने 24, रवि कुमार ने नाबाद 101, आदित्य ज्ञान ने 58 व मिस्टर एनर्जी ने 47 रन की पारी खेली। माही येलो के गेंदबाज सागर सुमन, प्रिंकेश कुमार, वमीक व विष्णु कुमार ने एक-एक विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही येलो 18.1 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 89 रन बना सकी। अनाउल्लाह अंसारी ने 32 व रवि पासवान ने 18 रन की पारी खेली। द्रोणाचार्य के गेंदबाज मोहम्मद राशिद ने 3 विकेट, रवि व अनिकेत ने 2-2 विकेट लिए। द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब में 162 रनों से जीत हासिल की। द्रोणाचार्य के खिलाड़ी रवि कुमार को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने रवि को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व श्याम रंजन तिवारी ने किया। जबकि स्कोरिंग तारिक अनवर ने किया।

आजीविका वर्धन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज : वन प्रमंडल के तत्वावधान में मंडरो फॉसिल पार्क परिसर में स्थानीय समुदाय के आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में महुआ से खाद्य पदार्थ निर्माण की विधि सिखाई गई, ताकि ग्रामीण महिलाएं वन उपज का मूल्य संवर्धन कर स्वरोजगार से जुड़ सकें और अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बना सकें। कार्यक्रम में आसपास के गांवों की बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य प्रशिक्षक दुमका की अनीता ठाकुर ने महुआ लड्डू निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति, स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों, आकर्षक पैकेजिंग तथा बाजार में विपणन की रणनीतियों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महुआ केवल पारंपरिक उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पौष्टिक एवं बाजार योग्य उत्पाद तैयार कर अच्छी आय अर्जित की जा सकती है। इस अवसर पर झारखंड वन बचाओ समिति के निदेशक दशरथ ठाकुर एवं वन रक्षी फैलिसिटस हांसदा भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने तथा वन आधारित लघु वनोपज के सतत उपयोग के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रायोगिक अभ्यास कराया गया, जिससे वे स्वयं महुआ लड्डू तैयार कर सकें। विभाग द्वारा आश्वस्त किया गया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय समुदाय, विशेषकर महिलाओं, को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई

साहिबगंज : जिले के बरहेट प्रखंड के गोपलाडीह गांव में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन को लेकर सोमवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कथा स्थल शिव मंदिर परिसर से शुरू हुई शोभायात्रा पूरे गांव का भ्रमण करते हुए गुमानी नदी तट तक पहुंची। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ कलश में जल भरकर पुनः कथा स्थल पहुंचकर स्थापना की। इस दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिला, पुरुष और बच्चों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। भागवत कथा का वाचन श्रद्धेय संजय कृष्ण महाराज (वृंदावन) द्वारा किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष लालजी साह सहित दिनेश साह, तारेश साह, राजेंद्र साह, धनंजय साह, कुंदन साह, पिंकू साह, विकास साह व रामनाथ साह समेत ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका रही। कथा का आयोजन 23 फरवरी से एक मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक होगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

पूर्वी सिंहभूम के मानगो, जुगसलाई और चाकुलिया में हुआ शांतिपूर्ण मतदान

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम में सोमवार को नगर निकाय चुनाव के तहत लोकतंत्र का उत्सव देखने को मिल रहा है। मानगो में नगर निगम, जुगसलाई में नगर परिषद और चाकुलिया में नगर पंचायत के लिए मतदान शांतिपूर्ण माहौल में जारी है। जिला प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती के साथ संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सुबह के शुरूआती घंटों में मतदान की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही। चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र में मतदाताओं ने पहले उत्साह दिखाया, जहां शुरूआती चरण में ही 14 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। मानगो नगर निगम क्षेत्र में शुरूआत धीमी रही और पहले चरण में करीब 8 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 11 प्रतिशत वोट पड़े। हालांकि समय बढ़ने के साथ तीनों क्षेत्रों में मतदान ने रफ्तार पकड़ ली। दोपहर तक मानगो में मतदान प्रतिशत बढ़कर लगभग 19.5 प्रतिशत पहुंच गया। जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में भी मतदाताओं की सक्रियता बढ़ी और यहां 24 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। वहीं चाकुलिया नगर पंचायत में सबसे अधिक उत्साह देखने को मिला, जहां 33 प्रतिशत से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। जुगसलाई स्थित आरपी पटेल स्कूल मतदान केंद्र पर एक मतदाता द्वारा पुलिसकर्मी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाए जाने से कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए लोगों को शांत कराया और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से जारी रखा।

स्कोडा की नई रणनीति, काइलैक से सीएनजी और ईवी में बदलाव

लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी

नई दिल्ली। स्कोडा आटो इंडिया की कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलैक ब्रांड के विकास का प्रमुख आधार बन चुकी है। 2025 की शुरुआत में लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी है और 2026 में भी इसी गति के बनाए रखने की संभावना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, काइलैक अब कंपनी की कुल बिक्री में लगभग 60 फीसदी योगदान देती है। समूह स्तर पर स्कोडा आटो वोक्सवेगन इं डिया की कुल बिक्री में इस श्रेणी का 40 फीसदी हिस्सा है। कंपनी फैक्टरी-फिटेड सीएनजी मॉडल पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट का लगभग 20 फीसदी हिस्सा पहले से ही सीएनजी पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि थर्ड-पार्टी रेट्रोफिट के विकल्प पर विचार नहीं किया जाएगा और कोई भी सीएनजी पेशकश फैक्टरी में तैयार होगी। हालांकि लॉन्च की सटीक समय-सीमा नहीं बताई गई, लेकिन संकेत दिए गए हैं कि सीएनजी वेरिएंट जल्द ही उपलब्ध हो सकता है। ईवी के मामले में कंपनी सतर्क दृष्टिकोण अपनाए हुए है। उनका कहना है कि भारत में मुख्य खिलाड़ी बनने के लिए ईवी पोर्टफोलियो आवश्यक है। फोकस भारत में बनी ईवी पर है, जिसमें निर्यात की संभावना भी शामिल है। यूरोपीय ईवी का सीमित आयात रणनीतिक रूप से उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। आगामी कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी फेज-3 मानदंड उत्सर्जन लक्ष्यों को कड़ा करेंगे। ऐसे में सीएनजी और ईवी में विस्तार अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि व्यापक बाजार वाली श्रेणियों में बिक्री बढ़ने पर उत्सर्जन संतुलन के लिए आवश्यक बन गया है।

जीडीपी का नया आधार वर्ष, डब्ल्यूपीआई को लेकर मतभेद

- वास्तविक वृद्धि के आकलन में गड़बड़ी की आशंका

नई दिल्ली । भारत इस शुक्रवार से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य राष्ट्रीय आय के आंकड़ों को अधिक समकालीन, सटीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों के बीच इस बात पर मतभेद है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) का आधार वर्ष 2011-12 ही बने रहने से वास्तविक (रियल) वृद्धि के अनुमान प्रभावित हो सकते हैं या नहीं। सांख्यिकी मंत्रालय ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का आधार 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है, लेकिन डब्ल्यूपीआई का आधार वर्ष अब तक संशोधित नहीं हुआ है। डब्ल्यूपीआई के आंकड़े वाणिज्य मंत्रालय संकलित करता है और राष्ट्रीय लेखा में इसका उपयोग विभिन्न उद्योगों के उत्पादन को डिफ्लेट करने के लिए किया जाता है। बाजार के जानकारों ने डब्ल्यूपीआई को राष्ट्रीय लेखा की सबसे कमजोर कड़ी बताया है। उनका कहना है कि भले ही सूचकांक की टोकरी और भार न बदले जाएं, आधार वर्ष का अद्यतन आवश्यक है ताकि नॉमिनल और रियल जीडीपी के बीच विसंगतियां न पैदा हों। उन्होंने सीपीआई और डब्ल्यूपीआई के रुझानों में तालमेल की कमी पर भी चिंता जताई। वहीं भारत के एक सांख्यिकीविद् का मानना है कि डब्ल्यूपीआई का उपयोग उद्योग-विशेष स्तर पर किया जाता है और इसका प्रभाव समग्र जीडीपी पर सीमित हो सकता है। उनके अनुसार, अद्यतन डेटा होना बेहतर है, लेकिन स्थिति उतनी गंभीर नहीं है जितनी आउटडेटेड सीपीआई के मामले में होती। नई जीडीपी श्रृंखला में विनिर्माण क्षेत्र के लिए डबल डिफ्लेशन पद्धति लागू की जा सकती है, जिससे उत्पादन और लागत को अलग-अलग समायोजित कर अधिक सटीक वास्तविक वृद्धि का अनुमान लगाया जा सके।

टैरिफ बढ़ोतरी से सोना और चांदी में जोरदार उछाल

- सोना 1.60 लाख पार, चांदी भी 2,63,061 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है, जिसका असर सोना और चांदी के वायदा भाव पर साफ दिखाई दे रहा है। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं ने आज तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,582 रुपये की तेजी के साथ 1,58,458 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,56,876 रुपये था। फिलहाल सोना 3,173 रुपये की बढ़त के साथ 1,60,049 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसने 1,60,600 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,58,117 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के मार्च वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी मजबूती रही। यह 10,117 रुपये की तेजी के साथ 2,63,061 रुपये पर खुला। बाद में 14,729 रुपये की बढ़त के साथ 2,67,673 रुपये पर कारोबार करता दिखा। चांदी ने दिन में 2,67,929 रुपये का उच्च और 2,63,061 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के शिखर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूती का रुख है। कॉमेक्स पर सोना 5,128.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 5,188.20 डॉलर तक पहुंच गया। वहीं चांदी 84.60 डॉलर पर खुलकर 87.11 डॉलर प्रति औंस तक चढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक व्यापार तनाव और टैरिफ बढ़ोतरी से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोना-चांदी को मजबूत समर्थन मिल रहा है।

रूस के तेल पर प्रतिबंधों का असर, भारत का कच्चा तेल आयात बदलते संतुलन की ओर

मुंबई ।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात धीरे-धीरे घट रहा है। फरवरी 2026 की शुरुआत में रोजाना लगभग 1.09 मिलियन बैरल तेल रूस से आया, जो जनवरी के 1.22 मिलियन बैरल से 10 फीसदी कम है। शिपिंग डेटा और विशेषज्ञों के अनुसार मार्च में यह और घटकर 8-10 लाख बैरल प्रतिदिन रह सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से डिस्काउंट पर बड़ी मात्रा में तेल खरीदा था, लेकिन अब वह दौर धीरे-धीरे स्थिर हो रहा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण रूस से आयात बढ़ाना सीमित है। रूस से घटती सप्लाई की जगह मध्य पूर्व के देश भर रहे हैं। सऊदी अरब फरवरी में भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है, जहां से रोजाना 1-1.1 मिलियन बैरल तेल मिलने की उम्मीद है। महीने के आंकड़े अभी तक 1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक जा चुके हैं।

मार्च की शुरुआत में थोड़ी कमी की संभावना है। इसके बाद रूस और इराक क्रमशः सप्लाई देंगे। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने इराक को पछाड़कर भारत के कुल आयात का लगभग 40 फीसदी हिस्सा ले लिया था, लेकिन अब यह हिस्सा घट रहा है। फरवरी के पहले 18 दिनों में भारत का औसत आयात 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा, जो जनवरी के 5.25 मिलियन बैरल से 8 फीसदी कम है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव केवल कीमतों से नहीं बल्कि सैंक्शन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स से आएगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय 5 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.94 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे उछलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी करने की आशंकाओं के बीच डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.76 पर खुला और फिर 90.73 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.94 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 97.47 पर रहा।

आरबीआई बैठक में सीतारमण ने बैंकों को मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देने का सुझाव दिया

अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी

नई दिल्ली । नई दिल्ली में स्थित आरबीआई भवन में रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 61वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा मौजूद थे। सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने बताया कि वाणिज्य मंत्री हालात की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बैंकों को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए और बीमा उत्पादों की गलत बिक्री से बचना चाहिए। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सोने-चांदी का आयात चिंताजनक स्तर पर नहीं है और रिजर्व बैंक इस पर नजर रख रहा है। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण वैश्विक केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी है। आरबीआई गवर्नर ने आश्वासन दिया कि सोने के आयात को लेकर कोई खास चिंता नहीं है। बाहरी क्षेत्र मजबूत है और चालू खाता घाटा नियंत्रण योग्य स्तर पर है, जिससे अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

होली पर 80 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद, देसी उत्पादों की धूम

- पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा

मुंबई ।

इस साल होली देशभर के व्यापारियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कॉन्फेडरेशन आफ आल इं डिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार त्योहार के मौके पर 80,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान का असर अब बाजारों में साफ नजर आ रहा है। अब होली के रंग, पिचकारियां और सजावटी सामान स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों से भरे बाजारों में मिल रहे हैं। ग्राहकों में सेहत और त्वचा को लेकर जागरूकता बढ़ने से केमिकल रंगों की बजाय हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग तेजी से बढ़ी है। बच्चों के लिए स्पाइडर-मैन और छोटा भीम वाली पिचकारियां खास आकर्षण बनी हैं। कपड़ों में सफेद टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा और प्रिंटेड टी-शर्ट की बिक्री बढ़ी है। राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कैट के अनुसार अकेले दिल्ली में 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। मिठाई की दुकानों पर गुजिया की मांग चरम पर है, और ड्राई फ्रूट्स, गिफ्ट आइटम्स और एफएमसीजी उत्पादों की बिक्री में भी तेजी है। त्योहार के दौरान सर्विस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी लाभान्वित हुआ है। दिल्ली में 3,000 से ज्यादा सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, और बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और बड़े रेस्टोरेंट लगभग फुल बुक हैं।

बिटकॉइन 64,300 डॉलर पर फिसला, क्रिप्टो मार्केट में गिरावट

- 65,000 डॉलर के नीचे लुढ़का भाव

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 65,000 डॉलर के अहम स्तर से नीचे फिसलकर लगभग 64,300 डॉलर पर आ गई। यह पिछले आठ महीनों का सबसे निचला स्तर है। काइन मार्केट कैप के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन में गिरावट लगभग 4.8 फीसदी दर्ज की गई। इसी तरह, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथे रियम 5 फीसदी से अधिक टूट गई। इसके अलावा, प्रमुख टोकन जैसे एक्सआरपी और बाइनेंस काइन में भी 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। स्टेबलकॉइन टेथर लगभग 1 डॉलर पर स्थिर रहा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित 15 फीसदी ग्लोबल टैरिफ ने निवेशकों को जोखिम संपत्तियों से दूर रहने पर मजबूर किया। इससे पहले यूएस सुप्रीम कोर्ट ने आईईईपीए के तहत लगाए गए पुराने टैरिफ को रद्द किया था, लेकिन कुछ ही घंटों में नए शुल्क लागू कर दिए गए। इस अप्रत्याशित कदम ने बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी। बाजार में जोखिम से बचाव की रणनीति अपनाते हुए निवेशक अब सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर झुक रहे हैं, जहां लगभग 2 फीसदी की तेजी देखी गई। मुद्रेक्स के क्रांट विश्लेषकों का कहना है कि क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार निकासी भी बिकवाली को तेज कर रही है। इस वजह से सिर्फ बिटकॉइन ही नहीं, बल्कि पूरी क्रिप्टो इंडस्ट्री प्रभावित हुई। कुल क्रिप्टो मार्केट कैप घटकर लगभग 2.23 ट्रिलियन डॉलर रह गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 479, निफ्टी 141 अंक उछला

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। सकारात्मक वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की वापसी और बैंकिंग सेक्टर में मजबूती से भी बाजार को समर्थन मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स479.95 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,294.66 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक बढ़कर 25,713 पर बंद हुआ। आज । निफ्टी मिडकैप 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एनएसई स्मॉलकैप 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ आज निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर शेयरों में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी केमिकल्स इंडेक्स भी फिसला।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही और ये सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की सूची में शामिल रहे। वहीं, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

इस तरह, भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में लगातार दूसरे सत्र में बढ़त रही। पीएसयू बैंक और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी से बाजार धारणा मजबूत हुई । इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ आये अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे पहले सुबह बाजार की मजबूत शुरुआत हुई। संबह सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 82,906 पर खुला। वहीं निफ्टी भी मजबूती के साथ 25,678 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 149.10 अंक की बढ़त के साथ 25,720 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं पिछले दिन शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक उछलकर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ था।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने धोखाधड़ी के आरोपों से किया इनकार

हरियाणा सरकार ने सरकारी कामकाज से अस्थायी रूप से समिति से किया बाहर

नई दिल्ली । हरियाणा सरकार ने एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को सरकारी कामकाज से अस्थायी रूप से समिति से बाहर (डी-एम्पैनल्ड) कर दिया है। यह कदम दोनों बैंकों पर धोखाधड़ी के आरोपों के मद्देनजर उठाया गया। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा कि उसके द्वारा खोले गए सरकारी खाते सभी आवश्यक केवाईसी जांच और प्राधिकरण प्रक्रिया के अनुरूप थे। बैंक ने यह भी कहा कि उसके पास पूर्ण ऑडिट ट्रेल और सभी दस्तावेज मौजूद हैं, जिन्हें संबंधित सरकारी विभाग को उपलब्ध करा दिया गया है। सरकारी खाते में पहले 25 करोड़ रुपये की राशि एक बड़े निजी बैंक से स्थानांतरित की गई। इसके बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से 47 करोड़ रुपये 14 लेनदेन के माध्यम से प्राप्त हुए। बैंक ने कहा कि सभी लेनदेन सरकारी विभाग के निर्देशानुसार और सामान्य कारोबारी प्रक्रिया के तहत किए गए। बैंक ने बताया कि खाता 15 जनवरी 2026 को बंद कर दिया गया और शेष राशि मूल बैंक को ब्याज सहित लौटा दी गई। आंतरिक जांच जारी है और कुछ कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाया गया। बैंक ने कहा कि प्रारंभिक समीक्षा में किसी वित्तीय नुकसान या धोखाधड़ी का संकेत नहीं मिला। 17 फरवरी 2026 तक बैंक में हरियाणा सरकार की जमा राशि 735 करोड़ रुपये थी, जो 21 फरवरी तक घटकर 538 करोड़ रुपये रह गई। बैंक ने पारदर्शिता और सरकारी धन की सुरक्षा पर जोर देते हुए पुनः समिति में शामिल होने के लिए सरकार और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत जारी रखी है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ की धोखाधड़ी, शेयर 20 फीसदी तक लुढ़के

- निवेशकों के डूबे 14,000 करोड़, बैंक का मार्केट कैप घटकर 57,485.60 करोड़ रह गया

मुंबई।

चंडीगढ़ स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा में लगभग 590 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी सामने आई है। बैंक के अनुसार शाखा के कुछ कर्मचारी हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में बिना अनुमति के लेनदेन कर रहे थे, जिससे जमा राशि में बड़ा अंतर उत्पन्न हुआ। यह राशि बैंक की तिमाही कमाई से भी अधिक बताई जा रही है। इस घटना से बैंक के शेयरों और निवेशकों को बड़ा झटका लगा। सोमवार को एनएसई पर शेयर 20 फीसदी तक गिरकर 67 रुपए के लोअर सर्किट पर पहुंच गए। बैंक का मार्केट कैप 71,854.85 करोड़ से घटकर 57,485.60 करोड़ रुपए रह गया, यानी एक ही दिन में लगभग 14,369 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। यह मार्च 2020 के बाद बैंक के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। धोखाधड़ी तब उजागर हुई जब हरियाणा सरकार ने अपने खातों को बंद कर राशि अन्य बैंक में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मिलान प्रक्रिया के दौरान बैंक रिकॉर्ड और सरकारी विभागों द्वारा बताई गई राशि में अंतर पाया गया। 18 फरवरी 2026 के बाद अन्य सरकारी संस्थानों से संपर्क करने पर और विसंगतियां सामने आईं।

बैंक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी से फोरेंसिक ऑडिट शुरू किया। दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक, दीवानी और आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। संदिग्ध खातों में जमा रकम पर रोक लगाने के लिए संबंधित बैंकों से संपर्क किया गया। बैंक का कहना है कि मामला केवल चंडीगढ़ शाखा और कुछ सरकारी खातों तक सीमित है, अन्य ग्राहकों पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ा। निवेशक अब जांच की प्रगति और बैंक की अगली रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ठाणे में 18 एकड़ की नई आवासीय परियोजना बनाएगा

भूस्वामी के साथ की साझेदारी, 7500 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने मुंबई क्षेत्र में अपने विस्तार के तहत ठाणे में 18 एकड़ के भूखंड के विकास के लिए संयुक्त विकास समझौता (जेडीए) किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह परियोजना मुख्य रूप से आवासीय होगी और इससे 7,500 करोड़ रुपए से अधिक का संभावित राजस्व अर्जित होने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी ने भूस्वामी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज रणनीतिक रूप से जमीन की सीधी खरीद और भूस्वामी के साथ संयुक्त विकास दोनों मॉडल के माध्यम से परियोजनाओं का विकास करती है। कंपनी का कहना है कि उच्च संभावनाओं वाले सूक्ष्म बाजारों में विस्तार उसकी वृद्धि रणनीति का अहम हिस्सा है और इसका उद्देश्य मकान खरीदारों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण करना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ठाणे मुंबई महानगर क्षेत्र का सबसे आकर्षक स्थान बनकर उभरा है। यह परियोजना ठाणे में कंपनी की चौथी परियोजना होगी, जिससे क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 फीसदी बढ़कर 24,008 करोड़ रुपए हुई।

क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी का आईपीओ खुला

- मीडियम-लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए अवसर

नई दिल्ली । क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस का आईपीओ सोमवार, 23 फरवरी से खुल गया है और यह 25 फरवरी तक खुला रहेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 20 फरवरी को लगी थी। आईपीओ का प्राइस बैंड 1,000 से 1,053 रुपए प्रति शेयर रखा गया है। निवेशक कम से कम 14 शेयरों का एक लॉट खरीद सकते हैं, जिससे एक लॉट की कीमत लगभग 14,742 रुपए होगी। शेयर 2 मार्च 2026 को एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होने की संभावना है। कंपनी कुल 3,100 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखती है। इसमें 1,200 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिसके तहत लगभग 1.14 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 1,900 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसमें प्रमोटर बीजीटीएफ वन होल्डिंग्स और केएमपीआईएनसी एलएलपी अपने शेयर बेचेंगे।

बिहार विधान मंडल: पटना डबल मर्डर पर सदन में हंगामा, स्वास्थ्य से लेकर जीआई टैग तक गूंजे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार विधान मंडल के बजट सत्र का 15वां दिन है। बढ़ते अपराध के मुद्दे पर विपक्ष आज भी प्रदर्शन कर रहा है। पटना में दो भाइयों के हत्या का मामला विधानसभा परिसर में विपक्ष के विधायकों ने उठाया और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। लंच ब्रेक के बाद विधानसभा में तेजस्वी यादव भी सदन पहुंचे हैं। राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने बिहार में स्वास्थ्य की बदहाली हा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार के बड़े बड़े सरकारी अस्पताल में बिना पैरवी के बेड नहीं मिलते। मरीजों की कतारें लगी रहती है। आईजीआईएमएस और पीएमसीएच का हाल बेहाल है। उन्होंने कहा कि सरकार को जवाब देना चाहिए कि बिहार में मरीजों की संख्या इतनी बढ़ क्यों रही है? राजद एमएलसी ने दो भाइयों की हत्या पर मांगा जवाब राजद एमएलसी उर्मिला ठाकुर ने विधान परिषद में पटना के गोपालपुर इलाके में दो भाइयों की निर्मम हत्या का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पटना में दो भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस अब तक अपराधी को पकड़ नहीं पाई है। दोनों भाइयों के पिता ने पहले भी पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई थी लेकिन कोई मदद नहीं मिला। सरकार का इस पर क्या कहना है? पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि ग्राम सभा में जो प्रस्ताव आता है, उस पर कार्य किया जाता है। ग्राम पंचायत की बैठक में हर निर्णय बहुमत के आधार पर लिए जाते हैं। वार्ड सदस्य भी बैठकों में जाएं। मुखिया पर वार्डों में बराबर काम करने का आरोप लगता है। इस पर मैं कहना चाहता हूं कि वार्ड सदस्य ग्राम सभा की बैठक में जरूर जाएं। अगर वह बैठक में नहीं जाएंगे तो काम कैसे होगा? एमएलसी कुमार नागेंद्र और एमएलसी माहेश्वर सिंह ने जो मांगें की है उस पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। अप्रैल माह से नई नीति लागू होगी। सरकार आश्वासन देती है मुखिया और वार्ड सदस्य को अधिकार दिया जाएगा। बिहार विधान परिषद् में एमएलसी महेश्वर सिंह ने कहा कि वार्ड सदस्य की तरह मुखिया को भी कोई अधिकार नहीं है। यहां तक कि वह एक सोलर लाइट तक नहीं लगा सकते हैं। पंचायती राज विभाग पटना से लाइट भेजते हैं। आखिर क्या घपला है? मेरा सदन से आग्रह है कि सरकार वार्ड सदस्य, मुखिया और सरपंच को अधिकार दे।बिहार विधानसभा में बाढ़ की लाई मिठाई को जीआई टैग दिलाने के मुद्दे को विधायक सियाराम सिंह ने उठाया। इस पर जवाब देते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि आवेदन किया गया है। चेन्नई भेजी गई है। सरकार प्रयासरत है कि जल्द से जल्द बाढ़ की लाई मिठाई को जीआई टैग मिल जाए। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने गया के तिलकुल को भी जीआई टैग दिलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जीआई टैग के लिए आवेदन किया गया है। मामला दिखवा लें। इसके बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने मंत्री दिलीप जायसवाल से मजाकिया अंदाज में कहा कि आप बढ़ैया का रसगुल्ला तो खाते हैं लेकिन उसे जीआई टैग नहीं दिलवा रहे हैं। हंसते हुए दिलीप जायसवाल ने विधानसभा अध्यक्ष से कहा कि विजय बाबू ने आज तक रसगुल्ला नहीं खिलाया है। लेकिन, फिर भी मैं जीआई टैग के लिए इसे देख रहा हूं। उन्होंने सभी विधायकों से अपील करते हुए कहा कि आपके इलाके की जो भी चीजें जीआई टैग के लिए उपयुक्त लगे, उसके लिए आवेदन कर दें। विधानसभा में शराबबंदी की समीक्षा को लेकर दिए गए बयान पर घिरे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद ने कहा है कि इसे राजनीति से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। हमलोगों ने इस मामले पर जनहित में समीक्षा की बात उठाई थी। इतनी ही बात थी। प्रश्नकाल में पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा विधायक ने सरकार से सवाल पूछा कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत बिहार के छात्र अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ते हैं, उनके खाते में सरकार ससमय डीबीटी के जरिए पैसा ट्रांसफर करनी है या नहीं? इस पर वित्त मंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि मैंने पहले ही सारी बातें स्पष्ट कर दी है। सरकार ससमय पैसा भेजने का काम कर रही है। बिहार विधानसभा में आज बिहार विनियोग विधेयक 2026 पेश होगा। दोपहर दो बजे के बाद वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव इसे सदन के पटल पर रखेंगे। वहीं विधान परिषद् में आज विपक्ष अपराधों की सूची सदन को देगा। गृह विभाग के बजट पर परिषद् में चर्चा होगी। इधर, विधानसभा परिसर में राष्ट्रीय जनता दल और वाम दल के विधायकों ने बढ़ते अपराध के मुद्दे पर नीतीश कुमार पर हमला बोला। पटना में डबल मर्डर के मुद्दे पर राजद ने सरकार से जवाब मांगा।

'बीजेपी में शामिल होना चाहते हैं पप्पू यादव'

पटना (एजेंसी)। पटना गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भाजपा में शामिल होना चाहते थे। इस दावे के बाद पप्पू यादव ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा, ह्लनिशिकांत की पैदाइश से पहले हम कई बार सांसद रह चुके हैं ह्व साथ ही उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक अनुभव का हवाला दिया। दरअसल, हाल ही में अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी देवघर दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने सांसद निशिकांत से मुलाकात की थी। दौरे को लेकर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तंज कसा, जिसके बाद से दोनों सांसद में जुबानी जंग छिड़ गई है। सिलसिलेवार तरीके से जानिए पूरा मामलाह्व उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नेहरू-गांधी परिवार के खिलाफ जो दुष्प्रचार चलाया जा रहा है, उसके पीछे असली निवेशक गौतम अडाणी हैं। माना जा रहा है कि यह टिप्पणी सीधे तौर पर निशिकांत दुबे पर थी। अभी संसद सत्र के दौरान यही सज्जन लोकसभा के अंदर मुझसे मिलने आए थे, एक ही इनकी विनती थी कि मुझे भाजपा में शामिल करवा दीजिए।अंगूर खट्टे हैं,कुछ तो दीन ईमान होना चाहिए? भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के भाजपा में एंट्रीह्व वाले दावे पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भड़क गए। उन्होंने फिर पर लिखा, इस महोदय का तो नाम नहीं लिए थे, पर जब यह सामने आ गए हैं

पटना के डॉग कॉम्पिटिशन में अलाबाई 'काली' बनी चैंपियन

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य श्वान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न नस्लों के लगभग 80 पालतू कुत्तों ने हिस्सा लिया। अलाबाई नस्ल की डॉग 'काली' (मालिक अभिषेक कुमार सिंह) ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता। प्रतियोगिता में आकर्षक ग्रूमिंग, अनुशासन, चाल-ढाल और कमांड पर प्रतिक्रिया के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। 'काली' ने अपने शानदार शारीरिक बनावट, आत्मविश्वास और बेहतरीन प्रशिक्षण से निर्णायकों को प्रभावित किया। विजेता की घोषणा होते ही दर्शकों ने तालियों से स्वागत किया। बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री सुरेन्द्र मेहता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि कुत्ते अपनी वफादारी, सतर्कता और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। मंत्री ने जोर दिया कि कुत्ता न केवल घर की सुरक्षा करता है, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह सुख-दुख में साथ खड़ा रहता है। मेहता ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में पशु कल्याण और जिम्मेदार पालतू पालन के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की पशु चिकित्सा सुविधाओं की भी सराहना की। बढ़ रही है डॉग लवर्स की संख्या विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि बढ़ती सहभागिता दशार्ती है कि समाज में श्वान प्रेमियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कुत्ता मानव का सबसे पुराना पालतू साथी है और अब हर परिवार का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। अपराध नियंत्रण और आपदा प्रबंधन में अहम भूमिका बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के भूतपूर्व निदेशक (शोध) डॉ. ए. ए. खान ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कहा कि कुत्ते अपराध नियंत्रण, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सूंघने की अद्भुत क्षमता का उपयोग कैंसर जैसी बीमारियों के शुरूआती संकेतों की पहचान में भी किया जा रहा है।

दो बेटों को खोने के बाद पिता ने पुलिस पर लगाया बड़ा आरोप, बार-बार जान से मारने की धमकी कौन दे रहा था

पटना (एजेंसी)। गोपालपुर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि डबल मर्डर मामले में कुछ अहम साक्ष्य हाथ लगे हैं। कुछ संदिग्ध से पूछताछ भी चल रही है। अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। परिवार के लोगों ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर बार-बार वह लोग जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में दो भाइयों की हत्या के बाद हड़कंप मचा हुआ है। रविवार रात से ही पुलिस टीम गांव में कैंप कर रही है। मरने वालों के घर के सामने सोमवार सुबह काफी भीड़ दिखी। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। परिजनों में आक्रोश है। मनजीत और मनीष की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। परिजनों में पुलिस के प्रति आक्रोश है। परिजनों का कहना है कि अगर पुलिस समय रहते कार्रवाई करती तो आज यह दिन नहीं देखना पड़ता है। हमलोगों को बार-बार जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। पुलिस को इसकी जानकारी भी हमलोगों ने दी थी लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। 40 वर्षों से न्यायालय में चल रहा था मामला इधर, मृतक मनीष कुमार एवं मनजीत कुमार के पिता राज किशोर ने बताया कि शाहपुर गांव में उनका 6 एकड़ 56 डिसमिल जमीन है। इस जमीन का विवाद पिछले 40 वर्षों से न्यायालय में चल रहा था। अभी चार महीना पहले कोर्ट द्वारा उस जमीन का जजमेंट हमारे फेवर में आया, जिसे लेकर हमारे गोतिया के लोग बराबर हम सभी लोगों को धमकी देने लगे। उन्होंने बताया कि इस बात की जानकारी गोपालपुर थाना सहित पुलिस के वरीय अधिकारियों को भी दिया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस से उन्होंने अपने और परिवार के सुरक्षा की गुहार लगाई थी। गोपालपुर थाना द्वारा इसके लिए उन्हें आश्वासन भी दिया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि न्यायालय से डिसीजन आने के बाद न्यायालय परिसर में ही उनके गोतिया द्वारा धमकी दी गई थी वह परिवार के सभी लोग डरे समय हुए थे। इस मामले को लेकर पटना के सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि रविवार की देर रात दौलत राय के बेटे का रिसेप्शन पार्टी गोपालपुर थाना के शाहपुर गांव के एक खेत में चल रहा था। लोग रिसेप्शन पार्टी में व्यस्त थे। इसी दौरान कुछ अपराधियों द्वारा गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया, जिसमें दो सगे भाइयों को गोली लगी। आननफानन में इलाज के लिए पटना के एक अस्पताल में ले जाया गया

चंदन मिश्रा हत्याकांड के शूटर ने कोर्ट कैंपस में बनाया रील...चला देब गोली

पटना (एजेंसी)। कुख्यात चंदन मिश्रा की हत्या करने वाले मेन शूटर तौसीफ रजा उर्फ बादशाह का एक वीडियो सामने आया है। इसमें उसे बिहार का बाहुबली बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तौसिफ के नाम से बनाई गई आईडी से लगातार 6-7 पोस्ट किए गए हैं। इनमें से तीन पोस्ट पटना सिविल कोर्ट परिसर के हैं। वह हथकड़ी लगाए कोर्ट परिसर में हईं जिले का बाहुबली...चला देब गोली त केहू ना बोली गाने पर रील शूट कराते नजर आ रहा है। पारस अस्पताल में इलाज के दौरान पिछले साल 17 जुलाई को तौसीफ, बलवंत, रविरंजन समेत पांच शूटरों ने चंदन मिश्रा को गोलियों ने भून दिया था। तौसिफ के नाम से सोशल मीडिया पर कई अकाउंट चल रहे हैं, जिन पर उसकी रील्स वायरल हो रही हैं। खास बात यह है कि कोर्ट परिसर में वह लोगों से मिल रहा है। मोबाइल इस्तेमाल कर रहा है। तौसिफ का पूरा नाम तौसिफ रजा है। उसके पिता पटना जंक्शन के पास हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं, जबकि मां स्कूल शिक्षिका हैं। परिवार चाहता था कि तौसिफ पढ़-लिखकर अच्छा और नेक इंसान बने। उसका दाखिला पटना के सेंट कैरेंस हाईस्कूल में कराया गया। स्कूल के दिनों से ही वह चकाचौंध की दुनिया से प्रभावित हो गया था। कम समय में करोड़पति बनने की चाहत में वह अपराध की राह पर चल पड़ा।

दरभंगा में जीजा पर साली के अपहरण का आरोप, ससुर ने दर्ज कराई प्राथमिकी; कोचिंग जाते समय हुई थी लापता

दरभंगा (एजेंसी)। दरभंगा के बहेड़ी थाना क्षेत्र से ट्यूशन जा रही छात्रा के अपहरण का आरोप उसके जीजा पर लगा है। पिता ने दामाद समेत परिवार पर केस दर्ज कराया है। पुलिस मोबाइल ट्रेस कर रही है और जल्द बरामदगी का दावा किया है। दरभंगा जिले के बहेड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव से 6 जनवरी की सुबह ट्यूशन पढ़ने जा रही एक छात्रा के अपहरण का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती का अपहरण उसके ही जीजा ने कर लिया। इस संबंध में पीड़ित पिता ने बहेड़ी थाना में कांड संख्या 106/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में पिता ने अपने दामाद जितेंद्र मंडल सहित उसके परिवार के अन्य सदस्यों को नामजद आरोपी बनाया है। आवेदन में बताया गया है कि 6 जनवरी की सुबह उनकी बेटी कोचिंग के लिए निकली थी, लेकिन रास्ते से ही उसका अपहरण कर लिया गया। पीड़ित पिता का आरोप है कि 7 और 17 जनवरी को आरोपित की ओर से फोन कर बेटी से बात कराई गई, लेकिन बातचीत के दौरान रोने की आवाज सुनाई दे रही थी। जब उन्होंने लोकेशन पूछना चाहा तो फोन काट दिया गया। इसके बाद से मोबाइल लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। पिता ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने थाना में शिकायत दर्ज कराई तो दामाद ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने आशंका जताई है कि उनकी बेटी के साथ कोई अनहोनी हो सकती है। : वैशाली में अवैध बालू खनन पर बड़ा एक्शन, 11 हाईवा और 5 ट्रैक्टर जब्त; डीएम के निर्देश पर छापेमारी जानकारी के अनुसार, गणेश मंडल ने बताया कि उन्होंने अपनी बड़ी बेटी की शादी वर्ष 2022 में जितेंद्र मंडल से की थी। उनकी बड़ी बेटी की तीन साल की एक बच्ची भी है। आरोप है कि दामाद अक्सर उनकी बड़ी बेटी के साथ मारपीट करता था और बाद में उसे मायके छोड़ गया। इसके बाद उसने उनकी दूसरी बेटी को भी भगाकर ले गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपित दिल्ली में रहकर निजी नौकरी करता है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सूरज गुप्ता ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मोबाइल फिलहाल ट्रेसलेस है। लोकेशन मिलते ही लड़की को बरामद कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

मुखिया और वार्ड सदस्य को शक्तियां मिलेंगी; नई नियमावली में क्या मिला नीतीश कुमार सरकार से आश्वासन

पटना (एजेंसी)। त्रिस्तरीय निकाय चुनाव से चुनकर आने वाले वार्ड सदस्यों और मुखिया को नए वित्तीय वर्ष से कुछ शक्तियां मिल सकती हैं। सरकार ने विधान परिषद् में कई मुद्दों पर मांग को देखते हुए आश्वासन दिया। जानिए, क्या थे मुद्दे, क्या मिला आश्वासन। इस साल के अंत में होने वाले निकाय चुनावों के पहले बिहार विधान परिषद् में वार्ड सदस्यों की शक्तियों को लेकर बड़ी मांग सामने आई। कहा गया कि यह जन प्रतिनिधि तो चुने जाते हैं, लेकिन काम कराने की वित्तीय शक्तियां और यहां तक कि अनुशंसा का भी अधिकार नहीं रहता है। मुखिया को वित्तीय अधिकार मिला है तो उन्हें काम कराने की शक्तियां नहीं। ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती से जुड़े इन मुद्दों पर बिहार विधान परिषद् में आखिरकार नीतीश कुमार सरकार को आश्वासन देना पड़ा कि पहली अप्रैल से लागू होने वाली नई नियमावली में इस हिसाब से बदलाव किया जाएगा। सरकार मुखिया और सरपंच को अधिकार दे एमएलसी कुमार नागेंद्र ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि वार्ड सदस्यों को कुछ शक्तियां मिलनी चाहिए। मंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि ग्राम पंचायत को जो राशि मिलती है, उसे पंचायती राज विभाग देखता है। मनरेगा से जो राशि मिलती है, उसे ग्रामीण विकास विभाग मिलता है। अप्रैल से नई नियमावली आने वाली है, उसमें सदस्यों की मांग पर केंद्र सरकार से अनुरोध करेंगे कि वार्ड सदस्यों को अधिकार दिया जाएगा। एमएलसी महेश्वर सिंह ने कहा कि वार्ड सदस्य की तरह मुखिया को भी कोई अधिकार नहीं है। यहां तक कि वह एक सोलर लाइट तक नहीं लगा सकते हैं। पंचायती राज विभाग पटना से लाइट भेजते हैं। आखिर क्या घपला है? मेरा सदन से आग्रह है कि सरकार वार्ड सदस्य, मुखिया और सरपंच को अधिकार दे। एमएलसी सुनील सिंह ने आरोप लगाया कि किसी भी पंचायत में सोलर लाइट ठीक से काम नहीं करता है। इसकी भी जांच होनी चाहिए। पंचायती राज मंत्री ने क्या कहा? पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि ग्राम सभा में जो प्रस्ताव आता है, उस पर कार्य किया जाता है। ग्राम पंचायत की बैठक में हर निर्णय बहुमत के आधार पर लिए जाते हैं। वार्ड सदस्य भी बैठकों में जाएं। मुखिया पर वार्डों में बराबर काम करने का आरोप लगता है। इस पर मैं कहना चाहता हूं कि वार्ड सदस्य ग्राम सभा की बैठक में जरूर जाएं। अगर वह बैठक में नहीं जाएंगे तो काम कैसे होगा? एमएलसी कुमार नागेंद्र और एमएलसी माहेश्वर सिंह ने जो मांगें की है उस पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। अप्रैल माह से नई नीति लागू होगी। सरकार आश्वासन देती है मुखिया और वार्ड सदस्य को अधिकार दिया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

पटना में सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान, स्कूटी से उठाकर ले गए थे आरोपी

पटना (एजेंसी)। पटना के शास्त्री नगर थाना अंतर्गत राजा बाजार पिलर नंबर 49 चौधरी होटल गली में मारपीट की घटना सामने आई है। युवक की पहचान राकेश कुमार के तौर पर हुई है, जो पहले इसी मोहल्ले में रेंट के मकान में रहता था। राकेश ने बताया कि वह गली में खड़ा था। इसी बीच कुछ युवक आए और उसको जबरन स्कूटी पर बैठकर ले जाने लगे। इस बात का विरोध उसने किया तो मारपीट कर घसीटते हुए लेकर चले गए। इस दौरान मोहल्ले के लोगों ने भी उन युवकों को समझने की कोशिश की। लेकिन वह नहीं माने। मां जोर-जोर से रोने लगी बाद में राकेश की मां रोते चिल्लाते मोहल्ले में स्थित देवी स्थान पर पहुंची। वहां अपना सिर पटक पटककर बेटे की सलामती के लिए प्रार्थना करने लगी। रोते बिलखते देख मोहल्ले के लोगों की भीड़ लग गई। इसी बीच मोहल्ले के लोगों ने डायल 112 को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस वहां पहुंची। इसके बाद देवी स्थान में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल गया। इससे आरोपियों की पहचान हुई और समय रहते पुलिस ने राकेश कुमार को बरामद कर लिया। सिर और मुंह में लगी है चोट राकेश के सिर और मुंह में चोट लगी है। उसने पुलिस के सामने कुछ युवकों के नाम बताएं हैं, जिन्होंने उसके साथ मारपीट की थी। फिलहाल पुलिस की ओर से उसे अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है। विवाद का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है फिलहाल पुलिस विवाद की वजह जानने में लगी है। छानबीन जारी है।

राजद : सदन से सड़क नहीं, अब मंच से सोशल मीडिया तक की राजनीति

पटना (एजेंसी)। राजद की रणनीति बदली है। सदन से सड़क तक संघर्ष वाली राजनीति अब मंच से सोशल मीडिया में बदल गई है। पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद की राजनीति सदन से लेकर सड़क पर संघर्ष करते आगे बढ़ी थी। 25 जनवरी को उन्होंने बेटे तेजस्वी यादव को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बना औपचारिक रूप से कमान सौंप दी। इसका एक महीने पूरा होने को है। तेजस्वी सड़क पर उतरने की जगह पार्टी के कार्यक्रमों में मंचों से भाषण देकर कार्यकताओं को उत्साहित कर रहे हैं। घर में बैठे-बैठे रोज सोशल मीडिया से सरकार की कमियों को उजागर कर रहे हैं। नतीजा यह है कि कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं होने से कार्यकर्ता संशय में हैं कि आगे क्या करना है। अब तो पटना समेत पूरे राज्य के कार्यकताओं को सड़क पर उतरने के लिए अनुमति लेने की नौबत आ गई है। तेजस्वी ने अबतक किसी कार्यक्रम की घोषणा नहीं की बजट सत्र के 3 हफ्ते बीत गए, पर तेजस्वी यादव मात्र 2 या 3 दिन ही विधानसभा गए हैं। एनडीए सरकार के 100 दिन पूरे हो गए, पर अब तक सरकार की खामियों के खिलाफ एक भी कार्यक्रम या संघर्ष की घोषणा नहीं की। बीते एक महीने में उन्होंने दो दलीय कार्यक्रम और एक जातीय समारोह में मंच साझा किया है। तेजस्वी पार्टी कार्यालय और बापू सभागार में दल के समारोह में शामिल हुए हैं। रविवार को मिलर स्कूल मैदान में रविदास समाज के समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष की ज्यादा मूवमेंट नहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल 78वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। हाल ही में दिल्ली से पूरी जांच, इलाज कराकर पटना लौटे हैं। ज्यादा मूवमेंट नहीं कर पा रहे हैं। विस चुनाव में वे मिथिलांचल छोड़ कहीं नहीं गए थे। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद शारीरिक रूप से राजनीति करने में अक्षम हो गए हैं। वे बिहार में घूम-घूम कर लोगों से मिलने-जुलने और सभाओं में भाषण देने में असमर्थ हैं।

पीयू एलुमनी मीट 15 मार्च को, मगध महिला कॉलेज में जुटेंगी कई पीढ़ियां

पटना (एजेंसी)। पटना विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों का वार्षिक मिलन समारोह (एलुमनी मीट) 15 मार्च को मगध महिला कॉलेज परिसर में होगा। इस बार समारोह में करीब तीन पीढ़ियों के करीब दो हजार पूर्व छात्र-छात्राओं के शामिल होने का अनुमान है। रविवार को विश्वविद्यालय के वोकेशनल बिल्डिंग स्थित मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर सभागार में कार्यकारिणी और पूर्णकालिक सदस्यों की बैठक हुई। एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने बताया कि यह मिलन समारोह पुराने साथियों को जोड़ने और विश्वविद्यालय के गौरव को आगे बढ़ाने का अवसर है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 13 कमेटियां बनाई गई हैं। इनमें मेंबरशिप, रजिस्ट्रेशन, स्वागत, फूड, वेन्यू, मीडिया एंड पब्लिक रिलेशन, सिक्योरिटी, स्मारिका, सांस्कृतिक, मेडिकल, वित्त, खेल व मनोरंजन और एडवायजरी कमेटी शामिल हैं। समारोह में मल्टीकलर स्मारिका का विमोचन भी होगा। पूर्ववर्ती छात्र अपनी यादें और पुरानी तस्वीरें प्रकाशन के लिए भेज सकते हैं। बैठक में प्रो. अनिल कुमार, डॉ. ध्रुव कुमार, मो. मोइजुद्दीन, मुकेश कुमार, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. हुलेश मांझी, मधुसूदन चौधरी, डॉ. शिप्रा सोनी, डॉ. नवनीत निगम समेत कई सदस्य मौजूद रहे। ऑनलाइन-ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन होगा एसोसिएशन के महासचिव प्रो. अतुल आदित्य पांडेय ने बताया कि एलुमनी मीट में शामिल होने के लिए पूर्व छात्र ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। पटना विश्वविद्यालय और इसके विभिन्न कॉलेजों व निदेशालयों के पूर्व विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट ६६६.pup.ac.in पर जल्द लिंक उपलब्ध कराई जाएगी। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पटना साइंस कॉलेज स्थित वोकेशनल बिल्डिंग के प्रथम तल पर एसोसिएशन के कैंप कार्यालय से किया जा सकता है। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 8409949195 और ईमेल pualumni@pup.ac.in पर कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

जिस लेन में ज्यादा गाड़ियां, उसे पहले ग्रीन सिग्नल देगा एआई कैमरा

पटना (एजेंसी)। ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को पकड़ेगा, सिग्नल को भी नियंत्रित करेगा राज्य की चारों स्मार्ट सिटी – पटना, बिहारशरीफ, भागलपुर और मुजफ्फरपुर – में बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन के लिए एडेप्टिव एआई कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे न केवल ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को पकड़ेंगे, बल्कि ट्रैफिक सिग्नल को भी नियंत्रित करेंगे। बेंगलुरु, अहमदाबाद, नोएडा, दिल्ली, विशाखापट्टनम, हैदराबाद और गुरुग्राम समेत देश के कई बड़े शहरों में ये कैमरे पहले से लगे हैं और इनके सकारात्मक परिणाम मिले हैं। इन शहरों का अध्ययन करने के बाद बिहार में भी इन्हें लगाने का निर्णय पुलिस मुख्यालय ने लिया है। पुलिस मुख्यालय ने इसका प्रस्ताव परिवहन विभाग को भेज दिया है। संबंधित शहरों में कैमरे लगाने के लिए सर्वे भी पूरा हो चुका है। परिवहन विभाग से मंजूरी मिलते ही कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। पटना में 28 स्थानों पर ये कैमरे लगाए जाएंगे। यह प्रणाली वाहनों के दबाव का विश्लेषण कर सिग्नल टाइमिंग तय करेगी। यदि किसी चौराहे पर एक दिशा में वाहनों की संख्या कम होगी, तो पहले से निर्धारित समय से पहले ही सिग्नल बदल जाएगा। इससे ट्रैफिक पोस्ट पर वाहनों को अनावश्यक रूप से अधिक देर तक नहीं रुकना पड़ेगा और चौराहों पर यातायात की गति सुधरेगी। ट्रैफिक में सुधार होगा, हादसों में कमी आएगी इन कैमरों के लगने से ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार होगा और सड़क हादसों में भी कमी आने की उम्मीद है। विशेषज्ञ टीम ने देश के कई शहरों में इसका अध्ययन किया है। परिवहन विभाग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। जिन चौक-चौराहों पर वाहनों का दबाव अधिक रहता है, वहां कम समय तक रुकना होगा।

अगर आपके हाथ पैरों का भी बड़ गया है कालापन तो दूर करने के लिये फॉलो करें यह टिप्स

आमतौर पर अंडरआर्म ज्यादातर लोगों के लिए काला होता है। अत्यधिक पसीने के कारण यहां अंधेरा दिखाई देता है। यह कालापन आत्मविश्वास को कम करता है। इस वजह से महिलाओं के लिए स्लीवलेस और कट स्लीव के कपड़े पहनने का सपना अधूरा है। यदि अत्यधिक पसीने को रोकने के लिए किसी डिओडोरेंट का उपयोग किया जाता है, तो वे त्वचा को और अधिक काला करने का जोखिम उठाते हैं।कोई भी प्राकृतिक उपचार त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। जानिए पसीने के कारण त्वचा का कालापन कैसे दूर करें।

संकलो में काले मुद्दे को हल करने का तरीका यहां दिया गया है

ट्वनहाने के तुरंत बाद कपड़े न पहनें। दो से तीन मिनट प्रतीक्षा करें। इस दौरान शरीर को सामान्य तापमान पर आना चाहिए। बैक्टीरिया के संक्रमण आदि के कारण नमी के कारण होने वाले संक्रमण से बचने के लिए शरीर को ठीक से सूखने दें।

ट्वअतिरिक्त बालों से बचने के लिए नियमित रूप से शेविंग करते रहें। ऐसा करने से नमी और गंध नहीं आती है। इससे कालेपन से बचा जा सकता है।

प्रसंस्कृत भोजन, शराब और अन्य चीजों के सेवन से बचें जिससे अत्यधिक पसीना आता है, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें।

– शरीर में पसीना कम करने वाले पानी, कैल्शियम, बादाम आदि से भरपूर पानी का अधिक सेवन करना चाहिए।

– मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, यानी गर्मियों में कॉटन, थोड़े ढीले कपड़े जिससे ज्यादा तनाव न हो। संकल्प को ज्यादा पसीना नहीं आता।

रेस्टोरेंट या बाहर का खाना खाने से अब नहीं बढ़ेगा वजन

वीकेंड हो या कोई त्योहार हम में से ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ अक्सर डिनर और लंच के लिए किसी रेस्टोरेंट में जाना पसंद करते हैं. वहीं घर से बाहर रहने वाले स्टूडेंट या नौकरी करने वाले लोग भी ज्यादातर समय खाना ऑनलाइन ही ऑर्डर करते हैं. ऐसे में हम जब भी खाना रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते हैं तो कई लोग सलाह देते है कि बाहर का खाना खाने से वजन बढ़ जाएगा और मोटापा कि समस्या घेर लेगी. क्योंकि, बाहर खाए जाने वाले भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में ज्यादा कैलोरी और फैट होती है और बाहर खाना अनजाने में वजन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है.

हालांकि, कुछ रणनीतियां हैं जिनका उपयोग करके आप भोजन योजना का पालन करते हुए भी बाहर खाने का आनंद ले सकते हैं...

न्यूट्रिशनिस्ट अरबी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे रेस्टोरेंट के कुछ खास फूड आइटम्स आपका वेट कम करने में आपकी मदद कर सकता है.

होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते या ऑर्डर करते समय इन 10 हेल्दी और वेट कम करने वाले फूड आइटम्स का जरूर रखें ध्यान

सुशी– कम कैलोरी, हाई फाइबर का सबसे अच्छा ऑप्शन है. ब्राउन चावल और सब्जी से भरे इस रोल का ऑप्शन जरूर चुनें.

पनीर टिक्का– हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के लिए पनीर टिक्का का ऑप्शन बेहतर है. इसे सब्जियों और साबुत अनाज के साथ खाएं.

वेजिटेबल कबाब

लो कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर ग्रिल्ड या रोस्टेड कबाब का विकल्प चुनें.

भूनी हुई सब्जियां और पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के साथ भूनी हुई सब्जियां और पनीर का ऑप्शन जरूर चुनें, इसके साथ साबत अनाज चनें और ज्यादा सब्जियां खाएं.

सब्जी दाल सूप

कम कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ऑप्शन के लिए चुनें.

खिचड़ी

कम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत अनाज, दाल और सब्जियों से बना खिचड़ी

स्टीम्ड वेजिटेबल डम्प्लिंग

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत गेहूं या सब्जी आधारित रैपर चुनें.

होल व्हीट मशरूम रैप

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए अधिक मात्रा में सब्जियां खाएं और कम कैलोरी वाले सॉस का चुनाव करें.

क्विनोआ बाउल विद ग्रिल्ड पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी विकल्प के लिए इसे चुनें. बता दें, क्विनोआ फाइबर प्रदान करता है, जबकि पनीर प्रोटीन प्रदान करता है.

बेसन चीला

मीडियम कैलोरी, हाई प्रोटीन ऑप्शन के लिए बेसन, सब्जियों और मसालों से बनाया गया चीला चुनें.

ऑर्डर करते समय, याद रखें...

रिफाइंड अनाज, की जगह साबुत अनाज चुनें.

अधिक मात्रा में सब्जियां और फलियां खाएं.

ग्रिल्ड, रोस्टेड या स्टीम्ड विकल्प चुनें.

ज्यादा कैलोरी और चीनी वाले सॉस और ड्रेसिंग का सेवन सीमित करें.

खूब पानी पियें और मीठे पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें. इन विकल्पों को चुनकर, आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य और समग्र कल्याण में सहायता करेंगे.

स्किन के लिए गुणकारी है पत्थरचट्टा, जानें कैसे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

स्किन के लिए जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए अक्सर हम कई तरह के घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो पत्थरचट्टा की पत्तियों का भी प्रयोग कर सकते हैं, आइए आपको बताते हैं कैसे इस्तेमाल करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से है कई सारी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए महिलाएं महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग कर सकते हैं। आमतौर पर कई महिलाएं पार्लर जाकर मेकअप या स्किन ट्रीटमेंट स्किन को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है, इसमें पत्थरचट्टा भी शामिल है। स्किन से जुड़ी समस्याओं से बचाव या राहत का लिए आप अपने स्किन केयर रुटीन में पत्थरचट्टा भी यूज कर सकते हैं। पत्थरचट्टा की पत्तियां एक्ने से राहत दिलाने में मदद करती है। स्किन की एलर्जी कम होती है।

पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं

पत्थरचट्टा की पत्तियां में फ्लेवोनोइड्स, एल्कलॉइड्स और ग्लाइकोसाइड्स समेत कई बायोएक्टिव कंपाउंड्स पाए जाते हैं। यह आपकी स्किन पर एंटी–इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव पैदा करते हैं, जिससे खुजली जैसी समस्या से राहत मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कैसे इसका प्रयोग करें।

– पत्थरचट्टा की पत्तियों को कुचलकर थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन के प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से अपना मुंह धो लें। – पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल करके आप फेस मास्क के रुप में भी यूज कर सकते हैं। इन पत्तियों का फेस मास्क बनाने के लिए पहले आप इन्हें अच्छे तरीके से ग्राइंड कर

अगर आप एक महीने तक चाय पीना पूरी तरह बंद कर दें तो क्या होगा?

चाय आज के समय में लगभग हर किसी के जीवन का हिस्सा है. रोज सुबह बिस्तर से उठते ही चाय की चुस्की के साथ अपना नींद खोलना बहुत से लोगों को बेहद अच्छा लगता है. वहीं, नाश्ते के समय भी ज्यादातर लोग चाय पीते हैं. ऐसे में देखा जाए तो बहुत से लोग दिन में कई बार चाय का सेवन करते हैं. अधिकतर लोगों को चाय की ऐसी लत होती है कि वे दिनभर में 3 से 4 बार इसका सेवन करते है. हालांकि, अधिक मात्रा में चाय के सेवन सेहत के लिए नुकसानदेह होता है .

एक महीने तक चाय न पीने के फायदे

चाय हमारे देश में लगभग 90 प्रतिशत लोगों का पसंदीदा हॉट ड्रिंक है. कुछ लोगों को सुबह उठते ही चाय पीने की इच्छा होती है, तो वहीं कुछ लोग दिन में अनगिनत बार चाय पीते हैं. क्योंकि चाय में निकोटिन जैसा ही तत्व तंबाकू में भी होता है. लोगों की इसकी लत लग जाती है. चाय एक प्रकार की ऊर्जा और ताजगी का भी सोर्स है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम जो चाय रोजाना पीते हैं उसमें मौजूद चीनी की मात्रा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है?

चाय प्रेमियों के लिए एक महीने तक चाय न पीना वाकई एक बड़ी चुनौती जैसा होगा, लेकिन चाय पीने की इच्छा पर अंकुश लगाने से उनके स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे मिल सकते हैं. आमतौर पर हम जो चाय पीते हैं उसमें चीनी की मात्रा अधिक होती है. इससे कैलोरी बढ़ती है. इसके अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, चाय में ज्यादा चीनी की मात्रा पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है.

एक महीने तक शुगर–फ्री रहने के फायदे

इसलिए अगर आप एक महीने के लिए मीठी चाय पीना बंद कर देते हैं, तो आपका पाचन बेहतर हो जाएगा. इससे वजन भी कम होता है. इतना ही नहीं इससे आपको कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी नहीं होंगी. यदि आप एक महीने तक चीनी वाली चाय नहीं पीते हैं तो, आपके ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहेगा, चीनी के लिए कम लालसा होगी, आप एनर्जेटिक महसूस करेंगे, दांत की सेहत बेहतर हो जाएगी, और संभावित रूप से स्किन साफ हो जाएगा, क्योंकि ज्यादा चीनी का सेवन मुंहासे में योगदान कर सकता है. हालांकि, चीनी को पूरी तरह से छोड़ने के पहले कुछ दिनों के दौरान आपको लालसा और थकान जैसे वापसी के लक्षणों का अनुभव हो सकता है.

कई अध्ययनों से पता चला है कि एक महीने तक मीठी चाय से परहेज करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है. मीठी चाय पीने से त्वचा पर दाने और छाले हो सकते हैं. इसलिए बेहतर है कि अपनी त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए मीठी चाय न पियें. चाय पीने की आदत से बचने से सीने में जलन, चक्कर आना और हृदय गति में उतार–चढ़ाव जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है. अगर आपके हाथ कांप रहे हैं तो चाय पीने से समस्या और बढ़ सकती है. इसके अलावा, यदि आप चाय पीना बंद कर दें तो हाई ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाएगा.

चेहरा टैनिंग के कारण दिखता है मुरझाया हुआ तो लगा लें ये 5 डी टैन पेस पैक्स, खिल उठेगी त्वचा

धूप चाहे गर्मियों की हो या सर्दियों की, बहुत ज्यादा देर तक त्वचा के संपर्क में आती है तो टैनिंग की वजह बन जाती है. टैनिंग के कारण ऐसा लगता है जैसे चेहरे पर दाग–धब्बे पड़ गए हैं या मैल जम गया है. इस टैनिंग को कम करने के लिए घर पर ही कुछ फेस पैक्स बनाकर लगाए जा सकते हैं. ये फेस पैक्स स्किन पर निखार लाने का काम करते हैं. इनसे टैनिंग हल्की होने लगती है और त्वचा को उसकी खोई हुई चमक वापस मिल जाती है. यहां जानिए कौनसे हैं ये फेस पैक्स और किस तरह इन्हें घर पर ही आसानी से बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है.

टमाटर का फेस पैक

त्वचा की टैनिंग कम करने में टमाटर कमाल का असर दिखाता है. टमाटर से फेस पैक बनाने के लिए टमाटर के पल्प को निकालें और इसमें थोड़ा सा खीरे का रस मिला लें. आप चाहे तो टमाटर को सादा भी चेहरे पर लगा सकते हैं. टमाटर के पल्प को 15 से 20 मिनट त्वचा पर लगाकर रखने के बाद धोकर हटाएं. त्वचा पर जमी डेड स्किन सेल्स भी निकलने लगती हैं. टमाटर सन डैमेज को कम करने में मददगार होता है.

दूध और हल्दी

टैनिंग हल्की करने के लिए इस सदियों से चले आ रहे नुस्खे को आजमाकर देखा जा सकता है. एक कटोरी में दही लें और उसमें थोड़ी सी हल्दी मिला लें. दही और हल्दी के इस मिश्रण को चेहरे पर रूई की मदद से लगा लें. इसे चेहरे पर लगाकर तकरीबन आधे घंटे रखें और फिर धोकर हटाएं. हफ्ते में 2 बार इस मिश्रण को लगाकर देखा जा सकता है.

बेसन और दही

चेहरे पर बेसन और दही को लगाने पर त्वचा एक्सफोलिएट होती है और चेहरे पर जमी डेड स्किन सेल्ट हटने लगती हैं. बेसन और दही त्वचा से मैल छुड़ाकर त्वचा को दमकदार बनाता है. कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें और इसमें जरूरत के अनुसार दही मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 से 20 मिनट रखें और फिर हल्के हाथों से मलते हुए छुड़ा लें.

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

सनटैन दूर करने में मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का भी अच्चा असर दिखता है. एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 2 चम्मच एलोवेरा जैल मिलाएं. इस फेस पैक को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखा जा सकता है. इसे छुड़ाने के बाद चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें.

मलाई और केसर

मलाई को चेहरे पर सादा या फिर केसर के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है. इससे त्वचा का रूखापन दूर होता है, मैल हटता है और टैनिंग कम होने में असर दिखता है. एक कटोरी में चम्मच भरकर मलाई और 1–2 केसर के छल्ले डालकर मिलाएं. इसे उंगलियों पर लेकर चेहरे पर पर मलें. आपको दिखेगा कि चेहरे पर जमा मैल छूटकर निकलना शुरू हो गया है. मलाई को चेहरे पर मलने के बाद पानी से धोकर छुड़ा लें.

टी20 विश्व कप: टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लीकेली (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूलीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है।

इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने धीमे स्पिनरों के जरिये इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे गेंदबाज हैं।

ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे।

अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनो के बीच अब तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब,

शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज, अंपायर चौधरी ने भी उठाये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नॉकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये।

अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठते हुए कहा कि आखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है ? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, 'जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बचता है, तो मन में आशंका होना स्वाभाविक है। वह अपनी कोहनी के पास से क्या छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देखा है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबाज कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे हैं। चौधरी के सोशल मीडिया पर उठाये इस सवाल के बाद पाक स्पिनर के एक्शन को लेकर बहस तेज हो वहीं एक दिग्गज पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि इस गेंदबाज का बचाव करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी में जो विविधता है, वो लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को मिली है. उन्होंने कहा, 'उनकी गेंद को विकेट के पीछे से देखना काफी अच्छा अनुभवी है। वो जिस तरह से फ्लाइट देते हैं और अचानक गेंद को तेज़ी से टर्न कराते हैं, वो काबिले-तारीफ है। अंपायरों को सबूतों पर बात करनी चाहिए, सिर्फ कपड़ों पर नहीं। इस बार पाक के सुपर-8 में पहुंचने में तारिक की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अहम मौकों पर बड़े विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई है। इस गेंदबाज ने अभी तक किसी भी बायोमैकेनिकल टेस्ट में अपनी कोहनी की जांच नहीं करायी है। ऐसे में अगर जांच में उनकी कोहनी 15 डिग्री से अधिक मुड़ती दिखी तो उनपर प्रतिबंध लगना तय है।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए।

द्रविड़ ने से कहा, 'मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो,।' टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, 'अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।' द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को कड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नीदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। जिस प्रकार से इन टीमों ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमों ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है। इन टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक हार के बाद चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, अब करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। टीम 26 फरवरी को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के अपने दूसरे मैच के लिए चेन्नई में तैनात है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा।

इस बड़ी हार के साथ ही भारत को आईसीसी क्रिकेट के सभी श्वेत-गेंद प्रारूपों में 18 मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 विश्व कप के फाइनल में भी भारत को इसी मैदान - नरेंद्र मोदी स्टेडियम - पर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों में रनों के अंतर से यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 80 रनों की हार हुई थी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत को अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

मैच की बात करें तो, डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) की चौथी विकेट के लिए शानदार 97 रनों की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 187/7 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने तेज गति से खेलते हुए नाबाद 44 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। 188 रनों का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजों में से कोई भी अर्धशतक नहीं बना सका। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया और भारत ने मौजूदा चैंपियन को 18.5 ओवरों में मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया और भारतीय टीम को 76 रनों से हरा दिया।

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्कराम (1/5), मार्को जानसेन (4/22), केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2/12) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। ।''

वरुण ने अर्शदीप का रिकार्ड तोड़ा : लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में एक विकेट लेते ही एक नया रिकार्ड बनाया है। वरुण अब लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। वरुण लगातार 18 पारियों में भारत के लिए विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पीछे छोड़ा। अर्शदीप सिंह ने साल 2024-25 में लगातार 17 पारियों में विकेट लेने का रिकार्ड बनाया था। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने 2025-26 के बीच अब तक कुल 18 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इसी सूची में तीसरे नंबर पर पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा है। नेहरा ने साल 2016 में 13 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए थे।

भारतीय टीम की हार से गंभीर की लचर रणनीति पर फिर उठे सवाल

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम की करारी हार के लिए खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए गंभीर की लचर योजनाएं भी जिम्मेदार हैं।

मैच केवल मैदान पर नहीं खेला जाता बल्कि उससे कहीं ज्यादा दिमाग में खेला जाता है। टीम प्रबंधन ने यहां गलती कर दी। इसी कारण ग्रुप स्तर पर सभी मैच जीतने वाली टीम धीमी और काली मिट्टी के विकेट पर विफल रही। इस मैच में अंगुल के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। न तो भारतीय टीम प्रबंधन की योजनाओं में स्पष्टता दिखी और न वह उन्हें अमल में ला पायी। यहां तक की पारी की शुरुआत कौन करेगा। ये भी अंत तक तय नहीं था। गंभीर अपने सबसे बेहतरीन 11 खिलाड़ी उतारने की बजाय लगातार प्रयोग करते दिखे। वह भी ऐसे समय तब कि एक ही टीम उतारी जानी चाहिये। मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह पर अंतिम ग्यारह में वाशिंगटन सुंदर को उतरा गया। सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में विफल रहे। टीम में चयनित खिलाड़ी को ही अंत तक पता नहीं होता है कि वह अंतिम ग्यारह में है कि नहीं। इससे उनकी तैयार भी प्रभावित होती है जबकि विश्वकप खेलते समय टीम पहले से ही तय कर ली जाती है और वही पूरे समय खेलती है।

एफआईएच प्रो लीग: स्पेन के खिलाफ आज जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी टीम इंडिया, साख दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में जुझारु प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को यहां स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच में वापसी करके एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। नौ टीमों के इस टूर्नामेंट में अब तक भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राउरकेला और होबार्ट में खेले गए दोनों चरणों में भारत को पांच हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच उसने ड्रॉ खेला।

कोच क्रेग फुल्टन आलोचनाओं का सामना कर रहे

टीम के इस लचर प्रदर्शन के कारण कोच क्रेग फुल्टन पर दबाव बढ़ गया है जो लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के व्यक्तिगत कारणों से होबार्ट चरण से हटने के बाद युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को कप्तानी सौंपी गई। होबार्ट चरण में स्पेन से पहला मैच 0-2 से हारने के बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था लेकिन उसे पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम हालांकि इस मैच से वर्तमान टूर्नामेंट का पहला अंक हासिल करने

में सफल रही थी।

भारतीय टीम अब स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों टीमों के बीच वर्षों से कड़ी प्रतिस्पर्धा रही है, जिसमें दोनों ने एक दूसरे को समान रूप से टक्कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत एक समय जीत की स्थिति में था। अमित रोहिदास और जुगराज सिंह के गोल की बदौलत भारत ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन मैच के अंत में गोल खाने की वही पुरानी समस्या फिर से सामने आ गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पेनल्टी शूटआउट में मैच जीत लिया।

इससे पहले राउरकेला में खेले गए चारों मैचों में भारत की हार को देखते हुए इस टीम का अच्छा प्रदर्शन माना जा सकता है। राउरकेला में भारत को अर्जेंटीना से 0-8 की करारी शिकस्त भी मिली थी। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनकी तेज दौड़ और रिवर्स-हिट ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को चकमा दे दिया, हालांकि बैक-स्टिक के इस्तेमाल के कारण उनके इस गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। युवा आदित्य ललागे ने भी अपनी छाप छोड़ी। भारतीय टीम को अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अब अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा क्योंकि नौ टीमों वाली एफआईएच प्रो लीग तालिका में वह छह मैचों में सिर्फ एक अंक के साथ आठवें स्थान पर है। भारत के पीछे केवल पाकिस्तान है जिसने अब तक अपने सभी आठ मैच हारे हैं और अभी तक अपना खाता नहीं खोला है। होबार्ट चरण में भारतीय टीम स्पेन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेलेगी।

इसके बाद जून में यूरोप में मुकाबले होंगे, जहां भारत नीदरलैंड, बेल्जियम और इंग्लैंड में खेलेगा। लेकिन उससे पहले भारत का तात्कालिक लक्ष्य अंक हासिल करना और तालिका में आगे बढ़ना होगा। बेल्जियम (आठ मैच, 22 अंक) तालिका में अभी सबसे आगे है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (सात मैच, 20 अंक) और अर्जेंटीना (आठ मैच, 17 अंक) का नंबर आता है। जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा। एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। दुनिया के पूर्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत मंगलवार से मुलहेम एन डेर रूर के वेस्टएनर्जी स्पोटहॉल में शुरू होने वाले जर्मन ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती अगुवाई करेंगे। पुरुषों की एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत, इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दो क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के बाद जर्मन ओपन में उतरेंगे। उन्हें आखिरी बार इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने भारत के लिए अपने दोनों एकल रबर जीते थे। पुरुषों के एकल मुख्य ड्रॉ में किदांबी श्रीकांत के साथ उनके हमवतन किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी होंगे। ओलंपियन और दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ी फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव पुरुष एकल में टॉप सीड हैं और पहले राउंड में किरण जॉर्ज से भिड़ेंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु की गैरमौजूदगी में दुनिया की नंबर 40 तन्वी शर्मा महिला सिंगल्स में भारत की कमान संभालेंगी। तन्वी शर्मा, जो पिछले साल BWF वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और यूएस ओपन में उप विजेता रही थीं, उनके साथ महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में तस्नीम मीर, मालविका बंसोड़, रक्षिता रामराज और इशारानी बरुआ होंगी। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में भारत की अकेली जोड़ी अश्विनी भट और शिखा गौतम हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया।

मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।'

इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन विकेट

सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

विश्वकप अंक तालिका में पाकिस्तान से भी पिछड़ी भारतीय टीम

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर धमाकेदार प्रदर्शन कर शीर्ष पर रही भारतीय टीम सुपर-आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ती दिख रही है। इससे उसके सेमीफाइनल की उम्मीदें भी कम हो रही हैं। पहले सुपर-8 मैच के बाद भारतीय टीम पाकिस्तान से भी पीछे है। न्यूजीलैंड से पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की वजह से रद् होने के बाद पाक को एक 1 अंक मिला है पर भारतीय टीम के पास एक भी अंक नहीं है। ऐसे में एक और हार से वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अब भारतीय टीम को अपने बाकी दो सुपर 8 मुकाबलों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी. भारतीय टीम अपना दूसरा सुपर 8 मुकाबला गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी. वहीं एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में उतरेगी। अगर भारतीय टीम अपने शेष दो मैचों में से एक भी हार जाता है, तो उसका खिताबी सफर सुपर 8 स्टेज में ही समापत हो जाएगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया का नेट रन रेट काफी नीचे चला गया है।

पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी, पांच की मौत, 7 घायल

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से सोमवार को धारणी तालुका के रानीगांव घाट मार्ग पर एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात गंभीर रूप से घायल हुए। सभी घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह दुर्घटना रानीगांव घाट सेक्शन में शिवाझिरी गांव पास हुई। जानकारी के मुताबिक पिकअप वैन संकरी और घुमावदार पहाड़ी सड़क से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण खो गया। संतुलन बिगड़ते ही वैन सड़क से फिसलकर सीधे गहरी खाई में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा बेहद भीषण था। वाहन के खाई में गिरते ही उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। संकरी घाट सड़क और गहरी खाई के कारण बचाव अभियान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की। कई घंटों की मशक्कत के बाद घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी सात घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल भवन में आधी रात पहुंची दिल्ली पुलिस... हंगामे का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली स्थित हिमाचल भवन में रात को पुलिस की अचानक एंट्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे वहां ठहरे लोगों में हड़कंप मच गया था। वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मी बिना कोई स्पष्ट वारंट दिखाए हिमाचल भवन के कमरों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर मौजूद लोग विरोध कर रहे हैं और पूछ रहे कि सरकारी जगह पर बिना आदेश कैसे प्रवेश हो सकता है। एक महिला, जो खुद को एडवोकेट बता रही है, कैमरे के सामने यह भी पूछती दिखती हैं कि 卐सर, आपने मेरे कमरे में घुसने के लिए अनुमति कैसे दी? महिला पुलिसकर्मी कहां हैं?卐 और एक व्यक्ति समय बताकर कहता है कि यह सवा 12 बजे के करीब हुआ था। विरोध के बाद पुलिस वापस लौटती दिख रही है। इस घटना ने हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक सियासत भी गरमाई है। धर्मशाला से बीजेपी विधायक सुधीर शर्मा ने सवाल उठाया है कि हिमाचल सरकार दिल्ली किस उद्देश्य से गई थी, क्या यह रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) की बहाली की मांग के लिए था या किसी और मायने में? उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कुछ रिपोर्टों में यह भी चर्चा है कि दिल्ली पुलिस संभवत: एआई समिट के दौरान टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को खोजने के सिलसिले में हिमाचल भवन तक पहुंची थी, जहां पर कुछ प्रदर्शनकारी ठहरे हुए थे। लेकिन इस बारे में पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है।

छह महीने पहले ही जिसे किया डिपोर्ट वहीं बांग्लादेशी महिला फिर मुंबई में पकड़ाई

-पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था

कश्मीर (एजेंसी)। मुंबई में अवैध रूप से रह रही 46 साल की बांग्लादेशी नागरिक राबिया नासिर को बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था, लेकिन हाल ही में वह विले पार्ले इलाके से फिर गिरफ्तार की गई है। उसे छह महीने पहले ही मीरा-भायंदर से गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया था। मुंबई के अलग-अलग इलाकों से पिछले महीने पकड़ी गई जुलेखा जमाल शेख और बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर ने भी पुलिस को बताया कि उन्हें अगस्त 2025 में बांग्लादेश भेजा गया था, लेकिन वे अवैध तरीके से फिर भारत लौट आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबिया पिछले 25 सालों से मीरा-भायंदर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी, उसने पुलिस को बताया कि वह जंगलों के रास्ते सीमा पार कर वापस भारत में दाखिल हुई। आरोप है कि कुछ लोग सीमा सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत देकर दोबारा भारत में घुस रहे हैं। राज्य में अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ-साथ पूरे राज्य में गिरफ्तारियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि मुंबई के सभी 93 पुलिस थानों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2025 में एक हजार से ज्यादा अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया गया था। 2026 में भी सैकड़ों लोगों को पकड़ा है, जिन्हें जल्द ही डिपोर्ट किया जाएगा। बता दें राबिया नासिर को 8 अगस्त 2025 को मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ने डिपोर्ट किया था। हाल ही में उन्हें विले पार्ले (पश्चिम) से एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया। इसके अलावा, पिछले सप्ताह वर्सोवा पुलिस ने अंधेरी (पश्चिम) से 21 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया था, जिनमें 18 ट्रांसजेंडर शामिल थे। पुलिस ने बताया कि सभी के खिलाफ एफआरओ को रिपोर्ट भेज दी गई है ताकि जल्द से जल्द डिपोर्टेशन की कार्रवाई की जा सके।

पुलिसकर्मियों ने वायुसेना के जवान के साथ की मारपीट, कान का पर्दा फटा

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के घाटमपुर क्षेत्र में भारतीय वायुसेना में तैनात एक जवान के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पिटाई के दौरान जवान के कान का पर्दा फट गया। वह पिछले तीन दिनों से एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित की मां ने डीसीपी साउथ कार्यालय में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है, जिसके बाद जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के देवमनपुर गांव निवासी रेखा सचान के अनुसार, उनका बेटा नितीश सचान भारतीय वायुसेना में कार्यरत है। वह 19 फरवरी को नौरंगा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। देर रात करीब साढ़े 11 बजे, जब वह मूसानगर रोड स्थित एक गेस्टहाउस से पैदल घर लौट रहा था, तभी पुलिस की गश्ती टीम ने उसे रोक लिया।

मैं कांग्रेस नेता की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं, अगर गलत लगे तो मुझ पर केस करें

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई पर किया बड़ा हमला

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर बड़ा हमला बोला उन्होंने कांग्रेस गोगोई पर पाकिस्तान कनेक्शन को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए। एक इंटरव्यू में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी लड़ाई गौरव गोगोई से नहीं, बल्कि पाकिस्तान से है। उन्होंने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न को पाकिस्तानी एजेंट बताते हुए कहा कि ऐसे एजेंट भारत में नहीं चाहिए। उन्होंने चुनौती दी कि अगर उनके आरोप गलत हैं, तो गौरव गोगोई उन पर मुकदमा कर दें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में सरमा ने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं गौरव गोगोई की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं। अगर किसी को यह गलत लगे तो वह मुझ पर केस कर सकता है। अगर मेरे पास कुछ गैरकानूनी है तो वह भी ले लो। वह कोर्ट नहीं जाएंगे क्योंकि वह खुद गलत हैं। अगर उन्होंने झूठा आरोप लगाया है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। सरमा ने जोर देकर कहा कि अगर वह कांग्रेस में बने रहते और 'जी-हुजूरी' करते, तो शायद सीएम बन जाते, लेकिन उनके लिए आत्मसम्मान और असम की जनता का हित सबसे ऊपर है। उन्होंने असम में घुसपैठियों के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य की डेमोग्राफी को बदलने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरमा ने कहा कि केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन सरकार' ने ही असम का उद्धार किया है, जिससे विकास की रफ्तार तेज हुई और घुसपैठ पर लगाम लगी।

हिमंत सरमा ने कांग्रेस के शासन की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में कोई इंजन नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय विकास कार्य नहीं होते थे। कांग्रेस के समय तुलना के लिए कुछ नहीं था। मोदी सरकार के 11 साल में काम नजर आ रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और उन्हें 'असामान्य' बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी असामान्य हैं। चैट जीपीटी भी राहुल को असामान्य बता देगा। इतनी ठंड में हाफ टी-शर्ट कैसे पहन सकता है? ठंड में हाफ टी-शर्ट नॉर्मल व्यवहार नहीं है। साधु-संतों के कम कपड़े समझ में आते हैं, लेकिन राहुल असामान्य हरकतें करते हैं।

वहीं, घुसपैठियों के मुद्दे पर सीएम सरमा ने कहा कि घुसपैठियों को बांग्लादेश भेजना जरूरी है। घुसपैठियों ने असम की जमीन पर कब्जा किया है। असम समझौते के बाद घुसपैठिए बढ़ गए। वो फैसला करें कि जमीन पर कब्जा नहीं करेंगे। वह फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी। मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि असम की अस्मिता और जनता की सुरक्षा उनके लिए प्राथमिकता है, और वे किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। असम समझौते के बाद घुसपैठिये बढ़ गए. वो फैसला करें कि जमीन कब्जा नहीं करेंगे, वो फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी. मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं।

रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक और तेजस, वायुसेना ने 30 विमानों की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का एक तेजस लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एक अग्रिम एयरबेस पर लैंडिंग के वक्त संदिग्ध ब्रेक फेल होने के कारण विमान रनवे से आगे निकल गया। इस घटना में विमान के ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि राहत की बात यह रही कि पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहा। यह घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है, जिस पर अभी तक वायुसेना की ओर से कोई औपचारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने एहतियाती कदम उठाते हुए लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट विमानों के पूरे बेड़े को अस्थायी रूप से उड़ान भरने से रोक दिया है। सूत्रों का कहना है कि विमानों की तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा पूरी होने तक यह बेड़ा जमीन पर ही रहेगा। तेजस विमान से जुड़ी यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले मार्च 2024 में जैसलमेर के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और दूसरी घटना नवंबर 2025 में दुबई एयरशो के दौरान सामने आई थी। हादसों के बीच वायुसेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक विमानों को शामिल करने पर जोर दे रही है। वायु शक्ति अभ्यास से पूर्व एक प्रेस वार्ता में वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने कहा कि बल अपने बेड़े में नई पीढ़ी के और भी अधिक विमानों को शामिल करने का इच्छुक है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में राफेल की भूमिका की सराहना करते हुए उसे चर्चा का केंद्र बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वायुसेना और अधिक बहु-भूमिका लड़ाकू विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है, चाहे वह राफेल हो या कोई अन्य विमान। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

2021 से जनवरी 2026 तक केंद्र सरकार ने कबाड़ बेचकर कमाए 4,405 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत 2021 से जनवरी 2026 तक, उसने कबाड़ की बिक्री से कुल 4,405.28 करोड़ रुपए की आय प्राप्त की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के मुताबिक दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच कबाड़ निपटान से 200.21 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जबकि जनवरी माह में स्वच्छता अभियान के तहत 5,188 कार्यालयों में 81,322 फाइलें छांटी गईं।

रिपोर्ट में विभाग के मुताबिक जनवरी में देशभर में 5,188 स्थानों पर सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। करीब 4.34 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है, जिसमें कोयला मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय का अहम योगदान रहा है। पिछले महीने, कबाड़ निपटान से 115.85 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें रेल मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय और कोयला मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का अहम योगदान रहा।

वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रभावी अभिलेख प्रबंधन के तहत 1,82,000 फिजिकल फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 81,322 फाइलें अनावश्यक पाई गईं। 5,57,852 जन शिकायतों का निपटारा किया गया साथ ही 1,032 सांसद संबंधी संदर्भों और 375 राज्य सरकार संबंधी संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसमें आगे कहा गया है कि फाइलों की संख्या कम करने की पहल को अपनाने से सक्रिय फाइलों के लिए औसत लेनदेन स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 2021 में 7.19 से घटकर जनवरी 2026 तक 4.31 हो गया है। जनवरी 2026 में बनाई गई कुल फाइलों में से करीब 93.81 फीसदी ई-फाइलें हैं। प्राप्त रसीदों में से करीब 95.29 फीसदी ई-रसीदें थीं और 65 मंत्रालयों और विभागों ने उल्लेखनीय स्तर पर कम से कम 90 फीसदी ई-फाइलों को अपनाया है। 26 जनवरी के लिए पंद्रह मंत्रालयों व विभागों की ई-रसीदों में 100 फीसदी हिस्सेदारी है।

राज्यसभा चुनाव में तेलंगाना से कांग्रेस को लग सकता है झटका... केसीआर एक सीट पर दावा करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। बिहार में 5 सीटों पर चुनाव में एनडीए की जीत तय मानी जा रही है। वहीं तेलंगाना में भी 2 सीटों पर वोटिंग होनी है। इन दो सीटों पर कांग्रेस की जीत अब तक तय मानी जा रही थी, लेकिन अब खेल बदलता नाराज आ रहा है। इस राज्य में भाजपा इस स्थिति में नहीं है कि कांग्रेस को चुनौती दे, लेकिन भारत राष्ट्र समिति के नेता के. चंद्रशेखर राव ने एक उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला लिया है। इन खबरों से कांग्रेस नेतृत्व को झटका लगाना लाजिमी है, जो पहले ही ज्यादातर राज्यों में सीटें जीतने की स्थिति में नहीं है। अप्रैल में दो सीटें खाली हो रही हैं। अब तक कांग्रेस तेलंगाना में मानकर चल रही थी कि इन दोनों सीटों पर आसानी से जीत मिल जाएगी।

लेकिन केसीआर ने जिस तरह से राज्य में राज्यसभा चुनाव को लेकर समीकरण बदलने की कोशिश की है, इससे कांग्रेस टेंशन में आ गई है। अब कांग्रेस के लिए स्पष्ट हो गया होगा कि मुकाबला गणित, गठबंधन और अन्य तमाम चीजों से तय होगा। मीडिया में खबरें हैं कि केसीआर किसी चर्चित व्यक्ति को उतारना चाहते हैं। विधानसभा रिकॉर्ड्स के अनुसार केसीआर के पास कुल 37 विधायक हैं। इसमें से 10 विधायक हैं, जो कांग्रेस के पास जा चुके हैं और उनकी अयोग्यता को लेकर मामला चल रहा है। इस मामले में 8 विधायकों पर बीआरएस की आपत्ति को स्पीकर ने खारिज किया है। वहीं दो पर अभी ट्राइब्यूनल में मामला लंबित है।

यदि एक राज्यसभा सीट जीतनी है, तब किसी भी दल को 41 विधायकों की जरूरत है। कुल 37 विधायकों का दावा करने वाली बीआरएस के साथ यदि उसके अपने सभी विधायक बने रहते हैं, तब बीआरएस को अलग से सिर्फ 4 विधायकों की ही जरूरत होगी। फिलहाल खबर है कि बीआरएस की ओर से उन दलों से वार्ता हो रही है, जिनके समर्थन से इस आंकड़े को हासिल कर सकते है। राज्य में कांग्रेस के पास 66 विधायक हैं। इसके अलावा सीपीआई के भी एक विधायक का कांग्रेस को समर्थन है। अब तक वह मान रही थी कि बीआरएस मुकाबले से दूर रहेगी। लेकिन जब एक राज्यसभा सीट हासिल करने की स्थिति केसीआर को दिखी, तब उन्होंने मुकाबले में उतरना ही ठीक समझा है।

फिलहाल पूरा मामला इस बात पर अटक गया है कि आखिर वे 10 विधायक किसके साथ जाते हैं, जो बीआरएस से बागी हुए हैं। इसके अलावा भाजपा और ओवैसी के एआईएमआईएम पर भी नजरें टिक गई हैं। राज्य में ओवैसी के पास कुल 7 विधायक हैं, जबकि भाजपा के पास भी 8 का समर्थन है। इस तरह से मुकाबला काफी पेंचीदा हो सकता है। साफ है कि एक सीट भले कांग्रेस आसानी से पा जाए, लेकिन दूसरी सीट जीतना टेढ़ी खीर बन सकता है। दरअसल कांग्रेस की आंतरिक कलह भी उसके लिए हालात मुश्किल कर रही है। दो सीटों में से एक पर अभिषेक मनु सिंघवी को फिर से भेजा जा सकता है। अब रही बात दूसरी सीट की, तब उसके लिए सीएम के सलाहकार वी. नरेंद्र रेड्डी का नाम भी चर्चा में है। इसके अलावा रिटायर्ड जज जस्टिस सुदर्शन रेड्डी भी मुकाबले में हैं।

बिहार में शराबबंदी पर एनडीए में बगावत, भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार को दिखाया आईना

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान शराबबंदी का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। इस बार विपक्ष के हमले से ज्यादा सत्ताधारी दल भाजपा के अपने ही विधायक विनय बिहारी के बयानों ने सरकार की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। पश्चिमी चंपारण के लौरिया से विधायक विनय बिहारी ने राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को पूरी तरह विफल बताते हुए इसे हटाने या सख्ती से लागू करने की मांग की है। उनके इस बयान ने न केवल एनडीए के भीतर मतभेदों को उजागर कर दिया है, बल्कि राजद और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों को सरकार को घेरने का एक बड़ा मौका भी दे दिया है।

बेतिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विनय बिहारी ने अपनी क्षेत्रीय भाषा भोजपुरी में तंज कसते हुए कहा कि शराब मिलअता, तबे ना लोगवा हिलअता, जिसका अर्थ है कि शराब मिल रही है, तभी लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि आज राज्य में शराब धड़ल्ले से बिक रही है और पीने वाले तथा बेचने वाले दोनों ही जेल जा रहे हैं, लेकिन आपूर्ति नहीं रुक रही। विधायक ने यहां तक कह दिया कि शादियों और बारातों में जाने पर अक्सर लोग नशे की हालत में मिल जाते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कानून केवल कागजों तक सीमित है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि या तो इस कानून को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए या फिर इसे खत्म कर पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी जाए ताकि राज्य को हो रहे आर्थिक नुकसान और जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोका जा सके।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2016 में बड़े दावों के साथ बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। तब से अब तक लाखों लीटर शराब जब्त की गई है और लाखों लोग जेल की हवा खा चुके हैं, लेकिन समय-समय पर जहरीली शराब कांड में होने वाली मौतों ने इस कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं। विनय बिहारी से पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और रालोमो विधायक माधव आनंद भी इस कानून की समीक्षा की वकालत कर चुके हैं, लेकिन किसी एनडीए विधायक द्वारा इसे सीधे तौर पर हटाने की बात कहना पहली बार देखा गया है। इस बयान के बाद राज्य की सियासत में उबाल आ गया है। जहाँ एक ओर जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा और भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने बचाव की मुद्रा अपनाते हुए कहा कि विधायक की बातों को गंभीरता से लेकर कानून को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, वहीं विपक्ष ने इसे सरकार की नाकामी करार दिया है। राजद और कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि सरकार के भीतर ही इस कानून को लेकर एकराय नहीं है, जिसका सीधा फायदा माफिया और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों को मिल रहा है। विपक्ष के अनुसार, पुलिस शराबबंदी को कमाई का जरिया बना चुकी है और आम जनता इसका खामियाजा भुगत रही है।

कुबेर पांडेय हत्या कांड का इनामी मुख्य आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसी)। जिला पुलिस टीम को चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। जिसमें कुबेर पांडेय हत्या कांड के इनामी मुख्य आरोपी अवनीश कुमार उर्फ देवा को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देशन में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई करते हुए कुबेर पाण्डेय हत्याकांड समेत लूट, हत्या और आर्म्स एक्ट के कई मामलों में फरार चल रहे 10,000 रुपये के इनामी अपराधी अवनिश कुमार उर्फ देवा को दबोच लिया है। पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। जिससे किसी बड़ी वारदात की साजिश को नाकाम कर दिया है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस ने एक गुप्त सूचना के बाद शुरू की। गोविंदगंज थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना कांड संख्या-02/25 (कुबेर पाण्डेय हत्याकांड) का मुख्य वांछित अभियुक्त अवनिश कुमार उर्फ देवा अपने पैतृक निवास विसही (थाना-पहाड़पुर) में छिपा हुआ है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अरेराज के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने जब देवा के घर पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी, तो वह भागने की फिराक में था, लेकिन मुस्तैद जवानों ने उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 01 पिस्तौल और 04 जिंदा कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार अभियुक्त अवनिश कुमार उर्फ देवा का लंबा और काला आपराधिक इतिहास रहा है। वह केवल हत्या के मामलों में ही नहीं, बल्कि चोरी, लूट, एनडीपीएस (मादक पदार्थ) और संगठित अपराध जैसे गंभीर कांडों में भी संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ पहाड़पुर, गोविंदगंज और मंझौलिया थानों में आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। विशेष वर्ष 2025 में हुए चर्चित कुबेर पाण्डेय हत्याकांड के बाद से ही की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था, जिसके कारण उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन पर कोर्ट हुआ सख्त, चार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए हंगामे पर दिल्ली की एक अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रवि की कोर्ट ने विरोध प्रदर्शन के तरीके की तीखी आलोचना करते हुए इसे असहमति जताने का अनुचित तरीका करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया यह शर्टलेस विरोध प्रदर्शन सार्वजनिक व्यवस्था पर एक सीधा हमला था, जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की कूटनीतिक छवि को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए चार कार्यकर्ताओं को कोर्ट ने शनिवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों में बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार के प्रदेश सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना के नरसिंह यादव शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की हिरासत संबंधी अर्जी को स्वीकार करते हुए मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी की कि आरोपी देश के विभिन्न दूर-दराज के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं, जिससे उनके फरार होने की आशंका प्रबल है। कोर्ट ने जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए बताया कि इस घटना के पीछे किसी बाहरी साजिश के संकेत मिल रहे हैं, जो मामले की गंभीरता को और अधिक बढ़ा देते हैं।

अदालत के आदेश के अनुसार, इन आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने वैश्विक प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी वाले हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र भारत मंडपम में घुसने की एक सुनियोजित साजिश रची। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ऐसी टी-शर्ट पहन रखी थीं, जिन पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ नारे लिखे थे। पुलिस रिकॉर्ड और मेडिको-लीगल मामलों (एमएलसी) के आधार पर यह भी सामने आया है कि प्रदर्शन के दौरान सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डाली गई और पुलिसकर्मियों पर शारीरिक हमले किए गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि लोकतंत्र में असहमति जताने का अधिकार सबको है, लेकिन ऐसा आचरण वैध विरोध की सीमाओं का उल्लंघन करता है। समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान इस तरह की हरकतें विदेशी हितधारकों के समक्ष देश की छवि को धूमिल करती हैं। कोर्ट ने यह भी माना कि आरोपियों के कई सहयोगी फिलहाल फरार हो सकते हैं, जो डिजिटल सबूतों और वित्तीय सुरागों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। गहन जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए अदालत ने कहा कि ये अपराध अंतरराष्ट्रीय मंच पर सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 121 (लोक सेवक को कर्तव्य से रोकने के लिए चोट पहुंचाना) और धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब चारों आरोपियों को 25 फरवरी तक पुलिस हिरासत में रहकर पूछताछ का सामना करना होगा। इस घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि राजनीतिक विरोध के गिरते स्तर पर भी एक नई बहस छेड़ दी है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902